मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.9	17.4
जमशेदपुर	21.8	17.0
डालटनगंज	26.4	12.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शुक्रवार, 02 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 285

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखंड की राजनीति में बढ़ी हलचल

सरकार पर सस्पेंस

मौसम बना विलेन : गठबंधन के विधायक नहीं जा सके हैदराबाद

▪ चंपई को शपथ ग्रहण का समय नहीं मिला, राज्यपाल से मिला जल्द सूचित करने का आश्वासन

▪ चंपई सोरेन के नेतृत्व में आज गठबंधन के नेता-विधायक बापू की प्रतिमा पर करेंगे सत्याग्रह

शुभम संदेश टीम। रांची

झारखंड में नयी सरकार पर सस्पेंस बरकरार है. सरकार बनाने का दावा पेश करने के 22 घंटे बीत जाने के बाद गुरुवार को शाम 5.30 बजे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से गठबंधन दल के नेता चंपई सोरेन के नेतृत्व में विधायक मिले. राज्यपाल ने मात्र 5 मिनट का समय ही दिया. उन्होंने विधायकों को शपथ ग्रहण का समय तो नहीं दिया, केवल इतना कहा कि कानूनी पहलुओं पर विचार चल रहा है. जल्द ही सूचित किया जाएगा.

इस बीच हार्स ट्रेडिंग के डर से हैदराबाद भेजे जा रहे 38 विधायकों का दल खराब मौसम की वजह से रांची एयरपोर्ट से उड़ान नहीं भर सका. करीब डेढ़ घंटे के इंतजार के बाद सभी विधायक वापस सर्किट हाउस लौट आए. उधर, राज्यपाल की आनाकानी के विरोध में गठबंधन के सभी नेता-विधायक अपने नेता चंपई सोरेन के नेतृत्व में शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका के समक्ष दिन भर सत्याग्रह और मौनव्रत पर बैठेंगे.

राज्यपाल से मिलने वालों में विधायक दल के नेता चंपई सोरेन, कांग्रेस विधायक दल नेता आलमगीर आलम, राजद विधायक सत्यानंद भोक्ता, झाविमो विधायक प्रदीप यादव, माले विधायक विनोद सिंह सहित झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य मौजूद थे.

ऐसे चला घटनाक्रम

दोपहर 3-30 बजेः चंपई सोरेन को राज्यपाल ने दिया समय. 5.30 बजे चंपई सोरेन को 5 विधायकों के साथ राज्यपाल ने बुलाया

दोपहर 2-50 बजेः चंपई सोरेन ने राज्यपाल से फिर मांगा समय. 3 बजे समय देने का किया अनुरोध.

दोपहर 2-46 बजेः हेमंत सोरेन को कोर्ट में पेश किया गया, ईडी ने मांगी 10 दिनों की रिमांड

दोपहर 2-15 बजेः हेमंत सोरेन ईडी ऑफिस से कोर्ट में पेशी के लिए निकले

दोपहर 01-54 बजेः कोर्ट में 100 से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया. डीसी और एसएसपी पहुंचे

दोपहर 01-45 बजेः विनय कुमार चौबे ने सीएम के प्रधान सचिव के साथ-साथ नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव के अतिरिक्त प्रभार वाला पद छोड़ा

दोपहर 01-24 बजेः राजभवन को सरकार बनाने के लिए दोबारा रिमाइंडर भेजा गया

दोपहर 01-24 बजेः रांची के डीसी राहुल सिन्हा और एसएसपी पहुंचे कोर्ट परिसर, सुरक्षा का लिया जायजा

राज्यपाल से असमंजस की स्थिति खत्म करने की मांग हमने की है : चंपई सोरेन

राज्यपाल से मिलने के बाद गठबंधन दल के नेता चंपई सोरेन ने बताया कि उन लोगों ने राज्यपाल के पास यह आग्रह किया कि जल्दी ही सरकार का गठन किया जाए. जिस पर राज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि जल्द इस पर काम होगा. चंपई सोरेन ने कहा कि झारखंड में पिछले 22 घंटे से कर्ता र्ता नहीं है. झारखंड में असमंजस की स्थिति है. सरकार गठन पर अविलंब निर्णय लिया जाना चाहिए.

भाजपा ने भी आज बुलायी विधायक दल की बैठक

भाजपा ने भी शुक्रवार को सुबह 11 बजे पार्टी विधायक दल की बैठक बुलाई है. माना जा रहा है कि भाजपा प्रेशर बढ़ाने के लिए ऐसा करने जा रही है. कुल मिला कर झारखंड सस्पेंस बरकरार है. बहुमत वाले दल को राज्यपाल की तरफ से शपथ ग्रहण के लिए न बुलाया जाना कई सवाल खड़े कर रहा है.

बुलावा नहीं आने पर चंपई ने राज्यपाल से मांगा था समय

सरकार बनाने का दावा पेश करने के 18 घंटे बीत जाने के बाद विधायक दल नेता चंपई सोरेन ने गुरुवार को राज्यपाल को पत्र भेजकर मिलने का समय मांगा था. दोपहर में राजभवन को लिखी चिट्ठी में चंपई सोरेन ने कहा था कि झारखंड में 18 घंटे से ज्यादा समय से कोई सरकार अस्तित्व में नहीं है. राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल का यह कर्तव्य है कि वह भ्रम की स्थिति से बाहर निकालें. चंपई ने कहा कि मेरे पास बहुमत है और मैं झारखंड को स्थिर और मजबूत सरकार देने में सक्षम हूं.

अविलंब सरकार गठन की मांग की है : प्रदीप

विधायक प्रदीप यादव ने बताया कि राज्यपाल ने कहा कि मैं विधि-विशेषज्ञों से राय ले रहा हूं और जल्दी ही बुलावा भेजूंगा. प्रदीप यादव ने कहा कि हमलोगों ने राज्यपाल से अविलंब सरकार गठन कराने की मांग की. उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि राज्यपाल कल ही हमारे समर्थन पत्र पर निर्णय लेंगे. उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि कल ही सरकार गठन का बुलावा आ जाएगा. मैंने विधि-विशेषज्ञों की राय मांगी है. जल्द ही कोई फैसला आएगा मैं बुलावा भेजूंगा.

ईडी के विशेष कोर्ट में पेशी के बाद हेमंत जेल भेजे गये

ईडी कोर्ट में रिमांड पर फैसला आज, सुप्रीम कोर्ट में भी होगी सुनवाई

संवाददाता। रांची

ईडी की टीम ने लैंड स्कैम में गिरफ्तार पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को गुरुवार दोपहर 2 बजे ईडी की विशेष अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया. ईडी के विशेष कोर्ट में जज दिनेश राय के समक्ष पेशी के साथ ही ईडी ने उन्हें 10 दिन की रिमांड मांगी, जिसका हेमंत के अधिवक्ता ने विरोध किया. ईडी की ओर से एएसजी अनिल कुमार ने पक्ष रखते हुए हेमंत को रिमांड पर ले पूछताछ करने की वजह बतायी. कहा, लैंड स्कैम से संबंधित जो दस्तावेज ईडी के पास हैं, उस पर और जानकारी लेनी है. वहीं झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने रिमांड की मांग का विरोध किया. दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया. फैसले के लिए कोर्ट ने शुक्रवार की तिथि तय की है, वहीं सुप्रीम कोर्ट में भी हेमंत की याचिका पर शुक्रवार को ही सुनवाई होगी.

जेल के ब्लॉक बी रखे गये हेमंत

होटवार जेल के अपर डिवीजन वार्ड के बी ब्लॉक में हेमंत को रखा गया है, जहां जेल मैनुअल के अनुसार सुविधाएं दी जाएंगी. जेलर अंजय श्रीवास्तव ने सुरक्षा व्यवस्था से लेकर साफ- सफाई कराने तक की जिम्मेदारी खुद संभाली. जेल में अलर्ट जारी कर दिया गया है. जेल कैंपस में काफी संख्या में पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है. जेल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है. साथ ही बिरसा मुंडा जेल जाने वाले रोड पर बैरिकेडिंग कर दी गयी है.बता दें कि 31 जनवरी को दिनभर पूछताछ की और देर शाम हेमंत सोरेन को ईडी ने गिरफ्तार कर हिनू स्थित जोनल कार्यालय में रखा था.

हाईकोर्ट से राहत नहीं, हेमंत ने याचिका वापस ली

हेमंत सोरेन की ओर से बुधवार को ईडी की पूछताछ के बीच झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर कर ईडी द्वारा उन्हें सेक्शन 50 के तहत भेजे गये समन को चुनौती दी थी.याचिका में कहा गया कि ईडी अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर बार-बार उन्हें समन कर रही है. दायर याचिका में ईडी की कार्यवाही को गलत बताया गया था. गुरुवार को उनकी याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. एक्टिंग चीफ न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की बेंच से आज उन्हें कोई राहत नहीं मिली है. ईडी की ओर से एएसजीआई एसवी राजू ने अपना पक्ष रखा. दोनों पक्षों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष अपनी अपनी दलीलें पेश की. हालांकि बाद में हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट से याचिका वापस ले ली, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका सूचीबद्ध कर ली गयी है और उस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है.

सुप्रीम कोर्ट की याचिका में कहाः आम चुनावों के मद्देनजर हुई गिरफ्तारी, जिस भूमि का जिक्र उससे कोई सरोकार नहीं

हेमंत ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा है कि राजनीति ने प्रेरित होकर उन्हें लैंड स्कैम से जुड़े केस में आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है. ईडी ने गिरफ्तारी के लिए यह आधार बनाया है कि बड़गाईं अंचल के कर्मचारी के मोबाइल से एक भूखंड से संबंधित बातचीत और दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिन्हें एजेंसी उनसे जोड़ कर देख रही है, जबकि उनका उस भूखंड से लेनादेना नहीं है. पूर्व में भी ईडी ने उन्हें समन दिया, लेकिन वह माइनिंग घोटाला का था, उस मामले में समन के बाद वे पूछताछ में शामिल भी हुए थे. याचिका में गिरफ्तारी को अवैध और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत और याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन घोषित करते हुए उन्हें मुक्त करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया.

आप लक्ष्मण रेखा लांघ रहे हैं हुजूर...

बैजनाथ मिश्र

त्वरित टिप्पणी

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन गुरुवार की शाम चंपई सोरेन से मिले जरूर, लेकिन उन्होंने सरकार बनाने का न्योता नहीं दिया? आखिर क्यों नहीं दिया? संविधान के किस प्रावधान ने उन्हें यह अधिकार दिया है ? क्या कोई भी राज्य बिना मुख्यमंत्री के चल सकता है ? राज्यपाल महोदय मुख्यमंत्री के लापता होने पर फिक्रमंद थे. उनकी चिंता वाजिब थी. लेकिन वही चिंता अब काफूर क्यों हो गयी, जब बुधवार की रात 9 बजे से झारखंड मुख्यमंत्री विहीन है. यदि राज्यपाल को लगता है कि चंपई सोरेन के पास बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं है, तो उसका आधार क्या है? क्या चंपई के अतिरिक्त किसी अन्य दल या नेता ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है? जाहिर है नहीं, फिर राज्यपाल लक्ष्मण रेखा क्यों लांघ रहे हैं? बहुमत का फैसला सदन में होगा और यह भी कि राज्यपाल सरकार नहीं चला सकते. यदि उन्हें लगता है कि स्थिर सरकार की कोई संभावना नहीं है, तो फिर वह राष्ट्रपति शासन की सिफारिश क्यों नहीं कर देते ? राष्ट्रपति शासन लगते ही सलाहकार आ जाएंगे. फिर राज्यपाल राज्य का शासन सूत्र संचालित कर शासन कर सकते हैं , लेकिन ऐसा नहीं हो सकता है कि राज्य में ना मुख्यमंत्री रहे, ना कार्यवाहक मुख्यमंत्री, ना राष्ट्रपति शासन लगे और राज्य चलता रहे. यह एक तरह से संविधान का उल्लंघन है. इसकी अपेक्षा संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से तो नहीं ही की जा सकती है.

सरकार बनाने में जितना विलंब, संविधान का उतना ही अपमान : सही है कि हेमंत सोरेन ने इस्तीफा देने में विलंब किया और उनके इस्तीफा के साथ ही नये मुख्यमंत्री की नियुक्ति नियम अनुकूल नहीं होती. क्योंकि किसी मुख्यमंत्री के इस्तीफा के बाद ही विधायक दल का नेता चुना जा सकता है. लेकिन गुरुवार को जब चंपई सोरेन को राज्यपाल ने बुला ही लिया था, तब उन्हें अविलंब शपथ दिलाने या शीघ्र -अतिशीघ्र शपथ नहीं दिलाने की वजह क्या थी? उन्हें राज्यपाल महोदय ने इतना जरूर कहा कि वह शीघ्र बुलाएंगे, लेकिन जितना विलंब होगा, संविधान का उतना ही अपमान होगा. फिर अभी तो राम राज्य की धूम मची है, और ऐसा लगता है कि राज्यपाल इरादतन संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं ! लेकिन हुजूर इतना याद रखिए कि लक्ष्मणरेखा का जब भी उल्लंघन होता है, संस्कृति रूपी सीता का अपहरण होता है. क्या आप इस अपराध के भागी नहीं बन रहे.

युवा, गरीब, महिला और किसानों पर फोकस

लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज, सुधारों पर जोर

▪ इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11 लाख करोड़ का खर्च

▪ टैक्स दरों में नहीं हुआ बदलाव नई आवास योजना का ऐलान

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट पेश हो गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में नया बजट पेश कर दिया, जो चुनावों के चलते अंतरिम बजट रहा. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए यह लगातार छठा बजट भी रहा. इस बजट में जहां एक ओर बुनियादी संरचनाओं पर सरकार का फोकस बना रहा, वहीं टैक्स स्लेब व रेट में बदलाव समेत कई अन्य उम्मीदें पाले लोगों को निराशा हाथ लगी. कुल मिला कर सरकार ने अपने अंतरिम बजट में लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज करते हुए सुधारों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए बताया कि बुनियादी संरचनाओं के लिए खर्च को 11.1 फीसदी बढ़ाया गया है. सरकार ने इसे नए बजट में बढ़ा कर 11.1 लाख करोड़ रुपए कर दिया है.

बुनियादी संरचना पर मोदी सरकार का फोकस पहले से ही रहा है और यह ट्रेंड चुनावों से पहले आए अंतरिम बजट में भी बरकरार रहा है. कैपेक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए अर्थशास्त्रियों ने कहा कि 10.2 लाख करोड़ रुपए के अनुमान की जगह पर 11.1 लाख करोड़ रुपए के कैपेक्स से पता चलता है कि बुनियादी संरचनाओं पर खर्च की गुणवत्ता में सुधार होने वाला है.

2 करोड़ नए घर बनाए जाएंगे, 3 करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी

पीएम आवास

पीएम आवास योजना में के तहत हग 3 करोड़ घर के लक्ष्य को बनाने के करीब है. अगले 5 साल में 2 करोड़ नए घर बनेंगे.

घर-घर छत पर सूर्योदय

पीएम मोदी ने हाल ही में पीएम सूर्योदय योजना का ऐलान किया था. वित्त मंत्री ने बजट में बताया कि इस योजना के तहत 1 करोड़ घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप पैनल लगाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि इससे लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली का लाभ मिलेगा और सालाना 10-12 हजार रुपए की बचत होगी.

वंदे भारत से बदलेंगे कोच

40 हजार सामान्य रेलवे कोच को वंदे भारत जैसे कोच से बदला जाएगा. मेट्रो और नमो भारत का विस्तार किया जाएगा. बड़े शहरों में इसका विस्तार किया जा रहा है.

ई-नाम से जोड़ेंगे मंडियां

देश में 1,361 मंडियो को ई-नाम से जोड़ा जाएगा, मत्स्य संपदा के तहत एक्वाकल्चर दोगुना करेंगे. पीएम-स्वनिधि से 78 लाख रेहड़ी-पटरी को लाभ मिला.

आयुष्मान भारत

आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी आसा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को भी कदर किया जाएगा.
देश ने कोविड-19 महामारी की चुनैतियो पर काबू पाया.

फ्री वैक्सीन

सर्वाइकल कैंसर से वजन के लिए लिए राजस टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसमें 9 से 14 साल की सभी लड़कियों का वेधकरण किया जाएगा।में चार वर्गों युवा, गरीब, महिला और किसानों पर फोकस दिखा

टूरिज्म को बढ़ावा

लक्षद्वीप समेत समूचे देश में पर्यटन बढ़ाने के लिए ढांचागत विकास पर सरकार विशेष ध्यान देगी. एयर कनेक्टिविटी उड़ान योजना के तहत 517 नए हवाई मार्ग जोड़े जाएंगे. डेयरी किसानों की समर्थन देने के लिए योजना लाएगी.

अंतरिम बजट में किसानों को हाथ लगी निराशा

पीएम किसान योजना में रकम बढ़ने की उम्मीद कर रहे लोगों को निराशा हाथ लगी है. वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना से 4 करोड़ किसानों को लाभ हुआ है. नैनो यूरिया के बाद नैनो डीएपी का प्रस्ताव बजट में किया गया है. मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए आवंटन को बढ़ा कर 2,352 करोड़ रुपए किया गया है.

बजट की 10 बड़ी बातें

1. **इनकम टैक्स में कोई राहत नहीं :3 लाख तक की इनकम ही रहेगी टैक्स फ्री, लेकिन 87ए के तहत 7 .5 लाख रुपए तक टैक्स छूट**
2. सभी आशा कर्मी बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा
3. **सूर्योदय योजना के तहत 1 करोड़ घरों में 300 यूनिट सोलर बिजली फ्री दी जाएगी**
4. 2 करोड़ नए घर प्रधानमंत्री योजना के तहत बनाए जाएंगे।
5. **लखपति दीदी योजना के तहत 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएंगी**
6. ब्लू इकोनॉमी 2 .0 के तहत नई योजना शुरू की जाएगी .
7. 40,000 सामान्य रेल डिब्बों को वंदे भारत मानकों के अनुरूप बदला जाएगा .
8. **वर्ष 2030 तक 100 मीट्रिक टन की कोयला गैसीकरण और तरलीकरण क्षमता स्थापित की जाएगी .**
9. 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण के साथ एक लाख करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया जाएगा
10. **खुदरा व्यवसायों के अनुमानित कराधान के लिए कारोबार सीमा को दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपये किया गया। पेशेवरों के लिए अनुमानित कराधान सीमा को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये किया गया**

लखपति दीदी, नए घर... बजट का निचोड़ : मोदी

पीएम ने कहा- बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम आम बजट को ऐतिहासिक, समावेशी और नवोन्मेषी करार दिया और कहा कि यह बजट 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है. बजट पेश होने के बाद प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश के जरिए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह भी कहा कि यह देश के भविष्य के निर्माण का बजट है जो विकसित भारत के चार स्तंभों क्रमशः युवा, गरीब, महिला और किसान को सशक्त बनाएगा. उन्होंने कहा, आज का ये बजट समावेशी और नवोन्मेषी बजट है. इस बजट में निरंतरता का विश्वास है. ये बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला और किसान... सभी को सशक्त करेगा. यह बजट देश के भविष्य के निर्माण का बजट है. वित्त मंत्री और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए मोदी ने कहा कि इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है. उन्होंने कहा कि इस बजट में युवा भारत की युवा आकांक्षा का प्रतिबिंब भी है.

- पेज 7 भी देखें

हेमंत का मार्मिक वीडियो: कहा- झारखंड हुआ षड्यंत्र का शिकार

शिबू सोरेन का बेटा हूं, संघर्ष जारी रहेगा : हेमंत सोरेन

कौशल आनंद/रांची । हेमंत सोरेन को ईडी ने बुधवार को आठ घंटे की पूछताछ के बाद देर रात गिरफ्तार कर लिया था. गिरफ्तारी के बाद गुरुवार सुबह पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है. जारी वीडियो देखकर और सुनकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उन्होंने ईडी की गिरफ्तार के बाद वीडियो रिकार्ड किया है. वह अपने इस वीडियो में झारखंड की जनता को एक संदेश देते नजर आ रहे हैं. जारी वीडियो को लगातार और शुभम संदेश हू-ब-हू जारी कर रहा है.

जोहार साथियों

आज हमें ईडी गिरफ्तार करने आयी है. दिन भर पूछताछ के बाद समय बिताने के बाद सुनोयोजित ढंग से मुझे गिरफ्तार करने का फैसला सुनाया है. कहा कि और किस विषय पर ऐसे विषय पर जो चीजें मुझसे जुड़ी ही नहीं है. मुझ पर साढ़े आठ एकड़ जमीन कब्जे का दावा है. वह भी भुईंहरी जमीन. जो जमीन कभी बिकती ही नहीं है. इन्हें कहीं कोई सबूत नहीं मिला. दिल्ली में भी छापेमारी करके मेरी छवि खराब करने की कोशिश की और आज सुनयोजित तरीके से आये और दिन भर समय काटा. उन्हें पता है कि शाम को कोर्ट-कचहरी बंद हो जाता है. उनलोगों ने योजनाबद्ध तरीके से मुझे गिरफ्तार करने का आदेश सुनाया है. मैं कोर्ट के निर्णय पर सर्वमान्य तरीके से सम्मान करता हूं. अभी मैं कोर्ट में जा रहा हूं. मगर मुझे नहीं लगता है कि मुझे इतना समय मिलेगा. क्योंकि आपको पता है कि देश की व्यवस्थाएं कैसे चल रही हैं.

बड़गाई जमीन मामले में खुद को निर्दोष बताया

संघर्ष में जनता का सहयोग मांगा

हेमंत सोरेन ने कहा कि आज एक लोकप्रिय सरकार अपने ताकत के बल पर जीत कर सरकार बना कर राज्य की सेवा कर रही थी. अब लगता है कि यह वक्त मेरे लिए खत्म हो रहा है. अब अपनी ही लड़ाई हमें लड़नी होगी. ऐसे सामंतियों के साथ और ऐसे तंत्रों के साथ जो निर्दोष, गरीब, निरीह, आदिवासी, दलित, पिछड़ों पर अत्याचार करते हैं, उनको मजबूत भी करेंगे और संघर्ष भी करेंगे. आज मुझे संभवतः ये लोग अपने कब्जे में ले लेंगे, मुझे इसकी चिंता नहीं है. शिबू सोरेन का मैं बेटा हूं. संघर्ष हमारे खून में है और संघर्ष करेंगे, लड़ेंगे, जीतेंगे. जिस मंसूबे के साथ आज मुझे गिरफ्तार करने का निर्णय लिया है.आपको बता दूं मैं बड़े आश्चर्य की बात है. जिस जमीन को लेकर मुझ पर आरोप लगाया है और गिरफ्तार करने जा रहे हैं. जहां पर मेरा कहीं भी दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है. जो लोग जाली कागज बनाकर और जिनके फर्जी शिकायत के आधार पर मुझे गिरफ्तार करने का षड्यंत्र रच रहे हैं. मुझे विश्वास है कि सत्य की जीत होगी.

हेमंत सोरेन ने कहा कि मेरे पास समय बहुत कम है. कम समय में मैं यह वीडियो बना रहा हूं. आज एक राजनीतिक षड़यंत्र का शिकार बिहार को बनाया है, आज फिर से झारखंड को इसका शिकार बना रहे हैं. लेकिन आप निश्चित रहें, हेमंत सोरेन आप सभी के दिल में है, हरेक बुजुर्गों के दिल में रहेगा. बड़े-बुजुर्गों के लिए काम किया. महिला सशक्तीकरण के लिए काम किया. रोजगार सृजन के लिए काम किया. वह एक लंबा इतिहास लिखेगा. यह लंबी लकीर ये लोग खींचने नहीं देंगे, मगर आप आश्वस्त रहें, सत्य की कभी हार नहीं होती है, फिर जब मैं आऊंगा तो पूरी मजबूती के साथ आऊंगा ताकि फिर कभी ऐसे षड्यंत्र का शिकार करने वाले इस तरह करने से पहले कई बार सोचें. धन्यवाद साथियों, जोहार. कल सुबह आपको अखबारों , टीवी चैनलों के माध्यम से यह सूचना मिल जाएगी कि हेमंत सोरेन गिरफ्तार हुए और हमारे विरोधी लोग अपने नापाक इरादे पर जो कामयाब हो रहे हैं, वे अपने पीठ थपथपायेंगे और मैं जानता हूं झारखंड की जनता की संवेदनशील है, कर्मठ हैं. हम अपनी ईमानदारी के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखेंगे और उम्मीद करता हूं कि इस लड़ाई में आपका भी पूरा साथ सहयोग प्राप्त होगा. **धन्यवाद, जोहार.**

आईएएस विनय चौबे हो गए वेटिंग फॉर पोस्टिंग

रांची। आईएएस अधिकारी विनय चौबे अब वेटिंग फॉर पोस्टिंग हो गए हैं. उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव का पद छोड़ दिया है. इसके साथ ही उन्होंने नगर विकास व आवास विभाग के अतिरक्त प्रभार से भी इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने सरकार को लिखे पत्र में कहा है कि मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद प्रधान सचिव, नगर विकास विभाग के अतिरिक्त प्रभार का स्वतः परित्याग करता हूं. विनय चौबे 1999 बैच के अफसर हैं. हाल ही में विनय चौबे को प्रधान सचिव रैंक में प्रोन्नति मिली थी. वे, एमडी जुडको, उत्पाद विभाग और एमडी जीआरडीए के भी अतिरिक्त प्रभार में थे. जल्द ही कार्मिक विभाग विनय चौबे की पदस्थापना का आदेश जारी करेगा.

सरकार बनाने के चंपई के दावे पर जल्द निर्णय लें राज्यपाल : वाम दल

प्रमुख संवाददाता। रांची

वामदलों–सीपीआई, सीपीआई (एम), भाकपा (माले) और मासस की संयुक्त बैठक गुरुवार को माले राज्य कार्यालय में हुई. जिसमें हेमंत सोरेन का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद महागठबंधन के नये नेता चंपई सोरेन द्वारा सरकार गठन के लिए राज्यपाल के समक्ष बहुमत के समर्थन पत्र पेश करने के बाद भी राज्यपाल द्वारा समय देने में देरी पर क्षोभ व्यक्त की गई. वाम दलों का मानना है कि उपरोक्त सरकार के गठन पर राज्यपाल वस्तुतः भाजपा की राजनीति से प्रेरित होकर काम कर रहे हैं. इस कारण निर्णय लेने में जानबूझ कर विलंब कर रहे हैं. वाम दलों ने यह भी रेखांकित किया कि बिहार में ऐसा ही राजनीतिक परिस्थिति उत्पन्न होने पर राज्यपाल ने बहुमत के नेता द्वारा सरकार के गठन के लिए पेश किए गए दावे पर त्वरित सकारात्मक फैसला लिया था. इसलिए राज्य के वाम दल राज्यपाल से उपरोक्त दावे पर यथाशीघ्र निर्णय लेने और राज्य में तुरंत सरकार गठन कर जनता के जनादेश का सम्मान करने की मांग करता है. वामदल ने केंद्र सरकार और भाजपा पर ईडी की शक्तियों का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया है.

बैठक की अध्यक्षता भाकपा (माले) नेता जनार्दन प्रसाद ने किया. बैठक में सीपीआई से अजय सिंह व एके. रशीदी, सीपीआई (एम) से समीर दास, प्रफुल्ल लिंडा, सुखनाथ लोहरा व वीरेंद्र कुमार, भाकपा (माले) से राज्य सचिव मनोज भक्त और मासस से सुशांतो मुखर्जी शामिल थे.

सुप्रीम कोर्ट का झारखंड सरकार को निर्देश

सफल अभ्यर्थियों की जिला जज पर की जाए नियुक्ति

संवाददाता। रांची/दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में आज गुरुवार को जिला जज भर्ती परीक्षा के रिजल्ट में गड़बड़ी की जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार और झारखंड हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाए. प्राथियों के अधिवक्ता की ओर से बहस के दौरान बताया गया कि वे मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू में सफल हुए हैं. इसके बावजूद सफल उम्मीदवारों की नियुक्ति नहीं की जा रही है.

इंटरव्यू में सफल होने के बाद भी नहीं हुई नियुक्ति

झारखंड जिला जज भर्ती परीक्षा दो चरणों में ली गयी थी. लिखित परीक्षा 4 सितंबर 2022 को रांची में हुई थी, जिसमें लगभग 2000 अभ्यर्थी शमिल हुए थे. 66 अभ्यर्थी को 14 फरवरी 2023 को झारखंड हाई कोर्ट ने सफल घोषित किया गया था. जिनका 12, 13 और 14 मार्च 2023 को रांची में इंटरव्यू हुआ था. इंटरव्यू में सफल हुए अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी.

बाबूलाल मरांडी ने सीएस को लिखा पत्र

परीक्षा में हुई गड़बड़ी की सीबीआई जांच कराई जाए

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्य सचिव से जेएसएससी परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच कराने की अनुशंसा करने की मांग की है. इसे लेकर उन्होंने सीएस को एक पत्र लिखा है. उन्होंने कहा है कि बीते दिनों जेएसएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक का मामला सामने आया है. जिसके बाद जेएसएससी ने 28 जनवरी को संपन्न सभी पाली की व 4 फरवरी की परीक्षा को रद्द कर दिया है.

सांठ-गांठ के बिना कैसे हो सकता है प्रश्न पत्र लीक

बाबूलाल ने कहा कि वर्षों के बाद प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को सुनहरा अवसर मिला था. बाबूलाल ने कहा कि परीक्षा केंद्रों में जेएसएसी पोषित दलालों द्वारा 25-25 लाख में प्रश्न पत्र बेचने का आरोप है. इतना बड़ा प्रश्न पत्र लीक घोटाला जेएसएससी अधिकारियों की सांठ-गांठ के बिना आखिर कैसे संभव हो सकता है. इसलिए इस मामले की सीबीआई से जांच करायी जाए.

कई विभागों के प्रमुख अभियंता की कुर्सी खाली, योजनाएं होंगी प्रभावित

विभागों में सीएमओ स्तर से होने वाली ट्रांसफर-पोस्टिंग अधर में है लटकी

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में सियासी उठापटक के बीच 31 जनवरी को कई अभियंता सेवानिवृत्त हो गये. सेवानिवृत्त हुए अभियंताओं में पथ निर्माण विभाग, भवन निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के 22 से ज्यादा अभियंता शामिल हैं. इनकी सेवानिवृत्ति के बाद उस कुर्सी पर दूसरे अभियंता की पोस्टिंग नहीं हो सकी. बुधवार को ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जैसे ही पूछताछ शुरू की, वैसे ही सरकार के विभागों में एकतरह से से सन्नाटा पसर गया. कामगाज प्रभावित हो गया. आपाधापी में कई विभागों में ट्रांसफर -पोस्टिंग की अधिसूचना जारी हुई. मगर सीएम स्तर से होने वाले तबादलों की संचिका पर कार्रवाई नहीं हो सकी. इस वजह से कई विभागों में अभियंताओं के प्रमुख पद रिक्त ही रह गये.

राजधानी में सड़क योजनाओं का काम होगा प्रभावित

31 जनवरी को भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता अविनाश कुमार दीपक सहित चार अभियंता सेवानिवृत्त हुए. इनके अलावा पथ निर्माण विभाग के गुण नियंत्रण निदेशालय के अधीक्षण अभियंता महेंद्र गुप्ता, रांची पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता इजरायल मंसूरी और गिरिडीह पथ निर्माण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रेम प्रकाश सेवानिवृत्त हुए. लेकिन इनके स्थान पर किसी की पोस्टिंग नहीं हो सकी. रांची पथ प्रमंडल द्वारा राजधानी में कई सड़कों के सौंदर्यीकरण व चौड़ीकरण का काम चल रहा है, ऐसे में कार्यपालक अभियंता के नहीं होने से योजनाओं का काम प्रभावित हो सकता है.

कई विभागों के प्रमुख अभियंताओं की कुर्सियां खाली, योजनाओं के क्रियान्वयन पर पड़ेगा असर

पेयजल विभाग में एक महीने से अभियंता प्रमुख का पद है रिक्त

पेयजल एवं स्वछ्छ्ता विभाग में एक जनवरी से अभियंता प्रमुख का पद रिक्त है. पेयजल विभाग के जिम्मेवारों ने अभियंता प्रमुख पद के लिए उम्मीदवार का चयन कर समय पर सीएमओ नहीं भेजा. एक माह से विभाग के अभियंता प्रमुख का पद रिक्त है. पेयजल विभाग में दुमका प्रक्षेत्र के मुख्य अभियंता ब्रजनंदन कुमार सबसे वरीय हैं. ऐसे में विभाग के अभियंता प्रमुख के पद पर उनकी नियुक्ति के लिए संचिका का मूवमेंट हुआ. मगर अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका. मुख्यमंत्री की सहमति नहीं मिल सकी. इधर हेमंत सोरेन के इस्तीफा देने के बाद मामला अधर में लटक गया है.

हम मजबूती से हेमंत के साथ हैं : लालू यादव

रांची। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि केंद्र की भाजपा सरकार हेमंत सोरेन को प्रताड़ित कर रही है. ट्विटर (एक्स) पर लालू ने लिखा कि हेमंत सोरेन को केंद्र की तानाशाह सरकार प्रताड़ित कर रही है. भाजपा के यह घिनौने हथकंडे अल्प समय के लिए परेशान तो कर सकते हैं. पर पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और हाशियों पर रहने वाले समूहों के संकल्प और महत्वाकांक्षाओं को पराजित नहीं कर सकते. भाजपा का डर जग-जाहिर है और जनता भी यह बात अब समझ चुकी है. हम मजबूती से हेमंत के साथ हैं.

अहंकार से चूर भाजपा की हेकड़ी अब जनता तोड़ेगी : तेजस्वी : लालू यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने लिखा कि बिहार, चंडीगढ़ और अब झारखंड! भाजपा ने एक ही हफ्ते में लोकतंत्र और संघवाद को तार-तार कर दिया है. चुनावी हार के डर से जांच एर्जेंसियों की निष्पक्षता खत्म कर, एर्जेंसियों को बीजेपी का प्रकोष्ठ बनाकर, केंद्र सरकार क्या-क्या कर रही है अब यह बात किसी से छुपी नहीं है. अहंकार से चूर भाजपा की हेकड़ी अब जनता तोड़ेगी. तेजस्वी ने कहा कि राजद हेमंत सोरेन जी के साथ खड़ी है.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 02 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 285 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नौकरी की आस ही नहीं टूटी, डूब गए 65 करोड़

स्वेता/रजनीश । रांची

जेएससीई कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल परीक्षा (सीजीएल) रद्द कर दी गई है. अभ्यर्थी गुस्से में हैं. सरकार और जेएससीई अध्यक्ष नीरज सिन्हा निशाने पर हैं. विपक्ष हमलावर है. जांच की मांग हो रही है. इन सबके बीच दो अहम सवाल गायब हो गए हैं. पहली यह कि छात्रों के साथ धोखा के लिए जिम्मेदार कौन है? दूसरी यह कि परीक्षा रद्द होने से छात्रों का जो करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है, उसे कौन लौटाएगा.

सीजीएल के लिए दो तारीखों की घोषणा हुई थी. पहली परीक्षा 28 जनवरी को हुई. इसमें करीब 3 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए. दूसरे चरण की परीक्षा की तारीख 4 फरवरी तय थी. अब दूसरे चरण की परीक्षा भी रद्द कर दी गयी है. 28 जनवरी को हुई परीक्षा का पेपर लीक हो गया. परीक्षा तीन पालियों में हुई थी. हर पाली की परीक्षा 2 घंटे की थी. पहली और दूसरी पाली की परीक्षा के बाद एक-एक घंटे का ब्रेक दिया गया था. दूसरी पाली के बाद अभ्यर्थियों को केंद्र से बाहर निकलने की अनुमति दी गयी थी. पहली पाली की परीक्षा सुबह 8.30 बजे से ही शुरू हो गयी थी. इसके लिए परीक्षा केंद्र पर 7 बजे ही रिपोर्टिंग का समय रखा गया था. सवाल यह उठ रहा है कि अभ्यर्थियों का जो समय बर्बाद हुआ, उनके पैसों का जो नुकसान हुआ, उसे कौन लौटाएगा. परीक्षा में शामिल छात्रों की संख्या अधिक होने की वजह से शहर के अलावा दूर-दराज के इलाकों में भी सेंटर बनाए गए थे. छात्रों को 100-200 किमी दूर जाकर परीक्षा देनी पड़ी. छात्र बस, ट्रेन, ऑटो, कार रिजर्व कर जैसे-तैसे सेंटर तक पहुंचे. स्टेशन पर या सड़क के किनारे ठंड में रात बितायी. इन सब में प्रति अभ्यर्थी कम से कम 2000 रुपये खर्च हुए. आंकड़े के मुताबिक, करीब तीन लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए. इस तरह आने-जाने, खाने व ठहरने में अभ्यर्थियों के करीब 65 करोड़ रुपये पानी में चले गये. जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, उनमें अधिकांश गरीब परिवार से आते हैं. बहुत से छात्रों के अभिभावकों ने कर्ज लेकर परीक्षा में शामिल होने के लिए भेजा था.

क्या कहते हैं अभ्यर्थी

भागलपुर निवासी अभ्यर्थी नीलिमा का सेंटर धनबाद में पड़ा था. उसके माता-पिता नहीं हैं. उसके मुताबिक वह पड़ोसी से कर्ज लेकर इस परीक्षा में शामिल हुई थी. ऊपर से स्टेशन पर रात गुजारने का कष्ट अलग से हुआ. क्योंकि होटल के लिए पैसे नहीं थे. नीलिमा ने बताया कि परीक्षा बढ़िया गया, पर परिणाम तो जीरो ही हुआ. अब चिंता इस बात की है कि पड़ोसी के पैसे तुरंत कैसे लौटा पाएगी.

पाकुड़ के अभ्यर्थी सूरज ने बताया कि एक तो सीजीएल कई सालों के बाद आयोजित हुई. फिर परीक्षा होकर रद्द कर दी गयी. सूरज ने बताया कि परीक्षा के दिन सुबह से शाम तक भूखा रहा. सेंटर भी इतने इंटीरियर इलाके में दे दिया गया था कि आने-जाने में ही सारे करम हो गये. आने-जाने में उनके काफी रुपये खर्च हो गए.

कोडरमा के एक अभ्यर्थी ने बताया कि उसने बड़ी उम्मीद से परीक्षा दी थी. ठंड में रातभर स्टेशन पर रहा. उसे बुखार हो गया था. फिर भी सुबह 5 बजते ही वह परीक्षा केंद्र पर पहुंचा, क्योंकि सेंटर काफी इंटीरियर में था. उसने बताया कि उसकी स्थिति ऐसी हो गयी थी कि घर लौटने के लिए उसके पास सिर्फ 100 रुपये ही बचे थे. इससे वह या तो खाना खा सकता था या किराया दे सकता था. इसलिए भूख से बिलबिलाते हुए ही वह धनबाद से कोडरमा पहुंचा.

कब क्या हुआ

- 2015 में आवेदन लिया.
- 21.08.2016 में परीक्षा होनी थी, नहीं हुई.
- 2017 में फिर निकला विज्ञापन.
- मार्च 2017 में परीक्षा होनी थी, नहीं हुई.
- 2019 में नवंबर-दिसंबर में यह परीक्षा लेनी थी, लेकिन नहीं ली जा सकी.
- 2021 में ऊिप से आवेदन लिया गया.
- 2021 में परीक्षा नहीं हुई
- 21.08.2022 को होने वाली परीक्षा भी स्थगित कर दिया गया.
- 2023 में आवेदन ली गई
- अगस्त 2023 में परीक्षा तिथि की घोषणा की गयी, लेकिन परीक्षा नहीं हुई.
- 16-17 दिसंबर 2023 को भी परीक्षा तिथि तय की गयी थी, लेकिन स्थगित कर दी गयी.
- छात्रों के विरोध को देखते हुए आयोग ने 21 व 28 जनवरी 2024 को परीक्षा की नयी तिथि की घोषणा की.
- 28 और 4 को परीक्षा की तिथि की घोषणा हुई.

28 जनवरी को परीक्षा हुई और अब रद्द हो गई

दो अग्निकांडों में 19 मौतों के एक साल बाद भी 5 हजार अपार्टमेंट-मॉल में अग्नि सुरक्षा नहीं

पुख्ता इंतजाम में प्रशासन विफल

रंजीत कुमार। धनबाद

बैंकमोड़ थाना क्षेत्र के टेलीफोन एक्सचेंज रोड के हाजरा हॉस्पिटल और जोड़ाफाटक रोड स्थित आशीर्वाद टावर में जनवरी 2023 में दो भीषण अग्निकांड में 19 लोगों की मौत के एक साल बाद भी 5 हजार से अधिक अपार्टमेंट-मॉल-मार्केट कांप्लेक्स-सरकारी भवन-स्कूल-हॉस्पिटल आदि में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम नहीं है. सूत्रों के अनुसार 27 जनवरी 2023 को हाजरा हॉस्पिटल में चिकित्सक दंपती समेत 5 की मौत और आशीर्वाद टावर (9 मंजिला अपार्टमेंट) में 31 जनवरी को भीषण आग लगने से तीन बच्चियों व 10 महिलाओं समेत 14 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार के निर्देश पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने धनबाद आकर पांच विभाग की टीम बनायी थी. टीम के पदाधिकारियों को कहा गया था कि एक माह के भीतर अपार्टमेंट, मॉल, हॉस्पिटल, स्कूल, सरकारी भवन, मार्केट कांप्लेक्स आदि में जांच कर फायर सेफ्टी का पुख्ता तजाम कराएं. अग्नि सुरक्षा के इंतजाम कहां है और कहां नहीं है, इसकी रिपोर्ट भी तैयार कर भेजें. जांच टीम में भवन प्रमंडल, अग्निशमन विभाग, नगर निगम, धनबाद पुलिस और धनबाद के सीओ शामिल थे.

राज्य सरकार के निर्देश पर पांच विभागों की टीम ने जांच के नाम पर की खानापूर्ति

25 में 6 पदाधिकारी व कर्मियों ने सिर्फ 106 इमारतों की जांच कर भेजी रिपोर्ट

सूत्रों के अनुसार टीम में शामिल 25 पदाधिकारियों व कर्मियों में मात्र पांच-छह लोगों ने कभी-कभार जांच कर सरकार को रिपोर्ट भेज दी, जिसमें 106 बहुमंजिला इमारत-मॉल की जांच का जिक्र किया गया था. 106 में 90 फीसदी में इमारत व मॉल में फायर सेफ्टी का इंतजाम नहीं दर्शाया गया था. अग्निशमन विभाग के कर्मी बताते हैं कि 95 फीसदी अपार्टमेंट-मॉल-मार्केट कांप्लेक्स में अग्नि सुरक्षा यंत्र नहीं है. अधिकतर बिल्डर व मॉल के मालिकों ने अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमात्र पत्र नहीं लिया और जैसे-जैसे इमारत बना डाली. आग लगने पर फायर फाइटिंग से न तो वे आग बुझा सकते हैं और ना ही वहां के लोग उपकरण को हैंडिल कर सकते हैं. गार्ड या अन्य लोगों को उपकरणों को हैंडिल करने की ट्रेनिंग भी नहीं दी गई है. सड़क व बिजली की तार से 14 फीट की दूरी पर अपार्टमेंट व मॉल बनाने का नियम है, लेकिन किसी ने मानक को पूरा नहीं किया.

सिटी सेंटर में भी अग्निशमन विभाग के मानकों को नहीं किया गया पूरा

अग्निशमन विभाग के अनुसार कोयलांचल में सबसे खतरनाक मार्केट कांप्लेक्स व अपार्टमेंट सिटी सेंटर है. जहां आग लगने के बाद दमकल गाड़ियों को खड़ी कर आग बुझाने में काफी परेशानी होगी. बैंकमोड़ के बाद सबसे अधिक ट्रैफिक सिटी सेंटर के पास सड़क पर रहता है. सुबह से रात 10 बजे तक ट्रैफिक जाम रहता है. पार्किंग का साधन नहीं है. सड़क पर ही सैकड़ों मोटरसाइकलें, ऑटो व कार खड़ी रहती है. इसके अलावा फुटपाथ पर ठेला-खोमचा भी लगा रहता है. बेसमेंट में कई दुकानें और रेस्टूरेंट भी है, जिसे पार्किंग बनाना चाहिए था. बिल्डर ने कमाई के चक्कर में बेसमेंट को बेच डाला. संबंधित विभाग से नक्शा बनवा कर अपनी मर्जी से बिल्डिंग बनाया है. बिल्डिंग में इमरजेंसी व वैकल्पिक गेट भी नहीं है. सभी दुकानों व फ्लैट में फायर एक्सटिंग्यूशर भी नहीं है.

जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा: झामुमो

स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होगी 50 हजार की भीड़

संवाददाता। धनबाद

झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर झामुमो की बैठक गुरुवार को गोल्फ ग्राउंड में हुई. जिसमें झामुमो नेताओं ने एक स्वर में कहा कि जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा. रणधीर वर्मा स्टेडियम में झामुमो धनबाद जिला समिति कि एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष लखी सोरेन कि अध्यक्षता एवं जिला सचिव मन्नु आलम के संचालन में संपन्न हुई. उक्त बैठक में विशेष रूप से केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमितेश सहाय, डॉ नीलम मिश्रा, अलाउद्दीन अंसारी एवं धरनीधर मंडल उपस्थित थे. बैठक में विशेष रूप से 4 फरवरी को पार्टी के 52वें स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाली आम सभा कि तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. साथ ही राज्य में उत्पन्न वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा हुई.

बैठक के बाद जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने बताया कि 4 फरवरी को हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी झामुमो अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएगा. संगठन के तमाम स्तर के पदाधिकारी इस कार्यक्रम के लिए गांव गांव से लेकर शहर तक तैयारी कर रहे हैं. कार्यक्रम में 50 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झामुमो के केन्द्रीय अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन सहित अन्य केन्द्रीय पदाधिकारी व नेतागण शामिल होंगे.

राजभवन संविधान के विपरीत कर रहा कार्य

राज्य के वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने कहा कि केन्द्र सरकार केन्द्रीय एजेंसियों के माध्यम से षड्यंत्र कर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने का काम किया हैं. यह लोकतंत्र कि हत्या है. महागठबंधन के विधायक बहुमत के साथ राजभवन के बाहर खड़े हैं. लेकिन सरकार बनाने का न्योता नहीं दिया जा रहा है. राजभवन संविधान के अनुसार कार्य नहीं कर रहा है. यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है. राजभवन केन्द्र सरकार के इसारे पर कार्य कर रहा है, यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है. झामुमो के सभी कार्यकर्ता संयमित हैं, हमारे अंदर क्रोध हैं परंतु हेमंत सोरेन ने जो सोच कर लड़ाई का आगाज किया हैं हम सभी उनके साथ हैं. मौके पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष लखन प्रमाणिक, मुकेश सिंह, अजय रवानी, जिला प्रवक्ता समीर रवानी, जिला संयुक्त सचिव तपन तिवारी, एजाज अहमद, संगठन सचिव मदन महतो, कोषाध्यक्ष किशोर मुर्मू, महानगर अध्यक्ष मन्टू चौहान, सचिव अबू तारीक, प्रवक्ता आकाश रवानी, बुद्धिजीवी मोर्चा जिलाध्यक्ष राजू हाड़ी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष शिव प्रसाद महतो, छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष सूजित सिंह, झाकोमयू से विनोद सिंह, चंडीचरण देव,सपन बनर्जी, मल्यचंद महतो, रतिलाल टुडू, हरेंद्र चौहान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थें।

हेमंत के ननिहाल में खामोशी-आक्रोश

संवददाता। चांडिल

हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा समेत विभिन्न संगठनों के लोगों में आक्रोश व्याप्त है. हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद ननिहाल में खामोशी के साथ लोगों में आक्रोश व्याप्त है. लोगों का कहना है कि भाजपा को आदिवासी मुख्यमंत्री पच नहीं रहा है. हेमंत सोरेन द्वारा झारखंड और झारखंडियों का विकास भाजपा के गले नहीं उतर रहा है. इसी का नतीजा है कि भाजपा इडी समेत अन्य केंद्रीय जांच ऐजेंसी का इस्तेमाल कर हेमंत सोरेन समेत तमाम विपक्षी नेताओं को परेशान कर रही है. वहीं, ननिहाल से लोगों को संयम बरतने की अपील की गई है. पूर्व मुख्यमंत्री के मामा गुरुचरण किस्कू ने कहा कि इस समय झारखंड संकट की स्थिति में है, क्योंकि हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और नई सरकार गठन के लिए राज्यपाल से अबतक बुलावा नहीं आया है. ऐसे में सभी को धैर्य रखते हुए काम करने की जरूरत है. पूर्व मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को विभिन्न संगठनों ने झारखंड बंद का आह्वान किया है. बंद के दौरा कहीं किसी प्रकार का उपद्रव ना हो, कहीं किसी प्रकार की विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न ना हो इसके लिए सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है. अनुमान लगाया जा रहा है कि बड़ी संख्या आदिवासी संगठनों के लोग सड़कों पर उतरकर अपना विरोध दर्ज करा सकते हैं. इसी के मद्देनजर बंद के आह्वान को देखते हुए चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में पुलिस-प्रशासन सक्रिय हो गई है. सुरक्षा के चाक-चौंबद व्यवस्था किया गया है. चौक-चोराहों और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों में पुलिस बल तैनात किए गए है. झारखंड बंद को देखते हुए ऐहतियात के तौर पर निजी स्कूलों में छुट्टी दे दी गई है.

खास बातें

- भाजपा को आदिवासी सीएम पच नहीं रहा था
- हेमंत सोरेन को झूठे मामलों में फंसाया गया है

बदले हालत में डीसी और एसएसपी ने लिया जायजा

धनबाद। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद बदले हालात को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट पर है. डीसी वरुण रंजन व एसएसपी एचपी जनार्दन विधि व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं. दोनों ने विभिन्न स्थानों व चौक-चौराहों का जायजा लिया. डीसी ने बताया, गुरुवार को मटकुरिया, श्रमिक चौक, बैंक मोड़, सिटी सेंटर, गोधर, केंदुआडीह, करकेंद, लोयाबाद, सिजुआ, कतरास, अंगारपथरा, पंचगढ़ी, भटमुरना,गोमो, बाघमारा, तोपचांची, कल्याणपुर, गोल बिल्डिंग समेत अन्य इलाकों का जायजा लिया. सभी जगह स्थिति सामान्य है, हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है. विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी दंडाधिकारी, थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है.

टाटा मोटर्स के 250 स्थायी हुए कर्मियों का मेडिकल टेस्ट 5 से 19 तक

लोग सूची में ढूंढ़ते दिखे अपना नाम, कर्मचारियों के चेहरे खिले, समझौते के तहत स्थायीकरण

संवाददाता । जमशेदपुर

टाटा मोटर्स में स्थायी किए गए 225 कर्मचारियों का मेडिकल टेस्ट पांच फरवरी से 19 फरवरी तक होगा. इसकी सूचना जारी होते ही लेबर ब्यूरों में कर्मचारियों की भीड़ लग गई. सभी नोटिस बोर्ड में लगी सूची में अपना नाम और मेडिकल टेस्ट की तिथि खोजते रहे. अपना नाम देखने के बाद सूची की तस्वीर भी अपने मोबाइल से खींचते रहे और अन्य साथियों को भेजी. कर्मचारियों के चेहरे खिल उठे हैं. टाटा मोटर्स प्रबंधन ने टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के साथ 900 कर्मचारियों को स्थायी करने का समझौता किया है. 900 कर्मचारियों की सूची पूर्व में ही जारी कर दी गई थी. अब इनका मेडिकल टेस्ट होगा. इसके बाद इन्हें विभागों में पदस्थापित किया जाएगा. कर्मचारियों को स्थायी करने के लिए श्रम विभाग, टाटा मोटर्स प्रबंधन और टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के बीच समझौता हुआ था.

समझौते पर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष आरके सिंह और महामंत्री गुरमीत सिंह तोते ने हस्ताक्षर किया था. इस समझौते के तहत 2700 कर्मचारियों को स्थायी किया जाएगा. प्रत्येक वर्ष 900 कर्मचारियों को स्थायी किया जाएगा. इस वर्ष स्थायी किए गए 900 कर्मचारियों की सूची जारी कर दी गई थी. अब इनका मेडिकल टेस्ट पांच फरवरी से शुरू होगा.

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

इंडियावाले चले थे मोदी को हराने की योजना के साथ, अब गठबंधन बचाने के लाले पड़ गये हैं.आलम यह है कि न सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम-लट्ठा

डूब गया हाथी हथेली भर पानी में

इंडियावालों का हाल- न सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम लट्ठा

प्रसंगवश

22 जनवरी को राम का काज और 23 जनवरी को गरीब नवाज कर्पूरी जी को भारत रत्न. कर्पूरी जी जन्मना ठाकुर हैं और राम जी कर्मणा. इन दोनों ठाकुरों की कृपा एनडीए और इंडिया दोनों पर बरस रही है. चूंकि दोनों का स्वभाव परस्पर विरोधी है, इसलिए कृपा का एनडीए पर अनुकूल तो इंडिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त गलत था. तरीका भी गलत था. ऐसा इंडियावालों का कहना है. वे अपने कथन के प्रमाण में शंकराचार्यों को उद्धृत करते रहे हैं. लेकिन इंडियावाले तो नियम, मुहूर्त का ध्यान रखते ही होंगे. शंकराचार्य भी उन्हीं के खाते में डिपॉजिट हैं. फिर राहुल गांधी की न्याय यात्रा का अभीष्ट फल क्यों नहीं मिल पा रहा है और नरेंद्र मोदी की सभी चालें सटीक क्यों बैठ रही हैं ? इंडियावाले चले थे मोदी को हराने की योजना के साथ, अब गंठबंधन बचाने के लाले पड़ गये हैं. आलम यह है कि न सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम लट्ठा.

इंडिया की मां पुराने दोस्त के साथ भाग गयी : राहुल गांधी के सहयात्री आंदोलनजीवियों, धरनाजीवियों, विघ्नसंतोषियों और लीदी मीडिया वालों ने पता नहीं किस शुभ मुहूर्त और मंत्रोच्चार के साथ यात्रा शुरू करवाई कि राहुल के परम मित्र मिलिंद देवड़ा पहले ही दिन इस गंठबंधन को बेवड़ा जैसा कुछ कह कर एनडीए में चले गये. यात्रा आगे बढ़ी तो असम में खुराफाती झंझावात में फंस गयी. एफआईआर हो गया. लिब्रांडुओं ने शायद समझाया होगा कि इससे माहौल बनेगा. लेकिन असर उल्टा हुआ. बंगाल में यात्रा का स्वागत टीएमसीवालों ने पोस्टर फाड़ कर, मंच तोड़ कर किया. सिलीगुड़ी में यात्रा पर रोक लगा दी गयी. यह तो ट्रेलर था. पूरी फिल्म यह थी कि टीएमसी इंडिया से बाहर हो गयी. ममता बनर्जी ने घोषणा कर दी कि बंगाल में हम अकेले लड़ेंगे. जयराम रमेश ने कमान संभाली, कहा बिना ममता इंडिया नहीं. यानी ममता तू न गयी मेरे मन से. लेकिन ममता ने कहा हमारा तुम्हारा नहीं जमता. यह दृश्य अभी कचोट ही रहा था कि पंचनद प्रदेश के मान ने कह दिया-यहां कभी कांग्रेस थी, अब नहीं है. आप सभी 13 सीटों पर लड़ेगी और जीतेगी. कांग्रेस यह टीस सहला ही रही थी कि इंडिया की मां अपने पुराने दोस्त के साथ भाग गयी. केसी त्यागी नीतीश कुमार को इंडिया की मां ही बताया करते थे. सही भी है, इस गंठबंधन का रूप-स्वरूप नीतीश ने ही बनाया था. जून में इसकी पहली बैठक पटना में ही हुई थी. उन्हें चंद्रखिलौना यानी संयोजक या प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी चाहिए थी. इनकी मुराद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता. उधर यात्रा चलती रहती, इधर इंडिया का काम भी चलता रहता. प्रस्ताव आया था और समर्थन भी मिला. लेकिन राहुल ममता के मत्थे खेल गये कि वह नहीं चाहती हैं. फिर नीतीश लरिकाई को प्रेम कहौ अलि कैसे छूटे गाते हुए एनडीए में आ गये. अब बिहार में राहुल की यात्रा चाहे जितनी चले और भीड़ भी जुटे, शगुन ही खराब हो गया. मधुरी बानी बोलनेवाले भी अब इंडिया को सख्त सुस्त कहने लगे हैं. तुलसी बाबा ने ऐसे ही लोगों की तुलना उस मोर से की है जो बोलता तो मीठा है, लेकिन हृदय इतना कठोर होता है कि विषैले सर्प को भी खा जाता है. बोलहिं मधुर बचन जिमि मोरा, खाइ महा अहि हृदय कठोरा.

जून में बनी एकता जनवरी आते-आते फुस्स हो गयी : उधर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने अपनी ओर से कांग्रेस को 11 सीटें दे दी हैं. उन्होंने 16 सीटों पर उम्मीदवार भी उतार दिये हैं. इनमें से कुछ सीटों पर कांग्रेस लड़ना चाहती थी. भीलों ने बांट दिये वन, राजा को खबर तक नहीं. राहुल की यह यात्रा महाराष्ट्र में खत्म होगी. वहां भी एक हारे हुए जुआरी शरद पवार हैं और दूसरी ओर सब कुछ लुटा कर होश में आने के लिए बेचैन उद्धव ठाकरे. पता नहीं, राम जी इनके लिए कोई उपाय सुझा रहे हैं या नहीं. अब बचीं मायावती. वह जहां भी लड़ेंगी, अकेले लड़ेंगी. वह कांग्रेस की ओर जाती दिख रही थीं, लेकिन कांग्रेसियों की लेटलतीफी या कोताही ने सब गुड़ गोबर कर दिया. अब जरा सोचिए और बताइए, इंडिया बचा कहां है ? तमिलनाडु में होगा वही जो मंजूर-ए-स्टालिन होगा. आंध्र में कोई गंठबंधन होना नहीं है. कर्नाटक में मुकाबला आमने-सामने का है. तेलंगाना में त्रिकोना संघर्ष होना ही है. गुजरात, म.प्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड में कांग्रेस और भाजपा ही हैं. ओड़िशा में कांग्रेस बची ही नहीं है. वहां भाजपा और बीजद में झकझूमर होगी. केरल में कांग्रेसी-वामपंथी आपस में ही भिड़ेंगे. यानी जून में बनी एकता जनवरी आते-आते फुस्स हो गयी.

कांग्रेस नेताओं की ज्यादा होशियारी इंडिया को ले डूबी : जब इंडिया बना था, तो लगा कि इस बार एनडीए को जोरदार टक्कर मिलेगी. हिसाब-किताब भी होने लगा था. इस गंठबंधन से भाजपा की कितनी सीटें कहां कम हो जाएंगी, उसे स्पष्ट बहुमत नहीं मिलेगा और तब खिचड़ी सरकार की संभावना प्रबल हो जाएगी. लेकिन अब इन आंकड़ेबाजों का हिसाब भी गड़बड़ाने लगा है. अभी और गड़बड़ायेगा, क्योंकि यह मैसेज चला गया है कि इंडिया तिरोहित हो गया है.

इसे कहते हैं डूब गया हाथी हथेली भर पानी में. यह सिर्फ कांग्रेस नेताओं की काहिली या ज्यादा होशियारी की वजह से हुआ है. कांग्रेस क्षत्रपों को टेकेन फॉर ग्रांटेड मानकर चल रही थी. लेकिन उसे पता होना चाहिए था कि ये घाट-घाट का पानी पीए हुए हैं और नकचढे. भी हैं. इन्हें नाथकर रखना आसान नहीं था. आज की कांग्रेस के लिए तो यह और भी मुश्किल था. अगर यात्रा के बदले कांग्रेस के नेता सीटों के बंटवारे, कार्यक्रमों, एकजुटता, साझा गलियों पर फोकस करते, तो आज हालात अलग होते और भाजपा की पेशानी पर बल जरूर पड़ते.

ब्रीफ खबरें

हेमंत की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या

गोविंदपुर । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ आदिवासी संगठनों के झारखंड बंद का गोविंदपुर बाजार पर कोई असर नहीं पड़ा. हेमंत की गिरफ्तारी को झामुमो, कांग्रेस और राजद के नेताओं ने लोकतंत्र की हत्या बताया है. झामुमो के जिला सचिव मन्नू आलम, संगठन सचिव एजाज अहमद, मोकीम अंसारी, माथुर अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष अताउल अंसारी, प्राण चंद्र सोरेन, राजद नेता मोबिन अंसारी, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार हाड़ी, अनिल साव, मोइन अंसारी, टिंकू अंसारी ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए इसकी निंदा की है.

ईडी का गलत इस्तेमाल हो रहा: कारु यादव

मधुबन। फुलारीटांड स्थित जंगली बाबा शिवमंदिर प्रांगण में गुरुवार को जेएमएम समर्थकों की एक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जेएमएम नेता कारु यादव ने की. बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर रोष प्रकट कर विरोध प्रदर्शन किया गया.साथ ही वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार हेमंत सोरेन के विकास कार्यों से विचलित होकर ईडी का का गलत इस्तेमाल कर राज्य सरकार को बदनाम करने का साजिश रच रही है जो सरासर गलत है.

प्रभावी और अच्छा बजट है: दीपनारायण

कतरास। जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने अंतरिम बजट पर जदयू की ओर से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले पांच सालों में जो कार्य महिला सशक्तिकरण, गरीबी उन्मूलन, सामाजिक न्याय, युवाओं के क्षेत्र में, देश को विकसित करने में और आने वाले 2024 - 2025 वित्तीय वर्ष में जो कार्य करने वाली है, उसका एक झलक है. कुल मिलाकर देखा जाए तो यह अंतरिम बजट देश को सभी क्षेत्रों में सशक्त करने में प्रभावी और अच्छा बजट है.

झारखंड इंटर कॉलेज में वार्षिक खेल- कूद

महुदा। झारखण्ड इन्टर कॉलेज कुंजी में त्रिदिवसीय वार्षिक खेल - कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . जिसमें विभिन्न खेल में छात्र छात्राओं ने भाग लिया . अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया. पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च विद्यालय के अध्यक्ष चितरंजन दुबे , विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यपक साजु महतो ,शिक्षक मुकेश महतो , उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुंजी के प्रभारी प्रधानाध्यापिका रागिणी कुमारी, अमित कुमार महतो,झारखंड इन्टर कॉलेज के सभी व्याख्याता शामिल थे.

न्याय यात्रा को लेकर सुरक्षा की समीक्षा

धनबाद । आगामी 4 फरवरी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी एवं अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक की अध्यक्षता में सुरक्षा और कार्यक्रम को लेकर समीक्षात्मक बैठक की गई.बैठक में न्याय यात्रा के रूट, बैरिकेडिंग, वॉलिंटियर्स की पहचान पत्र के साथ प्रतिनियुक्ति, रात्रि विश्राम स्थल में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड की तैनाती की समीक्षा की गई.

अंतरिम बजट पर नेताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की

विपक्षी पार्टियों ने नकारा, तो भाजपा ने बजट की सराहना की

चुनावी झुनझुना दे दिया : दिलीप

मासस के जिला सचिव दिलीप कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार की गुरुवार को पेश अंतरिम बजट चुनावी झुनझुना है .इस बजट में न तो शिक्षा के क्षेत्र में कुछ खास है , न ही बेरोजगारी दूर करने के विषय मे कुछ सोचा गया है और न ही महंगाई कंट्रोल पर है .जबकि देश की अर्थ व्यवस्था में 80% योगदान मजदूर और किसानों का है . मात्र 20% योगदान ही कॉरपोरेटर घराने का है . बावजूद इसके इस बजट में केंद्र सरकार ने कॉरपोरेटर घराने को ही फायदा दिया है .सरकार के इस बजट से साफ पता चलता है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है.

बजट में सभी का ख्याल : श्रवण राय

भाजपा के धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि मोदी सरकार का बजट लोकप्रिय बजट होता है .जिसमें समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को भी फायदा मिलता है .दूसरे कार्यकाल का अंतरिम बजट भी कुछ ऐसा ही है.जिसमें शिक्षा , बढ़ती बेरोजगारी और किसानों को मिलने वाले फायदे को देखते हुए बजट पेश किया गया है . साथ ही इस बार के बजट में महिलाओं के प्रति भी विशेष ध्यान दिया गया है .जिसमें 03 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य और 02 करोड़ आशा बहनों को आयुष्मान का लाभ शामिल है.

चुनावी बजट पेश किया गया : लाल

कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रकाश लाल ने कहा कि इस बार का बजट पूरी तरह से इलेक्शन को सामने रख कर पेश किया गया है .इस बजट में ग्रामीण क्षेत्रो में रह रहे लोगों और किसानों के लिए कोई भी बेहतर स्कोप नजर नही आ रहा है .केंद्र सरकार ने इस बजट को आनन फानन में प्रड्यूज किया है .जिसमें आम जनता को कोई फायदा मिलने वाला नहीं है.उन्होंने कहा कि भाजपा की शुरू से ही आदत है कि करना कुछ नहीं सिर्फ ढिंढोरा पीटना है. यह सरकार सिर्फ और सिर्फ प्रचारों की सरकार है .

बुधवार की रात चाल धंसने से एक युवक की मौत, कई हुए थे जख्मी

अवैध खनन दुर्घटना के 24 घंटे बाद भी नहीं पहुंचा प्रबंधन

संवाददाता। धनबाद

ईसीएल मुगमा एरिया की बंद निरसा कोलियरी (ओसीपी) में बुधवार को अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे. लेकिन घटना के 24 घंटे गुजरने के बाद भी न तो ईसीएल प्रबंधन पहुंचा, न ही पुलिस ने कोई कार्रवाई की. बताते हैं कि बंद कोलियरी में आसपास के क्षेत्र के लोग सुरंग बनाकर कोयले का अवैध खनन करते हैं. बुधवार को भी यहां काफी लोग सुरंग में प्रवेश कर कोयला काट रहे थे. तभी पत्थर और मलबा गिर गया. मलबे में दबकर निरसा के कांटा निवासी युवक शंकर भुइयां की मौत हो गई. जबकि कई लोग जख्मी हो गए, घायलों का इलाज गुप्त तरीके से कराया जा रहा है. जेसीबी मंगवाकर शव को निकाला गया. चर्चा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है.

ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज हो : मधुरेंद्र गोस्वामी

इस बीच यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के ईसीएल मुगमा एरिया सचिव मधुरेंद्र गोस्वामी ने दुर्घटना के लिए प्रबंधन को जिम्मेवार ठहराया है . गोस्वामी ने निरसा थाना में इसकी लिखित शिकायत कर ईसीएल प्रबंधन पर साक्ष्य छुपाने का आरोप लगाते हुए हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है . पत्र में लिखा है कि घटना में एक दर्जन लोगों के दबने की बात कही जा रही है . बंद कोलियरियों में दिन के उजाले में अवैध खनन जारी है . ईसीएल मुगमा क्षेत्र के महाप्रबंधक, सुरक्षा कर्मियों व सीआईएसएफ की मिलीभत से इस काम को अंजाम दिया जा रहा है .

युधिष्ठिर महतो को फिल्म पीआर के लिए कोलकाता में मिला सम्मान

संवाददाता । कतरास

- भोजपुरी,खोरठा, नागपुरी, छत्तीसगढ़ी और हिंदी फिल्मों के लिए पीआर का कार्य कर रहें हैं

श्यामा फिल्म्स एंटरटेनमेंट के द्वारा आयोजित फिल्म अवार्ड कोलकाता 2024 के कार्यक्रम में कतरास के पत्रकार युधिष्ठिर महतो को फिल्म पीआर के लिए सम्मानित किया गया.ज्ञात हो कि विगत पांच वर्षों से युधिष्ठिर भोजपुरी, खोरठा, नागपुरी, छत्तीसगढ़ी और हिंदी फिल्मों के लिए पीआर का कार्य कर रहें हैं.कई कलाकारों के लिए भी पीआर का कार्य करते हैं.इनके द्वारा पीआर की गई कई फिल्में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो चुकी हैं.वहीं टीवी पर भी प्रसारित हो चुकी हैं.पीआर के क्षेत्र में कार्य करने के साथ ही पत्रकारिता भी करते हैं. वर्तमान में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय से मास कम्युनिकेशन में पीजी भी कर रहे हैं.उन्होंने बताया कि पत्रकारिता और पीआर के क्षेत्र में ही आगे बेहतर करना हैं.

बंद समर्थकों से निपटने को तैयार था महकमा

धनबाद । धनबाद शहर व आसपास के इलाकों में बंद समर्थकों से निपटने के लिए पुलिस-प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी थी. शहर के चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात किए गए थे. इसके अलावा जिला के वरीय पदाधिकारी भी पैनी नजर जमाए हुए थे. रेलवे स्टेशन रोड, बैंकमोड़ का इलाका, श्रमिक चौक, स्टील गेट आदि इलाके में पुलिस की गश्ती टीम दौड़ लगा रही थी. हालांकि मौसम के बिगड़ने के बाद खुद ही सड़कों पर सन्नाटा छा गया. बता दें कि झारखंड सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद झारखंड बंद का एलान किया गया था, हालांकि बाद में बंद वापस का एलान कर दिया गया. बावजूद इसके प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा.

बंद का निरसा, मैथन चिरकुंडा में असर नहीं

निरसा/मैथन। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा आहूत झारखंड बंद का निरसा, मैथन- चिरकुंडा क्षेत्र में कोई असर नहीं देखा गया. बंद के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निबटने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद दिखी. चौक चौराहे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी. मैथन संजय चौक, चिरकुंडा शहीद चौक, नेहरू रोड मोड़, अंबेदकर चौक आदि स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी. साथ ही गश्ती दल भी सड़क पर गश्त करते देखा गया. क्षेत्र में एग्यारकुंड प्रखंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार, चिरकुंडा थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह, निरसा सर्किल इंस्पेक्टर नयनसुख दादेल, मैथन ओपी प्रभारी रजनीश कुमार आदि सक्रिय देखे गए.

असम की टीम ने दीदियों की तरक्की का जाना राज

धनबाद। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के चर्चे अब दूसरे राज्यों में भी चर्चे शुरू हो गए हैं. इसी क्रम में असम की एसआरएलएम की 20 सदस्यी टीम अपने दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंची. तोपचांची प्रखण्ड में खरियो तथा ब्राहमणडीहा आजीविका महिला संकुल संगठनो से मिलकर उनके काम करने के तरीके सीखे. अलग अलग महिला समूहों से वित्तीय साक्षरता, सामाजिक सुरक्षा, बीमा दावा समझौता तथा बैंकिंग कोरेसपोंडेंट आदि बिंदुओ को समझने की कोशिश की. टीम के सदस्यों ने जिले में वित्तीय समावेषण का साकारात्मक प्रभाव एवं संस्था से जुड़े सदस्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार सराहना की. संकुल संगठन के सदस्यों ने टीम को क्रेडिट लिंकेज तथा सीआईएफ, बीमा लाभ के बारे में भी बताया. संचालक दीदी ने टीम को बताया कि इस केन्द्र से वह प्रत्येक माह रू.25000 से रू. 30000 का कमीशन प्राप्त करती हैं, इस कार्य से परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है. भ्रमण के दौरान टीम को जिला कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश रंजन, मूल्यांकन एवं अनुश्रवन राजीव कुमार पाण्डेय तथा वित्तीय समावेषण मोबाशीर कमाल ने सहयोग किया.

हल्की बारिश ने कोयलांचल में बढ़ाई ठंड, आज से सुधार

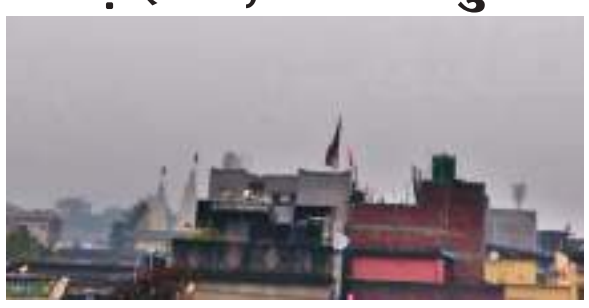

संवाददाता । धनबाद

कोयलांचल में हल्के उतार चढ़ाव के बीच ठंड का सितम जारी है. गुरुवार को सुबह से लेकर शाम तक घने बादल आसमान में छाए रहे. सुबह साढ़े दस से 12 बजे के बीच हल्की बारिश भी देखने को मिली. बारिश के कारण दिन का तापमान 2 डिग्री लुढ़कर 22 डिग्री पर पहुंच गया. इसके कारण दिन में भी लोग खुद को गर्म कपड़ों से ढके मिले. वहीं रात में तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ 12 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. सर्द हवाओं के कारण पिछले दो तीन दिनों की तुलना में ठंड में बढ़ोतरी हो चुकी है. बच्चों और बुजुर्गों का बुरा हाल रहा, दिनभर घर में दुबके रहे. कई बच्चे खराब मौसम के कारण स्कूल नहीं गए.

कोहरे की आशंका

इस संबंध में मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण धनबाद सहित झारखंड के कई शहरों में घने बादल और हल्की बारिश देखने को मिल रही है . पुरवइया हवा नमी लाने के साथ बारिश कराने का काम कर रही है . शुक्रवार को इसमें कमी आएगी . सुबह की शुरुआत कई स्थानों पर घने कोहरे से होगी, लेकिन इसके बाद मौसम साफ हो जायेगा . हल्के बादल कल तक देखने को मिलेगा . 3 फरवरी से मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा, लेकिन नमी कायम रहेगी . साथ ही रात के तापमान में 3 डिग्री तक गिरावट भी देखने को मिलेगी . फिलहाल ठंड से छुटकारा नहीं मिलने जा रहा है .

डीएवी महुदा में विचार गोष्ठी का आयोजन

महुदा । डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा में गुरूवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया.गोष्ठी में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि तथा अभिभावकों ने भाग लिया.गोष्ठी में विद्यालय के सर्वांगीण विकास एवं बच्चो के शिक्षा को लेकर चर्चा किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह पूर्व मुखिया धनेश्वर महतो ने कहा कि बच्चों की मानसिक स्थिति के अनुसार शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे बच्चों को ज्यादा बोझ नहीं बढ़े और जिससे बच्चे मन लगाकर पढ़ सके. इसके अलावे बच्चों को कुसंगतियों से बचने के उपाय भी बताये। विद्यालय को राजनीति तथा गुटबाजी से दूर रहने की सलाह दी. प्राचार्य ए के मंडल ने कहा कि इस विद्यालय की स्थिति प्लस टू नहीं होने के कारण सोचनीय है. प्लस टू हो जाने के बाद यह विद्यालय अपना पूरा रूप ले सकेगा. उन्होंने जनप्रतिनिधियों से इस संदर्भ में सहयोग करने की अपील की. जिप अध्यक्ष शारदा देवी ने कहा कि विद्यालय को आज के दौर में सोशल मीडिया से अधिक जुड़ना होगा. अनुशासन पर बल देना होगा तथा विद्यालय की कमियों को दूर करना होगा. तभी यह विद्यालय का नाम क्षेत्र में रोशन होगा. संगोष्ठी के अंत में सभी गणमान्य व्यक्तियों को शाल देकर सम्मानित किया गया.

अनियंत्रित टाटा हैरियर ब्रिज से नीचे गिरी तीन छात्र घायल, एक की स्थिति गंभीर

खास बातें

- चारों छात्र गुरू गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल के हैं
- घटना में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

संवाददाता । महुदा

धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग में तेलमच्चो ब्रिज से तेज रफ्तार से जा रही एक टाटा हेरियर गाड़ी अनियंत्रित होकर ब्रिज से पलटी खाते हुए पुल से नीचे गिर गई. वाहन में सवार चार युवकों में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया.चारों युवक गुरू गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल प्लस टू चास के छात्र हैं .इनमें से एक छात्र निखिल कुमार जो वाहन ड्राइव कर रहा था , उसकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है. जिसे प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल बोकारो रेफर कर दिया गया है. वाहन के एयर बैग खुल जाने के कारण निखिल के साथ गाड़ी में सवार तीन छात्र खतरे से बाहर हैं.

घटना के संबंध में ग्राम रक्षा दल के सदस्य सरयू नापित ने बताया कि चारों छात्र अपने निजी गाड़ी टाटा हेरियर से घर से धनबाद किसी कार्यक्रम में गये थे.उधर से लौटते समय तेलमच्चो ब्रीज पर उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गयी और सड़क से बाहर आ गई.वाहन तेजी से लुढ़कते हुए लोहे के बेरियर को तोड़ते हुए पुल से नीचे नदी के सतह पर पहुंच गई. घटना में गाडी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई. जबकि उस पर सवार चारों छात्राओं को गंभीर चोट लगी है. घटना की सूचना पाकर महुदा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा घायल को बोकारो के किसी निजी अस्पताल में भेजा. क्षतिग्रस्त कार को क्रेन के माध्यम से तेलमच्चो चेकपोस्ट लाया गया.

महासम्मेलन महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा का स्वागत, कहा

भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफल बनाने का आह्वान

संवाददाता । धनबाद

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा झारखंड दौरे पर हैं.इसे लेकर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी ने रांची में स्वागत समारोह व महिला कांग्रेस का महासम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया. जिसमें धनबाद नगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष पूनम देवी ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह को गुलदस्ता व तैल-चित्र भेंट कर सम्मानित किया.मौके पर दोनों नेत्रियों ने आभार जताते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए आशीर्वाद दिया.

सशक्त व मजबूत बनाने का निर्देश : मौके पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुंजन सिंह ने संगठन सशक्तीकरण पर बल देते हुए उन्हें संगठन को धारदार,सशक्त व मजबूत बनाने का निर्देश देते हुए भारत जोड़ो न्याय यात्रा कार्यक्रम को सफल व ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया. धनबाद नगर महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूनम देवी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष को आश्वस्त करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन को धनबाद नगर के सभी वार्डों में मजबूत, सशक्त और धारदार बनाने के लिए धनबाद नगर महिला कांग्रेस कमेटी दृढ़ संकल्पित है.

राहुल के नेतृत्व में विश्वास जगा है

नगर अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा से लोगों का विश्वास जगा है और लाखों लाख लोग इस यात्रा से जुड़ रहे हैं .आगे उन्होंने कहा कि दिनांक 4 फरवरी 2024 को धनबाद जिला में राहुल गांधी के नेतृत्व में प्रस्तावित भारत जोड़ो न्याय यात्रा कार्यक्रम को धनबाद नगर महिला कांग्रेस कमेटी सफल व ऐतिहासिक बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगी एवं महिलाओं से भारी संख्या में पहुंचकर उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया .

नई लाइन बिछाने के लिए मिले 2719 करोड़ रुपए, धनबाद मंडल में बनेंगे तीन कॉरिडोर

संवाददाता । धनबाद

केंद्र सरकार से रेलवे में नई रेल लाइन बिछाने के लिए 2719 करोड़ रुपये मिले हैं. जिसमें प्रधानखंटा से पहाड़पुर तक तीन कॉरिडोर बनाना है. धनबाद से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई व कोलकाता को जोड़नेवाली डायगनल कॉरिडोर भी बनेगी. उक्त बातें धनबाद रेल मंडल के डीआरएम केके सिन्हा ने पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस में कही. उन्होंने कहा कि ट्रैफिक के लिए 244 करोड़, आरओबी व आरयूबी के लिए 503 करोड़, ट्रैक मेंटेनेंस पर 1000 करोड़, ब्रिज मेंटेनेंस पर 112 करोड़, ट्रैक सिग्नल पर 265 करोड़ व पैसेंजर की सुविधा पर 780 करोड़ रुपये खर्च होंगे. वर्तमान में जहां सिंगल लाइन हैं, वहां दो लाइनें बिछेगी, जहां दो है वहां तीन और जहां तीन वहां चार लाइनें बिछेगी. इसके अलावा अमृत भारत योजना के तहत 15 स्टेशनों का सौंदर्यीकरण हो रहा है. सिर्फ धनबाद स्टेशन पर 480 करोड़ रुपये खर्च होंगे. धनबाद स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेगी. ताकि किसी तरह की आने-जाने में परेशानी न हो. सबसे पहले डीएफसी का पूरा ध्यान दिया जा रहा है. डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का काम काफी तेजी से चल रहा है. डानकुनी से लुधियाना तक काम हो रहा है. धनबाद रेल मंडल में प्रधानखंटा से मानपुर तक डीएफसी का लाइन बिछाया जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

विकास कुमार वर्मा की पुण्यतिथि मनाई

गिरिडीह। बिरनी प्रखंड के बरहमसिया चौक स्थित में बुधवार को आदर्श उच्च विद्यालय बरहमसिया चौक प्रांगण में विकास कुमार वर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई. बता दें की विकास कुमार वर्मा का 31 जनवरी 2013 को कुछ बदमाशों ने अपहरण कर हत्या कर दी थी. विकास कुमार वर्मा ग्राम सपामारण, प्रखंड धनवार का रहने वाला था, जो आदर्श उच्च विद्यालय बरहमसिया चौक में रहकर पढ़ाई कर रहा था. ग्यारह साल बाद भी एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है.

इतिहास में दर्ज होगा लोकतंत्र का काला दिन

गिरिडीह। स्वतंत्र भारत के इतिहास में जिस तरह से विपक्ष के नेताओं को टारगेट करके भ्रष्ट बताया जा रहा है और कार्रवाई की जा रही है, यह लोकतंत्र का काला दिन इतिहास में दर्ज होगा. उक्त बातें आम आदमी पार्टी झारखंड के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने गुरूवार को झारखंड में न सीएम न सरकार की हालात पर प्रतिक्रिया देते हुए कही. उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या पर तुली हुई है.

मेड काट पानी बहने से मना किया तो तालाब में फेंका

धनवार (गिरिडीह)। धनवार के पाण्डेयडीह में मेड काट पानी बहाने से मना करने पर एक व्यक्ति को तालाब में फेंकने का मामला प्रकाश में आया है. इस बाबत पीड़ित व्यक्ति पाण्डेयडीह निवासी अर्जुन साव ने धनवार थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. बताया गया कि गांव के ही श्रावण कुमार,मनोज कुमार,गोबिंद साव व साजन साव गुरुवार सुबह आठ बजे पनडेयडीह आहार का मेड काटकर पानी बहाने का प्रयास कर रहे थे. उन्हें मेड काटने व पानी बहाने से मना किया. इसी बात से आक्रोशित होकर उनलोगों हमें तालाब में फेंक दिया.

धैर्य और संयम से काम लेने का वक्त

गिरिडीह। गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यालय में जिला कार्य समिति की बैठक अध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक को संबोधित करते हुए सिंह ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि यह समय पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए धैर्य और संयम से काम लेने का है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संदेश को गांव-गांव पहुंचाना है और सभी को ये बताना कि किस तरह से झारखंड में चुने गये मुख्यमंत्री को षड्यंत्र के तहत हटाया गया है.

मैट्रिक और इंटर के छात्रों को दी गई विदाई

गावां (गिरिडीह)। गुरुवार को प्लस टू परियोजना उच्च विद्यालय पिहरा में मैट्रिक और इंटर के छात्रों को समारोहपूर्वक विदाई दी गई. समारोह का उद्घाटन स्कूल के प्राधानाचार्य गोविंद कुमार ने किया. स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. छात्रों के प्रस्तुतिकरण को जमकर सराहना मिली. स्कूल के प्राधानाचार्य गोविंद कुमार, सीआरपी अजय पंडित, अमित कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि परीक्षा देने वाले छात्र आगे चल कर कैरियर के लिए एक नई शुरुआत करेंगे.

अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा आयोजित

तेनुघाट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर और अधिवक्ता संघ भवन में अधिवक्ता संघ के सदस्य गणेश प्रसाद गुप्ता के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया. शोक सभा में जिला जज प्रथम राजेश सिन्हा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, महासचिव सहित अधिवक्तागण शामिल थे. तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में जिला जज प्रथम राजेश सिन्हा ने शोक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गणेश प्रसाद गुप्ता वर्ष 2001 से वकालत शुरू की.

बबलू अंसारी बने कसमार प्रखंड प्रभारी

बोकारो। जेबीकेएसएस कसमार प्रखंड कमेटी की बैठक गुरुवार को कसमार बाजार टांड़ में हुई. बैठक की अध्यक्षता जेबीकेएसएस के गोमिया विधानसभा पर्यवेक्षक सह प्रभारी अमरेश कुमार महतो ने की. इस अवसर पर कसमार प्रखंड कोर कमेटी का चुनाव किया गया, जिसमें बबलू अंसारी को कसमार प्रखंड प्रभारी, प्रशांत कुमार महतो को प्रखंड पर्यवेक्षक एवं मकुंद महतो को प्रखंड सह प्रभारी बनाया गया.

---

15 वीं वित्त आयोग में भारी अनियमितता का आरोप ,ग्रामीणों में आक्रोश, बीडीओ से शिकायत

बिना ग्राम सभा के नाली निर्माण कर निकाल ली राशि

संवाददाता। गिरिडीह

प्रखंड के पेशम पंचायत अंतर्गत पंडवाडीह में बीते कई माह पूर्व 15 वीं वित्त आयोग से नाली का निर्माण कराया गया . नाली निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है. जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है . ग्रामीणों ने इसकी लिखित शिकायत बीडीओ सुनील वर्मा को दो माह पूर्व की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है . बता दें कि नाली का निर्माण 182 फीट में होना था, जिसकी प्राकल्लित राशि दो लाख छत्तीस हज़ार दो सौ है.

लेकिन जनप्रतिनिधियों के मिलीभगत से संवेदक ने सिर्फ नाली की मरम्मत व स्लैब लगाकर राशि की निकासी कर ली . ग्रामीणों ने बताया कि यह नाली पूर्व से ही बनी हुई थी. सिर्फ मरम्मत कर राशि की निकासी की गई . ग्रामीणों का आरोप है कि यह नाली टोकन मण्डल के घर से दिगन मण्डल के घर तक बनना था. लेकिन सरयू मण्डल के कूप से सरयू मण्डल के घर के पीछे खेत तक निजी जमीन में बनाई गई .

खास बातें

- संवेदक ने कहा, समाज सेवा के लिए किया जा रहा निर्माण
- पूर्व बनी नाली में ऊपर से स्लैब लगाकर राशि निकाली
- दो माह पूर्व ग्रामीणों ने बीडीओ से की थी शिकायत

ग्रामीणों ने नाली निर्माण के समय संवेदक दयानन्द मण्डल से पूछा तो उन्होंने कहा कि समाज सेवा के लिए निजी फंड से नाली का निर्माण किया जा रहा है .

ग्रामीणों ने कहा कि जब ऑनलाइन मेरी एप्प पर देखा तो पता चला कि सरकारी योजना है. वहीं वार्ड सदस्या फूलमती देवी ने बताया कि बिना ग्राम सभा के स्थल का चयन कर नाली निर्माण के नाम पर राशि का दुरुपयोग किया गया है .उन्होंने कहा कि मुखिया पति मनीष (गुड्डू) सिंहा ने दो ग्रामीणों के बीच विवाद सुलह करवाने के नाम पर रजिस्टर पर हस्ताक्षर करवाया . इस संबन्ध में मुखिया पति मनीष (गुड्डू) सिन्हा ने कहा कि आरोप निराधार है. यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाएगी तो अधिकारी राशि की रिकवरी करने के लिए स्वतंत्र हैं .

कांग्रेस की बैठक में यात्रा को सफल बनाने पर चर्चा

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

खास बातें

- बैठक की अध्यक्षता रणधीर चौधरी ने की
- अधिक से अधिक लोगों को भाग लेने की अपील की

गावां में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी ने एक बैठक आयोजित की. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रणधीर चौधरी ने की. बैठक में मुख्यरुप से जिलाध्यक्ष धनजंय कुमार सिंह उपस्थित थे. बैठक में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता पर विचार विमर्श करते हुए अधिक से अधिक लोगो को कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की गई. धनजंय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के द्वारा भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत 14 जनवरी से मणिपुर से प्रारंभ हुई है. यात्रा के क्रम में राहुल गांधी 2 फरवरी को झारखंड में प्रवेश कर जाएंगे. झारखंड के 13 जिलों से होकर उनकी यात्रा गुजरेगी. इस प्रखंड से भी सैकड़ों की तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामीण भाग लेकर उनका स्वागत करेंगे. मेरा प्रयास है कि गावां प्रखंड समेत पूरे जिले के सभी प्रखंडों से हजारों के तादाद में लोग उनके स्वागत में देवघर पहुंचे. प्रखंड की टीम सभी पंचायतों में बैठक कर अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम स्थल पर ले जाएं.

कार पेड़ से टकराई, फिर असंतुलित होकर जंगल में जा घुसी

गिरिडीह में भीषण सड़क दुर्घटना साला बहनोई की मौत, दो गम्भीर

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग के तारातांड थाना क्षेत्र के बड़कीटांड में गुरुवार की अहले सुबह हुई भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गयी. वहीं इस दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए . मृतकों में मधुपुर निवासी 32 वर्षीय सागर वर्मा और सदर प्रखंड के उदनाबाद निवासी 30 वर्षीय रूपेश वर्मा शामिल हैं. दोनों मृतक रिश्ते में साला-बहनोई बताये जाते हैं. मिली जानकारी के अनुसार एक स्विफ्ट डिजायर कार से चार लोग लड़की को विदा कराने बंगाल के वीरभूम जा रहे थे. इसी दौरान बड़कीटांड़ के समीप कार असंतुलित हो सड़क किनारे स्थित जंगल में जा घुसी और एक पेड़ से जा टकरायी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्विफ्ट डिजायर कार के परखच्चे उड़ गये और कार में सागर वर्मा और रूपेश वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद काफी संख्या में स्थानीय लोग घटना स्थल पर जुट गये, वहीं सूचना मिलते ही तारातांड थाना प्रभारी प्रदीप महतो भी सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा.

वहीं मृतकों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. इधर घटना की खबर पाकर उदनाबाद गांव से परिजन सदर अस्पताल पहुंचे।

खास बातें

- लड़की विदा कराने वीरभूम (बंगाल) जा रहे थे
- स्विफ्ट डिजायर कार में चार लोग सवार थे
- स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को अस्पताल पहुंचाया

कार और ऑटो की जोरदार भिडंत, छह घायल

साहिबगंज। गुरुवार को बोरियो थाना क्षेत्र के बोरियो बरहेट मुख्य पथ के तीनमुहानी चौक के समीप कार और टेम्पो की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें छह लोग घायल हो गए. मिली जानकारी के अनुसार टेंपो में यात्री को सवार कर बरहेट की ओर से जा रहा था. इसी क्रम बरहेट की ओर से आ रही कार के साथ उसकी जोरदार भिडंत हो गई . दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसआई निरंजन कच्छप सहित सशस्त्र बल घटना स्थल पर पहुंच कर घायलों को बोरियो सीएचसी में भर्ती किया गया. जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सालखु चंद्र हांसदा, डॉ. पंकज कुमार के द्वारा बोआरीजोर निवासी नमिता देवी (30), लोंगाई बरहेट निवासी रोज बेरी हांसदा(30), झबरी बरहेट के संतोष तुरी (35), झबरी बरहेट निवासी सीता कुमारी, बोरियो निवासी गोपाल मरांडी, झबरी बरहेट निवासी संध्या तुरी (30) का प्राथमिक उपचार किया . वहीं गंभीर रूप से घायल नमिता देवी, रोज बेरी हांसदा, गोपाल मरांडी को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर साहिबगंज रेफर कर दिया गया है .

दावे पर शीघ्र निर्णय लें राज्यपाल : रामचंद्र ठाकुर

संवाददाता। बेरमो

माकपा राज्य सचिव मंडल के सदस्य रामचंद्र ठाकुर ने राज्यपाल से राज्य में सरकार गठन के लिए चंपई सोरेन के दावे पर निर्णय लेने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद झामुमो–कांग्रेस–राजद गठबंधन के नए नेता चंपई सोरेन बनाये गए हैं. सरकार गठन करने के लिए राज्यपाल के समक्ष बहुमत के समर्थन पत्र पेश किए दावे पर राज्यपाल द्वारा त्वरित निर्णय नहीं लिए जाने से राजनीतिक संकट उत्पन्न हो गया है. सरकार के गठन पर राज्यपाल वस्तुतः भाजपा की राजनीति से प्रेरित होकर काम कर रही है.

इस कारण निर्णय लेने में जानबूझ कर विलंब किया जा रहा है. इस अनिर्णय की स्थिति से राज्य में अराजकता का माहौल बन रहा है, साथ ही इससे हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा और अंततः राज्य की जनता का जनादेश के उल्लंघन का अलोकतांत्रिक खतरा पैदा हो रहा है. कहा गया कि बिहार में ऐसा ही राजनीतिक परिस्थिति उत्पन्न होने पर राज्यपाल ने बहुमत के नेता द्वारा सरकार के गठन के लिए पेश किए गए दावे पर त्वरित सकारात्मक फैसला लिया था. इसलिए राज्य के वाम दल राज्यपाल से उपरोक्त दावे पर यथाशीघ्र निर्णय लेने और राज्य में तुरंत सरकार गठन कर जनता के जनादेश का सम्मान करने की मांग करती है. वाम दलों की यह भी समझ है कि ईडी का दुरुपयोग कर निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी भाजपा द्वारा देश की संघीय व्यवस्था और लोकतंत्र पर हमला है.

प्रतियोगिता में उउवि बिरने को प्रथम स्थान

गावां (गिरिडीह)। कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कबड्डी खेल प्रतियोगिता में उत्क्रमित उच्च विद्यालय बिरने की टीम ने कोडरमा की टीम को फाइनल में पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया. इस प्रतियोगिता का आयोजन कोडरमा जिले के डोमचांच में आयोजित किया गया. टीम में गिरिडीह और कोडरमा जिले से कई टीमों ने हिस्सा लिया. जिसमे गावां प्रखंड के टीम जीत हासिल की. बाद में बिरने में एक कार्यक्रम का आयोजन कर सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया. उक्त आशय की जानकारी टीम के कोच डॉ अभिषेक आनन्द ने दी.

उप मुखिया तहीराण बीवी को दिया गया अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। गांडेय (गिरिडीह)

गांडेय प्रखंड के फुलजोरी पंचायत की मुखिया नजमा बीवी की वित्तीय शक्तियां जब्त करते हुए उक्त पंचायत की उप मुखिया ताहीरण बीवी को सभी शक्तियां देने की जिला पंचायती राज अधिकारी द्वारा अनुशंसा की गई है . जिसे लेकर गुरुवार को गांडेय ब्लॉक में प्रशिक्षु आइएएस दीपेश कुमारी ने ताहिरान बीवी को फुलजोरी पंचायत के मुखिया के प्रभार का दस्तावेज सौंपा.

प्रतियोगिताएं खेल भावना को बढ़ावा देती हैं : खिरोद बारिक

संवाददाता। बोकारो

वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी ने वार्षिक अंतर-अकादमी तीरंदाजी प्रतियोगिता वेदांता चैलेंज ट्रॉफी की मेजबानी की. जिसमें बोकारो और धनबाद से 5 प्रमुख तीरंदाजी अकादमियों के लगभग 92 तीरंदाजों ने भाग लिया. इस वार्षिक प्रतियोगिता में विभिन्न अकादमियों के तीरंदाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करती है. इस वर्ष भाग लेने वाली 5 तीरंदाजी अकादमियों में सेल तीरंदाजी सेंटर- बोकारो, चंदनकियारी डे बोर्डिंग सेंटर, धनबाद तीरंदाजी सेंटर, अंजला तीरंदाजी सेंटर, वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी, सियालजोरी के अलावा अन्य टीमें शामिल रहीं. इस दौरान गोमिया विधायक और बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष डॉ. लंबोदर महतो, बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के उपाध्यक्ष अजय सिंह, बोकारो जिला तीरंदाजी संघ की सचिव एंजला सिंह और एमडी खासिम, झारखंड के अग्रणी तीरंदाज भी उपस्थित रहे.

खेल भावना को बढ़ावा : इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के डिप्टी सीएचआरओ, खिरोद कुमार बारिक ने टूर्नामेंट को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं खेल भावना को बढ़ावा देती हैं और तीरंदाजों को प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में भाग लेने का अनुभव प्रदान करती हैं. ऐसे बड़े आयोजनों में भाग लेने से स्वस्थ प्रतिस्पर्धी रणनीति बनाने, उत्कृष्टता प्राप्त करने की भूख बढ़ाने और खेल की भावना का जश्न मनाने में भी मदद मिलती है.

पिट्स विद्यार्थियों का आशीर्वचन समारोह

संवाददाता। बेरमो

पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया के दशम वर्ग के छात्र-छात्राओं का आशीर्वचन समारोह गुरुवार को आयोजित किया गया. विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने विद्यार्थियों को चंदन, तिलक लगाकर स्वर्णिम भविष्य के लिए आशीर्वचन दिये. साथ ही, विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी. उप प्राचार्या डॉ. विनीता पटनायक पाढ़ी ने विद्यार्थियों को एकाग्रचित होकर मेहनत करने की सलाह दी. प्रधानाध्यापक के के चंदा ने बच्चों को स्वस्थ रहने एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर वर्ग शिक्षिका प्रिया सिंहा, संगीता कुमारी एवं शिक्षक राजीव प्रसाद ने बच्चों को परीक्षा में सफलता के टिप्स दिए तथा उज्जवल भविष्य की कामना की. इस कार्यक्रम के दौरान दशम वर्ग के विद्यार्थी अनुष्का गुप्ता, ऋषिका सिंह एवं अपर्णा शर्मा ने विद्यालय में बिताए पलों की यादों को साझा की तथा नौवीं के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत गाकर उन्हें भावनात्मक विदाई दी. विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दास गुप्ता ने बच्चों को आशीर्वचन एवं शुभकामनाएं दी.

गीता देवी के स्नेह से अभिभूत हुए मोदी

बोले-वरिष्ठ नागरिकों का अनुभव व मार्गदर्शन भव्य भारत के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक

गिरधारी लाल जोशी। देवघर

राजनीति में रह कर भी संवेदनाओं का सम्मान करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेषता रही है. इसकी ताजा झलक प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से देवघर निवासी रमन भारद्वाज को भेजें गए पत्र में मिली है. रमन खुश होकर बताते हैं कि मेरी दादी 95 वर्षीय श्रीमती गीता देवी शर्मा प्रधानमंत्री की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और रामलला के मंदिर निर्माण सहित महिलाओं के सम्मान के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करती रहती हैं. यहां तक कि समाचार चैनलों में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर दिखाई देने पर इस प्रकार से बात करती हैं, जैसे कि प्रधानमंत्री स्वयं उनके सामने उपस्थित हों. मेरे पत्र के माध्यम से जैसे ही प्रधानमंत्री जी को इस बात की जानकारी मिली, तो उन्होंने दादी के प्रति स्नेह और आभार जताया. मानवीय संवेदनाओं के प्रति प्रधानमंत्री की इस संवेदनशीलता के मेरे ताऊ गोपाल शर्मा और विजय कुमार शर्मा एवं पिता-संजय भारद्वाज सहित परिवार के सभी सदस्य कायल हैं और प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त कर रहे हैं.

खास बातें

- 95 वर्षीय गीता देवी मोदी की बहुत बड़ी प्रशंसक
- प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से भेजा गया है पत्र

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर की 95 वर्षीय वृद्धा गीता देवी को गत 25 जनवरी को भेजे पत्र में कहा है कि ऐसे स्नेहपूर्ण शब्दों से उन्हें राष्ट्र के लिए जी जान से कार्य करने के लिए नई ऊर्जा प्राप्त होती है. 95 वर्ष की आयु में भी देश और समाज से जुड़े विषयों के प्रति सजगता की प्रशंसा करते हुए कहा कि अमृत काल में आप जैसे वरिष्ठ नागरिकों का अनुभव व मार्गदर्शन एक भव्य और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गीता देवी के अच्छे स्वास्थ्य और उनके समस्त परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना भी की.

देवघर में इनकम टैक्स के मामलों की जानकार और गीता देवी के ज्येष्ठ पुत्र गोपाल शर्मा बताते हैं कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहना हमारी पारिवारिक परम्परा रही है. मेरे पिता स्वर्गीय सीताराम शर्मा जी समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कार्य और सहयोग के लिए तत्पर रहते थे और ऐसा करने के लिए हमलोगों को भी प्रेरित किया करते थे.

दिव्यांग को बैट्री चालित ट्राई साइकिल दी गई

बेरमो। सीसीएल ढोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) में सीएसआर के तहत ढोरी जीएम मनोज कुमार अग्रवाल ने अमलो के दिव्यांग मनोज कुमार गुप्ता को 42 हजार की रूपये की बैट्री चालित ट्राई साइकिल दी. कहा गया कि सीसीएल कोयला उत्पादन ही नहीं बल्कि समावेशी विकास को अपना मुख्य उद्देश्य मानती है. समाज के हर वर्ग को द्विव्यांगों के प्रति करुणा रखनी चाहिए. पूर्ण सहभागिता और समानता के तहत समाज में दिव्यांगों को बराबरी के अवसर, उनके अधिकारों के बारे में लोगों को जागरुक करने और सामान्य नागरिकों की तरह उनकी सेहत पर भी ध्यान देने की जरूरत है. साथ ही सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारने की आवश्यकता है. ढोरी क्षेत्र अपने आस पास के क्षेत्र के गरीब -असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के सहायतार्थ हमेशा प्रतिबद्ध है. समय समय पर आवश्यकतानुसार कई कार्यों को करता रहा है. कार्यक्रम में श्रमिक नेता जवाहरलाल यादव, जयराम सिंह, अविनाश सिंह, महफूज आलम, आनंद विश्वकर्मा अधिकारी शैलेश कुमार, एसओपी प्रतुल कुमार, एसओईएंडएम जयशंकर, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी सीताराम उड़के, मैनेजर मुनी नाथ सिंह उपस्थित थे.

विरोध हेमंत की गिरफ्तारी पर आक्रोश, टायर जलाकर किया प्रदर्शन,दुकानें बंद कराई

आदिवासी-मूलवासी संघ ने किया लालपनिया बंद

संवाददता। बेरमो

आदिवासी मूलवासी अधिकार मंच ने गुरुवार को लालपनिया मोड पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और दुकानें बंद कराई. बता दे कि बीती रात झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद आदिवासी मूलवासी संगठन ने झारखंड बंद का ऐलान था जिसे बाद में वापस ले लिया गया. इसी आवाहन पर बोकारो जिला के आदिवासी मूलवासी अधिकार मंच के द्वारा बोकारो जिला के विभिन्न जगहों पर बंद के लिए सड़क पर उतरे. बेरमो अनुमंडल के ललपनिया में इसका असर देखा गया. यहां सुबह में ही मंच के कार्यकर्ता ललपनिया रामगढ़ चौक पर टायर जलाए और विरोध प्रदर्शन किया. इस संबंध में आदिवासी मूलवासी अधिकार मंच के अध्यक्ष दिनेश मुर्मू ने कहा कि झारखंड में जब-जब आदिवासी मुख्यमंत्री बनता है, तब तब उसे साजिश के तहत मुकदमों में फंसने और सत्ता से हटाने का षड्यंत्र करते हैं. इसी निमित्त भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने एक साजिश के तहत झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फंसाया और ईडी के द्वारा गिरफ्तार कराया गया है. केन्द्र सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों को एजेंसियों के द्वारा झूठे मुकदमे में फंसा कर पहले बीजेपी में शामिल होने की धमकी दी जाती है.

उलगुलान करने पर आदिवासी विवश होंगे

दूसरी ओर यदि इसी प्रकार आदिवासी नेताओं को फंसाया जाता रहा तो झारखंड में एक बड़ा उलगुलान करने पर आदिवासी विवश होंगे . उन्होंने बताया कि वाहनों का आवागमन बाधित नहीं है . दुकान, बैंक और स्कूल बंद रहे . आवश्यक सेवाएं चालू थी . गोमिया ललपनिया मुख्य मार्ग के पिंडरा चौक पर भी आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक ढोल नगाड़ों और तीर कमान के सड़क पर उतरे . ललपनिया में बंद के दौरान दिनेश कुमार मुर्मू , अनील हांसदा, सुखराम हांसदा, हीरालाल टुडू, नरेश चौड़े, लालचंद चौंड़, संजय सोरेन, प्रेम सोरेन, रजेश मुर्मू, श्यमदेव सोरेन, सेवा राम मांझी, महेश मरांडी, सुरेन्द्र बसके, बबलु हेम्ब्रम, बबली सोरेन, संतोष मरांडी, मंगल हांसदा, रामाकांत सोरेन, पयरा मुर्मू, सुखदेव मांझी, संतोष साव, विमाल ठाकुर, लुदू मांझी आदि उपास्थित रहे .

डुमरी में मतदाता का महत्व विषय पर संगोष्ठी

अच्छे प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन करे : प्रो. अरुण

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी पारसनाथ महाविद्यालय इसरीबाजार में गुरूवारको राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से लोकतंत्र में मतदाता का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया . संगोष्ठी का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. अरुण कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो गौतम सिंह,डॉ शशि भूषण तथा अन्य शिक्षकों ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर गया . इस दौरान सरिया कॉलेज से के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष सह मुख्य वक्ता प्रो अरुण ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान का एक विशेष महत्व है . मतदान लोकतंत्र के लिए ईंधन के समान है. इसलिए लोकतंत्र में मतदान को महापर्व कहा जाता है . उन्होंने कहा कि एक एक मत से देश का भविष्य तय होता है . इसलिए हमें सोच समझकर अच्छे प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करना चाहिए . प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र मजबूती के लिए मतदान करना आवश्यक है . हर एक नागरिक को यह संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ है कि वह अपने मत का उपयोग करके अपने जनप्रतिनिधि को चुने . परीक्षा नियंत्रक प्रो गौतम सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के दो रुप है,अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में मतदाताओं की अहम भूमिका होती है.

केरेडारी की पांडू पंचायत में बीजीआर कंपनी कर रही माइंस का विस्तार, रैयतों में पनप रहा आक्रोश

सुरक्षा नियमों को ताक पर रख कर काम कर रही कंपनी

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

जिले के केरेडारी प्रखंड में कार्यरत कोल माइंस कंपनी बीजीआर कंस्ट्रक्शन के खिलाफ स्थानीय रैयतों का आक्रोश पनप रहा है. रैयतों का कहना है कि बीजीआर कंस्ट्रक्शन कंपनी पांडू पंचायत की घनी आबादी के बीच बिना किसी तरह की सुरक्षा घेरा को खड़ा किए माइंस का विस्तार कर रही है. सारे सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर बहुत तेजी से खनन कार्य किया जा रहा है.

इस संबंध में 'शुभम संदेश' संवाददाता ने स्थानीय रैयतों से बात की, तो उन्होंने बेझिझक अपनी पीड़ा

व्यक्त की. रैयतों ने बताया कि बीजीआर कंस्ट्रक्शन कंपनी जब यहां आयी थी, तो उनसे अनेक वायदे किए गए थे. ऐसा सब्जबाग दिखाया गया कि हमलोगों को लगा कि अब हम सबों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा और नौकरी दी जाएगी. लेकिन ऐसा कुछ होता नहीं दिख रहा है. ऐसा लग रहा है कि हमलोगों ने अपनी जमीन देकर अपना हाथ काट लिया है. रैयतों के यह भी कहना था कि कंपनी ने वादाखिलाफी कर उनलोगों के साथ धोखा किया है. इस संबंध में बीजीआर कंपनी के एक अधिकारी श्रीनिवास के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर पक्ष लेने का प्रयास किया गया, मगर उन्होंने फोन नहीं उठाया.

जोरदार विरोध

- रैयतों ने कंपनी पर लगाया वादे पूरा नहीं करने का आरोप
- कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रबंधन का पक्ष नहीं आ पाया है सामने

आवाज उठाने पर केस करा दिया जाता है : रैयत

रैयतों ने कहा कि बीजीआर कंपनी को अगस्त 2024 से को खनन कार्य शुरू करना था, लेकिन अभी ही शुरू कर दिया गया है. उनलोगों को सही से मुआवजा, पेंशन, विस्थापन, रोजगार आदि भी नहीं दिया गया है. दूसरी ओर जिस जगह कार्य शुरू किया गया है, वहां की आबादी को खाली भी नहीं कराया गया है. विस्थापितों को डरा-धमका कर कंपनी ओबी को हटाने के प्रक्रिया में दिन-रात जुटी हुई है. वहीं, इसका विरोध करने पर कुछ दलालों के माध्यम से एफआईआर दर्ज करा दिया जाता है. इससे और भी आक्रोश पनप रहा है. रैयतों ने यह भी कहा कि ज्यादा दिन अत्याचार नहीं चलने देंगे. अगर कंपनी ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया, तो बहुत जल्द सड़क पर उतर कर जोरदार विरोध करेंगे.

गांव चलो अभियान पर भाजपा ने बनाई रणनीति

टाटीझरिया। भारतीय जनता पार्टी मंडल कमिटी की बैठक भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई. इस दौरान गांव चलो अभियान को सफल बनाने पर विचार किया गया. इसके लिए शक्ति केंद्र संयोजक और सह संयोजक नियुक्त किए गए. बैठक में नव नियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह को बधाई दी गई. कार्यक्रम के संयोजक महेश अग्रवाल और राजू यादव ने कहा कि मंडल के पदाधिकारी मंडल के सभी बूथों पर जाकर संगठन को मजबूत करेंगे. मंडल के दोनों लोकसभा क्षेत्र हजारीबाग व कोडरमा और दोनों विधानसभा क्षेत्र मांडू और बरकट्ठा में जीत की रणनीति तैयार करेंगे. मांडू विधानसभा के 33 बूथों एवं बरकट्ठा के 21 बूथों पर भाजपा पदाधिकारी प्रवास पर करेंगे.

उत्तरी छोटानागपुर अपडेट

जैन समाज ने नये भाजपा जिलाध्यक्ष को दी बधाई

कोडरमा। अनूप जोशी को कोडरमा जिला भाजपा का अध्यक्ष एवं पूर्व जिला अध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी को प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाए जाने पर जैन समाज ने बधाई दी. समाज के उप मंत्री नरेंद्र झाझंरी, सह मंत्री राज छाबड़ा, पूर्व अध्यक्ष सुशील छाबड़ा, समाजसेवी सुरेश झाझंरी, पार्षद पिंकी जैन ने उनको पुष्प गुच्छ देकर और दुपट्टा पहना कर भाजपा जिला अध्यक्ष का स्वागत किया. वहीं, नितेश चंद्रवंशी को सुनील जैन सेठी, प्रदीप छाबड़ा, विवेक शेट्टी, प्रवीण, नवीन, पाटनी लाला, प्रदीप सोमानी, अभिषेक बड़जात्या,अमित सेठी, रोटरी क्लब के सेक्रेटरी नवीन जैन ने माला पहनाकर स्वागत किया और बधाई दी.

आंदोलनकारियों को उपायुक्त ने किया सम्मानित

हजारीबाग। झारखंड अलग राज्य के गठन के आंदोलनकारियों व जयप्रकाश आंदोलन के चिह्नित आंदोलनकारियों को उपायुक्त नैंसी सहाय ने सम्मानित किया. गुरुवार को नगर भवन में आयोजित सम्मान समारोह में उपायुक्त ने झारखंड राज्य के 198 एवं जेपी आंदोलन के 10 आंदोलनकारियों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया. उपायुक्त ने कहा कि राज्य की परिकल्पना को साकार करने में आप सबों का उल्लेखनीय योगदान रहा है. कार्यक्रम में अपर समाहर्ता संतोष सिंह, एनडीसी डेविड बलिहार, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी निवेदिता राय व अन्य मौजूद रहे.

फरार अभियुक्त के घर चस्पा किया इश्तेहार

रामगढ़। रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित अभियुक्त मो. हसनैन उर्फ कैप्टन के क्वार्टर पर पुलिस ने गुरुवार को इश्तेहार चिपकाया. न्यायालय के आदेश पर रजरप्पा थाना ने दारोगा रघुनाथ सिंह के नेतृत्व में पुलिस ढोल-नगाड़ों के साथ आरोपी के क्वार्टर पहुंची और इश्तेहार चिपकाया. आरोपी के खिलाफ रजरप्पा में नामजद प्राथमिकी दर्ज है. फरार अभियुक्त मो. हसनैन उर्फ कैप्टन के रजरप्पा प्रोजेक्ट के क्वार्टर नंबर बी-33/177 पर इश्तेहार का चिपकाया गया. इस दौरान स्थानीय लोगों के बीच ढोल (डुगडुगी) बजा कर गवाहों के समक्ष इश्तेहार का विधिवत तामिला कराया गया.

सेक्रेड हार्ट के शुभम को एनएसइबी में 19वां रैंक

कोडरमा। सेक्रेड हार्ट स्कूल के बारहवीं कक्षा के छात्र शुभम कुमार ने जीव विज्ञान के राष्ट्रीय मानक परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर 19वां रैंक लाकर स्कूल व माता-पिता का नाम रौशन किया है. इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स द्वारा आयोजित नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन इन बायोलॉजी (एनएसइबी) 2023 परीक्षा में 29795 छात्रों में से शुभम को 19वां रैंक मिला है. शुभम कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड में भी टॉप 10 में अपना स्थान बनाया. इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक प्रमोद कुमार और प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने शुभम को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

जिप क्षेत्र का विकास पहली प्राथमिकता : सुधा देवी

रामगढ़। दोहाकातु पंचायत अंतर्गत गड़के में पंचायती राज विभाग अंतर्गत 15वें वित्त मद से लगभग 9.31 लाख की लागत से सरकारी स्कूल से लेकर महंगू मुंडा के घर तक नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. मुख्य अतिथि रामगढ़ जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी ने शिलापट्ट का अनावरण किया. उन्होंने कहा कि जिला परिषद क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है. मौके पर आजसू के केंद्रीय सदस्य लालबिहारी महतो, प्रखंड अध्यक्ष मुहरलाल महतो, पूर्णिमा कुमारी, सुगनी देवी, अंजू देवी, संगीता देवी, संजोती देवी, बालेश्वर महतो, चंदेश्वर महतो, फागू महतो, जितेंद्र कुमार, सुजीत कुमार सहित कई लोग मौजूद थे.

तीसरी बार अंग्रेजी विभागाध्यक्ष बने डॉ. रिजवान

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय अंग्रेजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रिजवान अहमद तीसरी बार विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष नियुक्त किए गए. पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता सिंह की सेवानिवृत्ति के पश्चात अंग्रेजी विभाग का कार्यभार डॉ. रिजवान को सौंपा. इस मौके पर सभी प्रोफेसरों ने उन्हें बधाई एव शुभकामनाएं दी. बता दें कि पूर्व में डॉ. रिजवान दिसंबर 2016 से फरवरी 2018 और दूसरी बार फरवरी 2020 से मार्च 2022 तक अंग्रेजी विभागाध्यक्ष रह चुके हैं.

चुटूपालू घाटी में सड़क दुर्घटना, बाइक सवार की मौत

रामगढ़। रांची-रामगढ़ मार्ग स्थित चुटूपालू घाटी में सड़क दुर्घटना में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. दुर्घटना के बाद मार्ग जाम हो गया. रामगढ़ थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर जाम हटवाया .जानकारी के अनुसार दोपहर को एक सीमेंट लदा एलपी ट्रक ने बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया. घटना में बाइकसवार 30 वर्षीय युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया. दुर्घटना के बाद चालक ट्रक खड़ा कर फरार हो गया.

ब्रीफ खबरें

आंदोलनकारी चंद्र मोहन पटेल को किया सम्मानित

हजारीबाग। झारखंड सरकार द्वारा झारखंड आंदोलनकारी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता चंद्र मोहन पटेल को डीसी नैंसी सहाय ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया. चंद्र मोहन पटेल आंदोलन के सहभागी रहे और जेल भी गये. जनता दल यूनाइटेड, हजारीबाग की तरफ से चंद्र मोहन पटेल को शुभकामना दी गयी. बधाई देने वालों में जनता दल यूनाइटेड हजारीबाग के जिला प्रवक्ता राकेश ठाकुर, प्रदेश सचिव अर्जुन कुमार मेहता, प्रदेश अल्पसंख्यक महासचिव रोमी सलूजा, महानगर अध्यक्ष यासीन अंसारी, वरिष्ठ नेता राकेश गुप्ता इत्यादि शामिल रहे.

लोहसिंघना में झील से युवक का शव बरामद

हजारीबाग। लोहसिंघना पुलिस ने गुरुवार को झील से एक युवक का शव बरामद किया है. मृतक की पहचान रंजन कुमार पांडेय (23) के रूप में की गई है. शव पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं. आशंका जताई जाती है कि तीन-चार दिन पहले उक्त युवक की पानी में डूबने से मौत हुई है. इस संबंध में लोहसिंधना थाना प्रभारी विपिन कुमार यादव ने बताया कि युवक दिल्ली का रहने वाला था. वह अपने मामा के घर झील नगर निवासी विकास कुमार के पास आया हुआ था. 28 जनवरी से ही वह लापता था. इस संबंध में उसके मामा ने गुमशुदगी को लेकर थाने में मामला दर्ज कराया था.

एनएच 33 मार्ग पर सड़क हादसा, मजदूर की मौत

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत डेमोटाड़ मोरांगी में बीती रात सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई. मृतक की पहचान मोरांगी निवासी स्व. जाजो भुईयां के पुत्र मदन राम के रूप में की गई है. पुलिस के अनुसार एनएच 33 पार करने के दौरान एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई. आक्रोशित लोगों मुआवजा की मांग को लेकर एनएच 33 को जाम कर दिया. सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी बजरंग महतो दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को काफी समझा-बुझा कर करीब डेढ़ घंटे बाद जाम हटवाया. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया.

अंतरिम बजट पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं व अन्य वर्ग ने दी प्रतिक्रिया

किसी ने सराहा, किसी ने नकारा

- सत्ता पक्ष के नेताओं ने विकसित भारत का बजट बताया
- विपक्षी नेता बोले- आम जनता को ठगने वाला यह बजट

संवाददाता। हजारीबाग

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में अंतरिम बजट पेश किया. उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि भारत सरकार मैन्युफैक्चरिंग और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का समर्थन करके देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास को बढ़ावा देना जारी रखेगी. सीतारमण ने ऑटोमोबाइल विनिर्माण उद्योग या इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए किसी भी तरह की छूट के बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है.

उन्होंने यह जरूर कहा कि आने वाले दिनों में देशभर में इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम का विस्तार किया जाएगा. वहीं, इलेक्ट्रिक बसों को अधिक से अधिक अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. इसके अलावा, यह भी कहा कि केंद्र सरकार अन्य स्वच्छ और हरित पावर ट्रेन समाधानों के विकास पर भी जोर दे रही है. हालांकि, अंतरिम बजट में बड़े पैमाने पर ऑटो उद्योग के लिए कोई महत्वपूर्ण घोषणा नहीं की गई.

अंतरिम बजट को लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है. सत्ता पक्ष के नेता जहां इस बजट को शानादार बता रहे हैं, तो वहीं विपक्ष के नेताओं द्वारा इसे आम जनता को ठगने वाला बजट करार दिया गया है.

बजट पर प्रतिक्रिया

बजट 10 वर्षों के बदलाव का दर्पण : जायसवाल

हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने बताया कि यह अंतरिम बजट केंद्रीय अर्थसंकल्प विकसित भारत का बजट है. इसमें गरीब, किसान, महिला और युवा का विशेष ध्यान रखा गया है. साथ ही यह बजट देश में पिछले 10 वर्षों में हुए बदलाव का दर्पण है. विधायक ने बताया कि इस सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल और गरीब कल्याण योजना में 34 लाख करोड़ रुपये खाते में भेजे. करीब एक करोड़ महिलाएं लाखपति दीदी बनीं और अब 3 करोड़ लाखपति दीदियां बनाने का लक्ष्य है. स्किल इंडिया मिशन के तहत 1.4 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित और 54 लाख लोगों को दोबारा से सिखाया गया. उच्च शिक्षा के लिए 7 आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 7 आईआईएम, 15 एआईआईएमएस और 390 यूनिवर्सिटी स्थापित की गई. पीएम किसान योजना से 11.8 करोड़ लोगों को आर्थिक मदद मिली है.

बजट में उद्योगपतियों को मौका : गणेश कुमार सीटू

केंद्रीय अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए सीपीआईएम नेता गणेश कुमार 'सीटू' ने कहा है कि इस बजट में मोदी सरकार ने उद्योगपतियों के लिए 22 फीसदी टैक्स माफी का प्रावधान किया है. इस बजट से महंगाई कम होने की बजाय और बढ़ेगी. वहीं नौकरी करने वालों के लिए इनकम टैक्स स्लैब में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जिससे नौकरी करने वाले लोग काफी निराश हैं. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अधीन लाखों पद रिक्त हैं. उसको भरने की कोई बात इस बजट में नहीं की गई है. इस बजट में किसानों को एमएसपी देने की भी बात नहीं की गई है, जिससे किसान भी नाराज हैं. यह सरकार प्रत्येक वर्ष 2 करोड़ घर बनाने का लक्ष्य निर्धारित करती है. लेकिन किसी वर्ष इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाई. इस बजट से आम जनता को लाभ होने वाला नहीं है.

विकसित भारत की नींव है बजट : चंद्र प्रकाश जैन

हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि अंतरिम बजट में हर वर्ग का सम्मान, सबका रखा गया है. गरीब कल्याण, भारत कल्याण तथा नारी शक्ति को मजबूत करने को लेकर कई विकल्प पेश किए गए हैं. अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बजट में हर चीज पर चर्चा की गई है. किसी भी क्षेत्र को नहीं छोड़ा गया है. आज हम अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में एक आत्मविश्वासी देश बन गए हैं. इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है. नारी शक्ति महिलाओं के लिए लखपति दीदी योजना लाई गई है. इसके तहत 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का सौभाग्य मिलेगा. पूरे बजट में विकसित भारत का रोड मैप पेश किया गया है. इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं.

खाली लिफाफा निकला अंतरिम बजट: सईद नसीम

झुमरी तिलैया। कांग्रेस नेता सईद नसीम ने अंतरिम बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट देख कर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वित्त मंत्री निर्मला सितारमन संसद भवन में नहीं, बल्कि भाजपा की किसी रैली में भाषण दे रही हैं. इस बार भी आम जनता की उम्मीदों पर पानी फिर गया. बजट में कोई टैक्स रियायत नहीं, पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई कटौती नहीं, महंगाई कम करने की कोई बात नहीं की गई है. महिला सुरक्षा और उत्थान सिर्फ कागज पर है. अपने इस विदाई बजट में भी मोदी सरकार ने देश के किसानों, बेरोजगार नौजवानों, महिलाओं और मध्यम वर्ग सहित किसी को कुछ भी नहीं दिया. कुल मिलाकर मोदी सरकार के पूर्व के आम बजट की तरह अंतरिम बजट भी खाली लिफाफा ही निकला.

बजट में सभी वर्गों को मिली राहत : विकास राणा

आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया अंतरिम बजट स्वागत योग्य है. समाज के सभी वर्गों का ख्याल में रखकर इस बजट को पेश किया गया है. किसी पर भी कोई बोझ नहीं पड़ेगा और ये बजट राहत देने वाला है. आजसू पार्टी इसका स्वागत करती है.

निराशाजनक है अंतरिम बजट : डॉ. आरसी प्रसाद मेहता

कांग्रेस स्वास्थ प्रकोष्ठ के अनुमंडल अध्यक्ष डॉ. आरसी प्रसाद मेहता ने बताया कि अंतिम बजट बेरोजगार, मजदूर, किसान, महिला, मध्यम वर्गीय लोगों और छोटे व्यापारियों के लिए निराशाजनक है. यह बजट महंगाई को बढ़ावा देने वाला है. आयुष्मान भारत व कौशल विकास योजना झुनझुना है.

नशे में धुत छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू गोद की हत्या

संवाददाता। केरेडारी

थाना क्षेत्र के कराली गांव निवासी भाजपा नेता बैजनाथ तिवारी के छोटे बेटे बीरेंद्र तिवारी का अपने पिता से जमीन विवाद को लेकर बीती बुधवार रात करीब 8 बजे झगड़ा हो गया. इस बीच सुलह कराने गए बड़े बेटे रविंद्र तिवारी से छोटे बेटे की नोकझोंक होने लगी. इसी क्रम में नशे में धुत बीरेंद्र ने अपने बड़े भाई की गर्दन पर चाकू से वार कर दिया.

घटना में घायल रवींद्र दर्द के मारे छटपटाने लगा. शोरगुल सुन मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी बीरेंद्र को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी गई. इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. वहीं, घायल को अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई. रवींद्र कुमार बिजली विभाग में कार्यरत थे. वह अपने दो पुत्र और पत्नी से भरा पूरा परिवार छोड़ कर चले गए. इस संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि बीरेंद्र बदमाश प्रवृति का था. वह दूसरे जगह रहता था और नशाखोरी करता था.

जघन्य घटना

- हत्यारोपी को पड़ोसियों ने दबोचा, पुलिस को सौंपा
- छोटे भाई और पिता के बीच झगड़ा सुलझाने में गई जान

हजरत बाबा का 87वां सालाना उर्स कल से

जयनगर। हजरत बाबा अब्दुल रहीम शाह रहमतुल्लाह अलैह का 87वां सालाना उर्स 3 व 4 फरवरी को जयनगर मस्जिद मोहल्ला में मनाया जाएगा. उर्स कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल हफीज खान और खादिम आबिद हुसैन ने बताया कि 3 फरवरी को अताए रसूल कॉन्फ्रेंस जलसे का आयोजन किया जाएगा. इसमें मुख्य रूप से पीरे तरीकत हजरत अल्लामा सैय्यद, कौशर रब्बानी जबलपुर (एमपी), पीरे तरीकत हज़रत अल्लामा मौलाना सय्यद कामरान हसीब (हैदराबाद), हजरत मौलाना अलहाज मोहम्मद सखावत हुसैन (पिपचो), शायर अलहाज जफर अकील (हजारीबाग), शायर इस्लाम अख्तर काशिफ (गिरिडीह), सैय्यद सरफराज आलम मौजूद रहेंगे. जलसा का संचालन कारी इजराइल कमर व हाफिज व कारी इकबाल रजा दानिश करेंगे. वहीं 4 फरवरी रविवार को रईस मियां (दिल्ली) और सैम अली नियाजी बदायूं (उत्तर प्रदेश) के बीच सूफियाना कव्वाली का आयोजन किया जाएगा.

रामगढ़ में कांग्रेस में दिख रहा अंतर्कलह!

दुर्वेज आलम। रामगढ़

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी और राहुल गांधी के आगमन पर उनके स्वागत को लेकर कांग्रेसी अलग-अलग ताल ठोक रहे हैं. इसे लेकर कांग्रेसी नेताओं में दो फाड़ देखने को मिल रहा है. इनकी अंतर्कलह उस समय सतह पर आ गई, जब एक ही कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए 24 घंटे के अंदर अलग-अलग कांग्रेसी नेताओं की ओर से प्रेस कान्फ्रेंस की गई.

प्रदेश के पार्टी पदाधिकारी से लेकर जिले के कांग्रेसी नेताओं के बीच अपनी लोकप्रियता दर्शाने के लिए अपनी-अपनी प्रेस कांफ्रेंस की गई है. एक दिन पूर्व ही बुधवार को कांग्रेस के प्रदेश सचिव सह प्रदेश प्रवक्ता शांतनु मिश्रा, प्रदेश महासचिव बलजीत बेदी ने राहुल गांधी के आगमन को लेकर अपनी तैयारी पूरी होने की ताल ठोक दी थी. वहीं, दूसरे दिन गुरुवार को पूर्व विधायक ममता देवी सहित प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने

दो दिनों के अंदर अलग-अलग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते प्रदेश कांग्रेस के नेता.

भी पत्रकारों को यह जानकारी दी कि राहुल गांधी के आगमन पर जिले में तैयारी जोर-जोर से चल रही है. दोनों तरफ से कार्यकर्ताओं के बीच होड़ बन गई है कि आखिर किस पाले में जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं.

दोनों ओर से जिले में पोस्टर-बैनर लगाने की होड़ चौक-चौराहे से लेकर गली मोहल्ला तक दिखने लगी है. बता दें कि जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत राहुल गांधी का 4 व 5 तारीख को कार्यक्रम है. एक ओर जहां कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह दिख रहा है, तो दूसरी ओर अंतर्कलह भी सामने आ रहा है. चौक चौराहों पर कार्यकर्ता आपस में चर्चा भी कर रहे हैं कि किस तरफ जाकर अपनी राजनीति को चमकाना है. एक ही कार्यक्रम की रूपरेखा बतलाने के लिए प्रदेश के दो नेताओं की प्रेस वार्ता की चर्चा शहर में खूब हो रही है.

मची होड़

- राहुल गांधी की न्याय यात्रा की तैयारी को लेकर दो फाड़
- दो दिनों में कांग्रेस नेताओं की अलग-अलग प्रेस कॉन्फ्रेंस

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ वाम दलों का विरोध मार्च, भाजपा व केंद्र पर साधा निशाना

संघीय व्यवस्था और लोकतंत्र पर सीधा हमला : राजेंद्र मेहता

संवाददाता। झुमरी तिलैया

झारखंड के चुने हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ माले और सीपीएम ने प्रतिवाद मार्च निकाल कर झंडा चौक पर विरोध सभा की. मार्च का नेतृत्व माले के जिला सचिव राजेन्द्र मेहता, इब्राहिम अंसारी, सीपीएम के राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान, रमेश प्रजापति और उदय द्विवेदी ने संयुक्त रूप से किया. इस दौरान केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई.

सभा की अध्यक्षता कर रहे माले जिला सचिव राजेंद्र मेहता ने कहा कि ईडी का दुरुपयोग कर हेमंत सोरेन

की गिरफ्तारी भाजपा द्वारा देश की संघीय व्यवस्था और लोकतंत्र पर सीधा हमला है. अब राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में गठबंधन के विधायक एकजुट हैं और झारखंड की जनता भाजपा की इस तानाशाही का माकूल जवाब देगी. साथ ही कहा कि हेमंत सोरेन द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद गठबंधन के नए नेता चंपई सोरेन द्वारा सरकार गठन के लिए राज्यपाल के समक्ष बहुमत का समर्थन पत्र पेश किए जाने के बाद राज्यपाल द्वारा त्वरित निर्णय नहीं लिए जाने से राज्य में राजनीतिक संकट उत्पन्न हो गया है, जो कि चिंता की बात है.

वाम नेताओं ने आशंका जताई कि सरकार के गठन पर राज्यपाल वस्तुतः भाजपा की राजनीति से प्रेरित होकर काम कर रहे हैं. इस कारण निर्णय लेने में जानबूझ कर विलंब किया जा रहा है. इस स्थिति में हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा और जनादेश के उल्लंघन का अलोकतांत्रिक खतरा पैदा हो रहा है. राज्यपाल से यथाशीघ्र निर्णय लेने और राज्य में तुरंत सरकार गठन कर जनादेश का सम्मान करने की मांग की गई.

कार्यक्रम में आप नेता दामोदर यादव, सीपीएम के महेन्द्र तुरी, कांग्रेस नेता गालीब हुसैन, माले के मुन्ना यादव, विनोद पांडेय, तुलसी राणा, संदीप कुमार, असगर अंसारी, अशोक यादव, प्रकाश पासवान, विजय कुमार रजक, रोहित दास, राजेंद्र साव, हकीम खान, नकुलदेव शर्मा, शंभु पासवान, अशरफ अली, मो मुशन सहित अन्य लोग शामिल थे.

प्रतिवाद मार्च

- ईडी के दुरुपयोग कर हेमंत की गिरफ्तारी का आरोप
- माले नेताओं ने राज्यपाल से की सरकार गठन करने की मांग

सत्ता हड़पने की रची साजिश : केवट

- भाजपा पर अघोषित आपातकाल थोपने का लगाया आरोप
- कहा- केंद्र की तानाशाही के खिलाफ लड़ती रहेगी भाकपा

संवददाता। बरकट्ठा

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ गुरुवार को भाकपा माले और झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने संयुक्त रूप से प्रखंड मुख्यालय गेट से बाजार तक प्रतिवाद मार्च निकाला. भाकपा माले ने केंद्रीय एजेंसियों की आड़ में झारखंड की सत्ता को हड़पने की साजिश का आरोप लगाया है. इस दौरान लोकतंत्र की हत्या बंद करो, अघोषित आपातकाल नहीं चलेगा, जनादेश का अपमान बंद करो... के नारे लगाए गए.

माले नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध किया. प्रतिवाद मार्च को संबोधित करते हुए माले राज्य स्थायी कमेटी

के सदस्य भुवनेश्वर केवट ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के गलत दबाव के सामने हेमंत सोरेन झुकने के बजाय जेल जाना पसंद कर करोड़ों झारखंडियों के सम्मान को बढ़ाया है. गैर भाजपा शासित प्रदेशों में केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर भाजपा द्वारा राज्य की सत्ता को हड़पने की साजिश की जा रही है. माले नेता ने यह भी कहा कि यह पूरी तरह से लोकतंत्र की हत्या है. भाकपा माले केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ लड़ती रहेगी.

वहीं, भाकपा माले के प्रखंड सचिव शेर मोहम्मद ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार की मशीन है. घोषित आपातकाल थोपने के खिलाफ अब झारखंड में आंदोलन तेज होगा. प्रतिवाद मार्च में बिशुन यादव, योगेश्वर साहू, किशन मोदी, चिंतामणि पासवान, महेश पासवान, मेल टुडू, सीताराम पासवान, राजू प्रसाद, हीरालाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

नहीं बदली टैक्स दर, कर विवाद खत्म, मिलेगा लाभ

शुभम संदेश नेटवर्क । नयी दिल्ली । ***वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण 2024 के दौरान टैक्सेशन से जुड़ा कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है. इसके बावजूद करीब एक करोड़ लोगों को टैक्स से जुड़ा लाभ मिलेगा क्योंकि वित्त मंत्री ने पुराने टैक्सेशन से जुड़े पुराने विवादों के समाधान की दिशा में एक बड़ा एलान किया है. वित्त मंत्री ने वर्षों से लंबित बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों को वापस लेने का फैसला किया है. वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा है कि उन्होंने परंपरा को निभाते हुए अंतरिम बजट 2024 के दौरान टैक्स दरों को अपरिवर्तित रखा है. आइए जानते हैं अंतरिम बजट 2024 के बाद टैक्सेशन से जुड़े कुछ अहम सवालों के जवाब...***

सवालः क्या सभी पुराने विवादित मामलों में करदाताओं को राहत मिलेगी?

जवाबः नहीं, वित्त मंत्री के ताजा एलान से कराधान से जुड़े सभी पुराने विवादित मामलों में करदाताओं को राहत नहीं मिलेगी. वित्त मंत्री के अनुसार वर्ष 1962 से जितने पुराने करों से जुड़े विवादित मामले चले आ रहे हैं उनमें वर्ष 2009-10 तक लंबित रहे प्रत्यक्ष कर मांगों से जुड़े 25000 रुपए तक के मामलों को वापस लिया जाएगा. 2010-11 से 2014-15 के बीच लंबित रहे प्रत्यक्ष कर मांगों से जुड़े 10 हजार रुपये तक के मामलों को वापस लेने का फैसला किया गया है.

सवालः वित्त मंत्री के फैसले से कितने करदाताओं को फायदा पहुंचेगा?

जवाबः वित्त मंत्री के अनुसार सरकार की ओर से पुराने विवादों को सुलझाने का कदम उठाने से कम से कम एक करोड़ करदाताओं को फायदा होगा. ईमानदार करदाताओं को लाभ मिलेगा. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के साथ-साथ इंपोर्ट ड्यूटी के लिए भी समान दरों को बरकरार रखा गया है. स्टार्टअप्स और सॉवरेन वेल्थ व पेंशन फंड्स में निवेश करने वालों को टैक्स सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी.

सवालः क्या वित्त मंत्री के एलान से टैक्स रिफंड की प्रक्रिया सरल होगी?

जवाबः हां, वित्त मंत्री की ओर से पुराने विवादों के समाधान के एलान से टैक्स रिफंड की प्रक्रिया में सुगमता आएगी. वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान जीवन की सुगमता और व्यापारिक सुगमता में सुधार करने की सरकार की परिकल्पना के तहत करदाताओं की सुविधा के लिए बड़ी घोषणा की है. उन्होंने कहा, बड़ी संख्या में कई छोटी-छोटी, गैर-सत्यापित, गैर-समायोजित या विवादित प्रत्यक्ष कर मांग बही खातों में लंबित हैं. इनमें से कई मांग तो वर्ष 1962 तक के भी पुराने समय से मौजूद हैं. मैं वित्तीय वर्ष 2009-10 तक की अवधि से संबंधित 25 हजार रुपए (25,000) तक तथा वित्तीय वर्ष 2010-11 से वर्ष 2014-15 से संबंधित दस हजार रुपये (10,000) तक की ऐसी बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों को वापस लेने का प्रस्ताव करती हूं. इससे लगभग एक करोड़ करदाताओं के लाभान्वित होने की अपेक्षा है.

सवालः क्या वित्त मंत्री के एलान से स्टार्टअप्स को भी फायदा पहुंचेगा?

जवाबः हां, वित्त मंत्री ने स्टार्टअप्स और पेंशन फंड्स में निवेश करने वालों को मिलने वाले कर लाभ की समयसीमा 31 मार्च 2024 से बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दी है. ऐसे में स्टार्टअप्स को इस बजट से एक साल का अतिरिक्त कर लाभ मिलेगा. इसके अलावे वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान कराधान के संबंध में किसी भी बदलाव से जुड़े प्रस्ताव का एलान नहीं किया है. वित्त मंत्री ने प्रत्यक्ष कर तथा आयात शुल्कों सहित अप्रत्यक्ष करों के संबंध में कर दरों को पहले के समान बरकरार रखा है. उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप और सावरेन संपदा या पेंशन फंड द्वारा किए गए निवेशों के लिए कुछ कर लाभ तथा कुछ आईएफएससी यूनिटों की कतिपय आय पर कर छूट की समय सीमा 31 मार्च 2024 को समाप्त हो रही है. कराधान में निरंतरता बनाए रखने के लिए मैं समय सीमा की इस तारीख को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है.

सवालः 10 वर्षों में कितना डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन कितना बढ़ा?

जवाबः वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में बताया कि पिछले 10 वर्षों में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है. इस दौरान टैक्स रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या में 2.4 गुना का इजाफा हुआ है.

सवालः क्या आयकर रिटर्न के बाद टैक्स रिफंड के समय में कमी आई है?

जवाबः हां, बीते दस वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने के बाद करदाताओं को टैक्स रिफंड मिलने में लगने वाले समय में कमी आई है. वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि टैक्स रिटर्न के बाद रिफंड के समय में कमी आई है. पहले इसमें औसतन 93 दिन का समय लगता था अब यह कम होकर 10 दिन रहा गया है.

सवालः स्टार्टअप्स और पेंशन कोषों पर आपका क्या कहना है?

जवाबः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को अंतरिम बजट में स्टार्टअप और पेंशन कोषों को कुछ कर लाभ का प्रस्ताव किया है. सरकार ने देश में स्टार्टअप इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं. सरकार द्वारा अबतक 1.17 लाख स्टार्टअप को मान्यता दी गई है. स्टार्टअप इंडिया के लिए 16 जनवरी, 2016 को एक कार्ययोजना पेश की गई थी. इसके तहत सरकार कर और गैर-राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करती है. वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत तथा टिकाऊ विकास पथ पर रखा गया है.

सवालः सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था के लिए क्या लक्ष्य रखा है?

जवाबः वित्त मंत्रालय ने अपनी नवीनतम मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन वर्षों में मौजूदा 3,700 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 5,000 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी. इसमें कहा गया कि भारत अगले छह से सात वर्षों में (2030 तक) 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रख सकता है.

सवालः वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में करदाताओं को क्या संदेश दिया?

जवाबः वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में करदाताओं को आश्वस्त किया कि उनके योगदान का देश के विकास और जनता के कल्याण के लिए विवेकपूर्ण उपयोग किया गया है. उन्होंने करदाताओं के सहयोग के लिए उनकी सराहना भी की. वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार ने कर दरों में कटौती की है और इन्हें विवेकपूर्ण बनाया है. नई कर योजना के तहत अब 7 लाख तक की आय वाले करदाताओं के लिए कोई कर देनदारी नहीं है. वित्तीय वर्ष 2013-14 में 2.2 लाख तक की आय वाले करदाताओं के लिए कोई कर देनदारी नहीं थी. वित्त मंत्री ने बताया कि खुदरा व्यापार के लिए प्रीजम्प्टिव कराधान की सीमा 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ की गई है. इसी प्रकार प्रीजम्प्टिव कराधान के पात्र व्यवसायियों के लिए यह सीमा 50 लाख से बढ़ाकर 75 लाख की गई. साथ ही कारपोरेट कर की दर मौजूदा स्वदेशी कंपनियों के लिए 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दी गई और कुछ नई विनिर्माण कंपनियों के लिए यह दर 15 प्रतिशत की गई है.

सवालः टैक्सपेयर्स को मिलने वाली सुविधाओं पर क्या बोलीं सीतारमण?

जवाबः वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि पिछले पांच वर्षों में करदाता सेवाओं में सुधार करने पर हमारा विशेष जोर रहा है. पहचान रहित निर्धारण और अपील की शुरुआत कर, क्षेत्राधिकार आधारित निर्धारण प्रणाली को बदल दिया गया जिससे कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। अद्यतन की हुई आयकर विवरणियां, नया फार्म 26एएस और पहले से भरी हुई कर विवरणियां शुरू किए जाने से कर विवरणियां दाखिल करने की प्रक्रिया अधिक सरल और आसान हो गई है.

बजट भाषण को ध्यान से सुनते पीएम व अन्य.

बजट : झलकियां

अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में अपना लगातार छठा बजट पेश किया
- 56 मिनट में अपना बजट भाषण समाप्त किया जो उनका अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण है
- फिरोजी रंग की कढ़ाई वाली कांथा सिल्क की साड़ी पहनकर संसद पहुंचीं सीतारमण
- बजट भाषण के दौरान लोकसभा में सत्ता पक्ष के सदस्य उनकी घोषणाओं और टिप्पणियों पर बीच-बीच में मेजें थपथपाते देखे गए
- पीएम लोकसभा कक्ष में पहुंचे तो भाजप) के सदस्यों ने 'भारत माता की जय', 'जय श्रीराम' और 'जय सियाराम' के नारे लगाए
- भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री के रूप में 2019 में सीतारमण का बजट भाषण दो घंटे 17 मिनट तक चला था
- साल 2021 में उन्होंने एक घंटा 50 मिनट तक बजट भाषण दिया
- 2022 में उनका यह भाषण 92 मिनट का और 2023 में 87 मिनट का रहा
- बजट में वित्त मंत्री ने कम से कम आठ बार प्रधानमंत्री मोदी का उल्लेख किया और उनके भाषणों के अंश पढ़े
- बजट प्रस्तुत करने से पहले सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्रियों-पंकज चौधरी और भागवत कराड तथा वित्त मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

राष्ट्रपति ने सीतारमण को चम्मच से दही-शक्कर खिलाई और केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने के लिए शुभकामनाएं दीं

बजट : प्रतिक्रिया

अंतरिम बजट केवल चुनावी ढकोसला है : राकेश टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि आज नई संसद में पुराने ढर्रे पर पेश अंतरिम बजट केवल चुनावी ढकोसला है. यह देश के किसानों,गरीबों युवा,आदिवासी,महिलाओं के साथ धोखा है भारतीय किसान यूनियन इस बजट को सिरे से नकारती है.

बजट आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को रेखांकित करता है: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री की ओर से पेश किया अंतरिम बजट 'आत्मविश्वास से लबरेज, मजबूत व आत्मनिर्भर विकसित भारत' की दृष्टि को रेखांकित करता है. उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2027 तक बढ़ कर 5,000 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा. बजट में 'समाज के हर वर्ग' के लिए कुछ न कुछ है.

आधारभूत क्षेत्र को सबसे अधिक प्राथमिकता मिली : गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बजट के प्रावधानों से आधारभूत क्षेत्र को प्राथमिकता मिली. बजट किसानों, महिलाओं, युवा व वंचितों को सशक्त बनाने को गति देगा.

अंतरिम बजट पीएम के वायदों के अनुरूप : सर्बानंद सोनोवाल

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वायदों के अनुरूप बताया. मोदी जी ने 10 साल पहले लोगों को जो गारंटी दी थी, उसे आज पूरा कर दिया है.

हर वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखा गया है : एसपी सिंह बघेल

स्वास्थ्य राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने समाज के हर वर्ग की जरूरतों को पूरा करते हुए बजट की समावेशी प्रकृति पर प्रकाश डाला. बजट में समाज के हर वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखा गया है. यह हाशिए पर पड़े लोगों पर ध्यान केंद्रित करके भारत के विकास की नींव रखता है.

बुनियादी ढांचे, सामाजिक क्षेत्र, कृषि व नीले महासागर का बजट : रीजीजू

पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू ने भारत को 2047 तक 5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और विकसित राष्ट्र बनाने में अंतरिम बजट की भूमिका पर जोर दिया. कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे, सामाजिक क्षेत्र, कृषि और नीले महासागर की अर्थव्यवस्था सहित हर क्षेत्र पर ध्यान स्पष्ट है.

लोक कल्याणकारी है बजट : आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज लोकसभा में पेश अंतरिम बजट में 'विकसित भारत'का विजन, अंत्योदय का संकल्प और 'नए भारत'को दुनिया का ग्रोथ इंजन बनाने का 'रोड मैप' है.

अंतरिम बजट एक ऐतिहासिक बजट है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस बजट को ऐतिहासिक बताया है. उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक बजट है...भारत अब आगे बढ़ चुका है. 'यही समय है, सही समय है'.

यह बजट 'विकसित भारत' के लिए महत्वपूर्ण : धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस अंतरिम बजट को लेकर कहा कि यह बजट 'विकसित भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा. इस बजट की सबसे बड़ी घोषणा 'जय अनुसंधान' योजना है.

ये अंतरिम नहीं भाजपा का 'विदाई बजट' है : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कोई भी बजट अगर विकास के लिए नहीं है. भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकार्ड बनाया है. जो फिर कभी नहीं टूटेगा. ये भाजपा का 'विदाई बजट' है.

बजट महज एक प्रशासनिक कवायद : कार्ति चिदंबरम

कांग्रेस से सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि यह महज एक प्रशासनिक कवायद वाला बजट है. इस बजट में आत्म-बधाई, आत्म-प्रशंसा वाक्यांशों को बनाने के अलावा, वहां कुछ भी नहीं है.

पूर्ण बजट जुलाई में आएगा, उम्मीद है मिलेगा लाभ : फारूक अब्दुल्ला

अंतरिम बजट को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पूर्ण बजट जुलाई में आएगा. हमें उम्मीद है कि लोगों को फायदा होगा, पर्यटन बढ़ेगा, उद्योग भी बढ़ेंगे.

अंतरिम बजट में बहुत कुछ सामने नहीं आया : शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह बजट भाषण रिकॉर्ड किए गए आज तक के सबसे छोटे बजट भाषणों में से एक था. इसमें से बहुत कुछ सामने नहीं आया.

मध्यम वर्ग के लिए आवास योजना से लेकर मुफ्त बिजली तक

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने मोदी सरकार 2.0 के अंतिम वर्ष में अंतरिम बजट पेश किया. वित्त मंत्री ने विशेष तौर पर बजट भाषण में मध्यम वर्ग के लिए कुछ योजनाओं का एलान किया है. इनमें सीतारमण मध्यम वर्ग के लिए अलग से आवास योजना शुरू करने की बात कही. मिडिल क्लास को ध्यान में रखते हुए उन्होंने रूफटॉप सोलर एनर्जी को लेकर बड़ा एलान किया.

1. **मध्यमवर्ग के लिए आवास** : वित्त मंत्री सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि मध्यमवर्ग के लिए सरकार नई योजना बनाएगी. उन्होंने हमारी सरकार किराए के मकानों या झुग्गी-झोपड़ी या चाल और अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले मध्यम वर्ग के पात्र लोगों को अपने स्वयं के मकान खरीदने या बनाने में सहायता करने के लिए योजना शुरू करेगी.
2. **छत पर सौर प्रणाली लगाना (रूफटॉप सोलराइजेशन) और मुफ्त बिजली** : सीतारमण ने मध्यम परिवारों के लिए एक और बड़ी स्कीम के जरिए मदद का एलान किया. उन्होंने एक करोड़ परिवारों को रूफटॉप सोलर एनर्जी योजना के कवरेज में लाने की बात कही. सीतारमण के एलान के मुताबिक, छत पर सौर प्रणाली लगाने से एक करोड़ परिवार प्रत्येक महीने 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे. यह योजना अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन प्रधान मंत्री के संकल्प के अनुसरण में लाई गई है. इससे अपेक्षित लाभ **इस प्रकार हैं**...

- निःशुल्क सौर बिजली और अधिशेष बिजली वितरण कंपनियों को बेचने से परिवारों को हर वर्ष 15 हजार से 18 हजार रुपए की बचत.
- इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग.
- आपूर्ति और इन्स्टालेशन के लिए बड़ी संख्या में वेंडरों को उद्यमशीलता का अवसर.
- विनिर्माण, इन्स्टॉलेशन और रखरखाव में तकनीकी कौशल रखने वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर.

तीन नए रेल कॉरिडोर, 40 हजार पुराने डिब्बों को वंदे भारत की तरह बदला जाएगा

बजट में रेलवे

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में दूसरे क्षेत्रों की तरह रेलवे क्षेत्र के लिए भी एलान हुए हैं. वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार का फोकस वंदे भारत ट्रेनों पर रहा. अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे. इनमें पहला ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा, दूसरा पत्तन संपर्कता गलियारा और तीसरा अधिक यातायात वाला गलियारा है. बहुविध मॉडलों वाली संपर्कता को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत इन परियोजनाओं की पहचान की गई है. इनसे रसद व्यवस्था संबंधी कार्यकुशलता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी. अधिक यातायात वाले गलियारों में भीड़ कम होने से यात्री ट्रेनों के परिचालन में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी और यात्री सुरक्षा एवं यात्रा की रफ्तार बढ़ेगी. समर्पित मालभाड़ा गलियारों के साथ-साथ इन तीन आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों से हमारी जीडीपी की विकास दर बढ़ेगी तथा रसद व्यवस्था संबंधी लागत में भी कमी आएगी. एक अहम एलान में वित्त मंत्री ने कहा कि 40 हजार सामान्य बोगियों को वंदे भारत के पैमानों के अनुरूप विकसित किया जाएगा.

सरकार की उपलब्धियों से लेकर विकसित भारत के रोडमैप तक

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में अंतरिम बजट पेश किया. इस दौरान बजट भाषण के दौरान उन्होंने बीते 10 वर्षों की सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और विकसित भारत के लिए सरकार का रोडमैप भी बताया.

- **80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया गया** : सीतारमण ने कहा कि पिछले 10 साल में हमने सबके लिए आवास, हर घर जल, सबके लिए बैंक खाते जैसे कामों को रिकॉर्ड समय में पूरा किया. 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया. अन्नदाताओं की उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया. पारदर्शिता के साथ संसाधनों का वितरण किया गया है. प्रधानमंत्री के मुताबिक गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता, ये ही चार जातियां हैं, जिन पर हमारा फोकस है.
- **25 करोड़ लोगों को विविध तरह की गरीबी से बाहर निकाला** : उन्होंने कहा कि गरीब का कल्याण, देश का कल्याण, हम इस मंत्र के साथ काम कर रहे हैं. सबका साथ के उद्देश्य के साथ हमने 25 करोड़ लोगों को विविध तरह की गरीबी से बाहर निकाला है. भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं.
- **बड़ी योजनाओं की प्रभावी तरीके से और ससमय पूरा किया जा रहा** : वित्त मंत्री ने कहा कि लोग अच्छे से रह रहे हैं और अच्छी आमदनी कर रहे हैं. बड़ी योजनाओं की प्रभावी तरीके से और ससमय पूरा किया जा रहा है. जीएसटी ने एक देश, एक मार्केट और एक टैक्स की धारणा को मजबूत किया है. गिफ्टी आईएफएससी ने वैश्विक वित्तीय निवेश का रास्ता खोला है.
- **अमृतकाल** : अमृतकाल के लिए सरकार ऐसी आर्थिक नीतियों को अपनाएं जो टिकाऊ विकास, सभी के लिए अवसरों, क्षमता विकास पर केंद्रित रहेंगी. रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के साथ हम सुधारों का अगला चरण शुरू करेंगे. समय पर आर्थिक मदद, प्रासंगिक प्रौद्योगिकी, एमएसएमई को सशक्त बनाने जैसे पहुलओं पर नई नीतियों के जरिए काम होगा. हम ऊर्जा सुरक्षा पर भी काम करेंगे.
- **तकनीक** : नई तकनीकों से कारोबार को मदद मिल रही है. लालबहादुर शास्त्री ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया था. अटलजी ने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा दिया था. प्रधानमंत्री मोदी ने इसे और विस्तार देते हुए जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का नारा दिया है. एक लाख करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त या कम ब्याज दर पर कोष वितरित किया जाएगा.
- **विमानन** : अब देश में 149 विमानतल हैं. टियर-2 और टियर-3 शहरों को ' 'उड़ान' के तहत विस्तार दिया जा रहा है. देश की विमानन कंपनियां एक हजार नए विमान खरीद रही हैं.

कुछ ज्वलंत सवाल

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार की परिघटना ने यह सवाल महत्वपूर्ण बना दिया है कि भ्रष्टाचार को खत्म करना इरादा है या विपक्ष मुक्त भारत बनाना. गैर-भाजपा दलों के नेताओं के खिलाफ केंद्र की जांच एजेंसियां जिस तरह की सक्रियता दिखा रही हैं. उससे यह धारणा बलवती हुई है कि भ्रष्टाचार के आरोपों को एकतरफा तरीके से देखा जा रहा है. गैर-भाजपा दल लंबे समय से केंद्र पर आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र विपक्ष को खत्म करने के इरादे से एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहा है. झारखंड एक ऐसे मुहाने पर है, जहां संविधान की परीक्षा होनी है. इस परीक्षा में राजभवन की भूमिका भी शामिल है. इस बीच ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट ने केंद्र के इस दावे को संदेह के दायरे में ला दिया है, जिसमें भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात कही जाती है. इस रिपोर्ट के अनुसार भ्रष्टाचार अवधारणा के सूचकांक पर भारत एक साल में आठ अंक गिर गया, लेकिन यह खबर मीडिया की सुर्खियों में उस तरह से नहीं आई है, जैसा दस साल पहले होता था. तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का नैरेटिव बनाने में अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल (टीआई) की रिपोर्टों ने बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन अब जबकि अंतरराष्ट्रीय सूचकांक में गिर कर भारत फिर लगभग दस साल पहले जितने ही स्थान पर पहुंच गया है, तब इसको लेकर शायद ही कोई शोरगुल है.

> गौरतलब है कि 2012 में भारत ट्रांसपरेंसी इंटरनेशल सूचकांक में 94वें नंबर पर था. ताजा जारी 2023 के सूचकांक में वह 93वें स्थान पर है. यानी भारत को आज लगभग उतना ही भ्रष्ट देश समझा जा रहा है, जितना 12 साल पहले समझा गया था.

गौरतलब है कि 2012 में भारत ट्रांसपरेंसी इंटरनेशल सूचकांक में 94वें नंबर पर था. ताजा जारी 2023 के सूचकांक में वह 93वें स्थान पर है. यानी भारत को आज लगभग उतना ही भ्रष्ट देश समझा जा रहा है, जितना 12 साल पहले समझा गया था. अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक निजीकरण होने के साथ निजी क्षेत्र में होने वाला भ्रष्टाचार सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाला बड़ा पहलू बनता चला गया है. राजनीतिक कथानक तैयार करने के माध्यमों पर सत्ता पक्ष का कसता गया शिकंजा इस गंभीर सवाल को लोगों के बीच सही तरीके से पहुंचने नहीं दे रहा है. साथ ही सिविल सोसायटी के संगठन या तो अपने राजनीतिक रुझानों की वजह से चुप हो गए हैं या फिर वे इतने भयभीत हैं कि वे उन्हीं मुद्दों पर अब नहीं बोलते, जिनको लेकर एक समय वे अतिशय वाचाल होते थे. जबकि इस दौरान देश में पारदर्शिता और धुंधली हुई है. इसके बावजूद इस पर समाज आंदोलित नहीं है तो यह भारतीय समाज पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है. ऐसे माहौल में झारखंड में इडी की भूमिका के बाद इस सवाल का उठना लाजिम है कि विपक्ष की आने वाले दिनों में क्या भूमिका रहेगी. क्या विपक्ष के तमाम दलों को भ्रष्ट बता कर लोकतंत्र बचाया जाएगा. झारखंड में अब गठबंधन की चुनौती यह है कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद वह अपनी एकता को मजबूत बनाए रखती है या नहीं. इसके साथ ही आने वाले चुनाव में भी झामुमो किस नयी रणनीति के साथ मैदान में उतरना होगा.

सुभाषित

सुखार्थिनः कुतोविद्या नास्ति विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ।।

सुख चाहने वाले को विद्या नहीं मिल सकती है. इसी प्रकार एक विद्यार्थी को सुख नहीं मिल सकता. इसलिए कि सुख चाहने वालों को विद्या का और विद्या चाहने वालो को सुख का त्याग कर देना चाहिए, क्योंकि विद्या और सुख की प्राप्ति एक साथ नहीं हो सकती.

राजनीतिक पतन की नयी परिभाषा

भारतीय राजनीति का यह पतन काल है और नीतीश अगर उसके सिरमौरों में से एक हैं तो दूसरे भी उनसे बहुत ज्यादा दूर नहीं हैं. संघ पोषित बीजेपी और उसकी राजनीति को इस पूरी कसौटी में कहां रखा जाएगा? अलग चाल, चरित्र और चेहरा के नारे के साथ आयी बीजेपी ने पिछले 30 सालों में अवसरवादिता के नये-नये खंभे गाड़े हैं. पिछले दस सालों में उसने 70 सालों के बीच स्थापित लोकतांत्रिक मान्यताओं और मूल्यों को रौंदते हुए उन कारस्तानियों को अंजाम दिया है, जिनकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलेगी.

• देश-काल

महेंद्र मिश्र

सिद्धांत, मूल्य, विचारधारा आदि सरीखे शब्द सब बेमानी जैसे हो गए हैं. नीतीश का पल्टीमार ही मौजूदा राजनीति का सच है. राजनीति के इस नाबदान में नीतीश के साथ बीजेपी भी उतनी ही नख से शिख तक डूबी है. और इस तरह से दोनों ने मिलकर पतन का नया पैमाना तैयार कर दिया है. क्या अजीब विडंबना है दो दिन पहले ही मोदी सरकार ने बिहार की राजनीति के शिखर पुरुष रहे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया था. लेकिन उसके तीन दिन बाद ही उसकी पार्टी बीजेपी ने नीतीश के साथ मिलकर उनकी पूरी विरासत पर पानी फेर दिया. भारतीय राजनीति का यह पतन काल है और नीतीश अगर उसके सिरमौरों में से एक हैं तो दूसरे भी उनसे बहुत ज्यादा दूर नहीं हैं. संघ पोषित बीजेपी और उसकी राजनीति को इस पूरी कसौटी में कहां रखा जाएगा? अलग चाल, चरित्र और चेहरा के नारे के साथ आयी बीजेपी ने पिछले 30 सालों में अवसरवादिता के नये-नये खंभे गाड़े हैं. पिछले दस सालों में उसने 70 सालों के बीच स्थापित लोकतांत्रिक मान्यताओं और मूल्यों को रौंदते हुए उन कारस्तानियों को अंजाम दिया है, जिनकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलेगी. कॉरपोरेट की थैलियों में मुंह डालकर खुली मंडियों में विधायकों की ख़रीद-फ़रोख्त के साथ राज्यों की विपक्षी सरकारों को अपदस्थ करने का जो सिलसिला शुरू हुआ तो पूरा देश एक के बाद दूसरी घटना देखकर अवाक रह गया. लेकिन बीजेपी समर्थक मीडिया और उसके कार्यकर्ता कभी उसे 'मास्टर स्ट्रोक' तो कभी 'चाणक्य नीति' करार देकर प्रोत्साहित करते रहे. बीजेपी और संघ की सेहत पर तो इसका कोई असर नहीं पड़ रहा था, बल्कि दूसरे तरीके से कहें तो लोकतंत्र को जड़ से उखाड़ फेंकने की मंशा के साथ आयी इन ताकतों के लिए यह किसी सोने पर सुहागा से कम नहीं था. क्योंकि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के उनके लक्ष्य में यह बेहद मददगार साबित हो रहा था. फिर चिंता तो उस हिस्से को करना चाहिए था, जिसके पेट की आग और सांस की डोर लोकतंत्र के अस्तित्व से जुड़ी थी. क्या बगैर लोकतंत्र के इस देश के भीतर किसी गरीब-गुरबे या फिर हाशिये पर बैठे शख्स की कोई बात हो सकती है? सामंती और ब्राह्मणवादी उत्पीड़न से किसी दलित या फिर सामाजिक तौर पर समाज के वंचित हिस्से को बचाया जा सकता है? और यह सिलसिला अगर आगे बढ़ा तो हिंदू राष्ट्र की बज रही दुंदुभि के बीच अल्पसंख्यकों के पूरे वजूद का क्या होगा? इस बात में कोई शक नहीं कि पूरा नॉर्थ- ईस्ट मणिपुर बनने के लिए अभिशप्त हो जाएगा और सुकून की सांस ले रहे दक्षिण को उत्तर की गोबर पट्टी में तब्दील होने में कोई समय नहीं लगेगा.

पिछले 100 सालों के इतिहास में जितनी इज्जत गांधी, भगत सिंह और आजादी के बाद जेपी को मिली है, उतनी शायद ही किसी और को नसीब हुई हो. इस मामले में नेहरू अपवाद हैं, जिन्होंने भारतीय राष्ट्र-राज्य के निर्माण की नींव रखी और एक ऐसा आधुनिक भारत का रास्ता तैयार किया, जिस पर चलते हुए हम यहां तक पहुंचे हैं. अब यह बात अलग है कि एक ऐसी विध्वंसकारी ताकत सत्ता में आ गयी है, जो किसी भी कीमत पर उसे मिटाने के लिए आतुर है और विपक्ष और सत्ता के बीच संघर्ष भी इसी बात को लेकर है कि अब देश में आधुनिक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक भारत का वजूद रहेगा या फिर उसकी कब्र पर कोई फासीवादी हिंदू अधिनायकवादी राष्ट्र खड़ा होगा. लेकिन नीतीश को एक बात समझनी होगी कि हमेशा सोची हुई गणित सफल नहीं होती है. शायद वह एनडीए के रास्ते देश की सर्वोच्च कुर्सी तक पहुंचने का कोई ख्वाब देख रहे हों, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नीतीश ने जो नैतिक ताकत खोई है उसकी कोई भरपाई नहीं है. किसी और की बात छोड़ दें खुद उनके कार्यकर्ताओं के लिए समाज में उनको डिफेंड कर पाना मुश्किल हो जाएगा. सामान्य इंसान की भी अपनी एक नैतिकता होती है. उसका अपना मूल्यबोध होता है. वह रिश्तों में भी सिद्धांतों की अपनी कसौटियां बनाता है और तमाम परेशानियों को झेलते हुए भी उस पर चलने की कोशिश करता है. ऐसे में अगर उसके सामने एक ऐसे नेता के बारे में विचार करने के लिए आएगा, जो किसी उच्च राजनैतिक मूल्यबोध की बात तो दूर उसकी न्यूनतम शर्तों का भी पालन करने के लिए तैयार नहीं है तो क्या वह उसके पक्ष में खड़ा हो पाएगा? उसके लिए वोट करेगा? उसका झंडा उठाएगा? कहां तो नीतीश को आम जनता को रास्ता दिखाना था. कहां एक ऐसी स्थिति आ गयी है, जिसमें जनता उनसे ऊपर बैठ गयी है. इसलिए अभी भले ही तत्काल उन्हें अपनी बाजी जीती हुई लग रही हो, लेकिन समय बीतने के साथ यह बिल्कुल पलट सकती है और तब उनके पास चारों खाने चित होने के सिवा कुछ नहीं बचेगा. इस पूरे प्रकरण में एक जो बात सबसे महत्वपूर्ण और दिलचस्प है, वह उप मुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव का रुख और व्यवहार रहा. उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया और कहा जिससे उनके दामन पर कोई अंगुली उठा सके. पूरे धैर्य के साथ उन्होंने परिस्थितियों का सामना किया और इस तरह से उनका नैतिक बल इस पूरे प्रकरण में बहुत ऊपर हो गया है. सूबे में अगर नीतीश ढहती ताकत के तौर पर देखे जा रहे हैं तो तेजस्वी उसके संभावनामय चेहरे बन गए हैं. बहरहाल इस पूरे प्रकरण का लिटमस टेस्ट सूबे में घुसने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिलने वाले समर्थन से हो जाएगा जो कल से ही अररिया में प्रवेश करने जा रही है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

उपभोग संयम

मांसाहार जहां तैयार होता है, वे बुचड़खाने व बाज़ार रोगाणुओं के घर होते है. स्पष्ट है कि ये रोगाणु भी जीव ही होते हैं. यानी ताज़ा मांस के टुकडे पर ही लाखों मक्खी के अंडे, लाखों सूक्ष्म जीव और लाखों रोगाणु होते है. इतना ही नहीं पकने के बाद भी मांस में जीवोत्पत्ति निरंतर जारी रहती है. इसलिए, एक जीव का मांस होने के उपरांत भी, संख्या के आधार पर एक मांस का लोथड़ा, उस पर निर्भर अनंत जीवहिंसा का कारण बनता है. जीवन जीने की हर प्राणी में अदम्य इच्छा होती है, यहां तक कि कीट व जंतु भी कीटनाशक दवाओं के खिलाफ़ प्रतिकार शक्ति उत्पन्न कर लेते हैं. सूक्ष्म जीवाणु-रोगाणु भी कुछ समय बाद रोगप्रतिरोधक दवाओं के विरुद्ध जीवन बचाने के तरीके खोज लेते हैं. यह उनके जीने की अदम्य जिजीविषा का परिणाम होता है, सभी जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता. फिर प्राण बचाने को संघर्षरत पशुओं को मात्र स्वाद के खातिर मार खाना तो क्रूरता की पराकाष्ठा है. येन केन पेट भरना ही मानव का लक्ष्य नहीं है. यह तो पशुओं का लक्षण है. प्रकृति प्रदत्त बुद्धि से ही हमने सभ्यता साधी. यही बुद्धि हमें विवेकशीलता प्रदान करती है कि हमारे विचार और व्यवहार सौम्य व पवित्र बने रहें. हिंसाजन्य आहार लेने से, हिंसा के प्रति सम्वेदनाएं समाप्तप्राय हो जाती हैं. किसी दूसरे जीव के प्रति दया करुणा के भाव नष्ट हो जाते हैं. इस तरह अनावश्यक हिंसा-भाव मन में रूढ़ हो जाता है, जो अनजाने ही हमारे आचरण में क्रूरता समाहित कर देता है. ऐसी मनोवृति में, जरा सी प्रतिकूलता उपस्थित होनें पर, आवेश आना सामान्य है. ऐसी ही मनोदशा में हिंसक कृत्य होना भी सम्भव है. आहार इसी तरह पहले हमारे विचारों को और फिर हमारे आचरण को प्रभावित करता है. निष्कर्ष यही है कि हमारी सम्वेदनाओं और अनुकंपा भाव की रक्षा के लिए, हमारे विचार और वर्तन को विशुद्ध रखनें के लिए, शाकाहार ही हमारी पसंद होना चाहिए. और जहां तक और जब तक, हमें सात्विक संतुलित पौष्ठिक शाकाहार, प्रचुरता से उपलब्ध हो, वहां तो हमें जीवों को करुणा दान, अभयदान दे ही देना चाहिए. यही मानवता के लिए श्रेयस्कर है.

अंतरिम बजट संतुलित एवं दूरदर्शी

• बजट

पूजा शुक्ला

वर्ष 2024 में चुनाव पूर्व पेश किया गया अंतरिम बजट संतुलित एवं दूरदर्शी बजट है. वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में हर वर्ग और हर व्यक्ति के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया है. बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास पर अत्यंत जोर देते हुए ज्ञान मॉडल को तरज़ीह दिया गया है. बजट में 'गरीब का कल्याण देश का कल्याण' मंत्र को ध्यान में रखते हुए फेरी वालों, कमजोर आदिवासी समूहों एवं शिल्पकारों के लिए आर्थिक सहायता का प्रावधान किया गया है. अन्नदाता के कल्याण के लिए 11.8 करोड़ किसानों की वित्तीय सहायता, फसल बीमा एवं इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केटिंग पटल द्वारा अन्नदाताओं के विकास के प्रावधानों को सम्यक शक्ति प्रदान करने की बात की गई है. आधी आबादी को मुद्रा योजना, उच्च शिक्षा, स्टेम पाठ्यक्रमों में नामांकन एवं पीएम आवास द्वारा घर मुहैय्या करा कर उनके विकास को गति देने के संकल्प को दुहराया गया है. रूफ टॉप सोलराइजेशन और निःशुल्क बिजली से जनसामान्य को आर्थिक रूप से सबल करने का प्रावधान भी बजट में किया गया है. छत पर सौर प्रणाली लगा कर 300 यूनिट मुफ्त बिजली के इस्तेमाल से हर परिवार 15000 से 18000 रुपये की बचत कर पाएगा. इस वर्ष के बजट में नवाचार पर विशेष जोर देते हुए 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण के साथ एक लाख करोड़ रुपये का कोष स्थापित कर दीर्घकालीन वित्त पोषण एवं पूर्ण वित्तपोषण कम या शून्य ब्याज दरों पर उपलब्ध कराने की बात कही गई है. रक्षा के क्षेत्र में डीप टेक टेक्नोलॉजी को मजबूती दे कर आत्मनिर्भरता में तेज़ी लाने का प्रावधान भी किया गया है. वित्त मंत्री ने 40000 सामान्य रेल डिब्बों को वंदे भारत मानकों के अनुरूप बदल कर जनसामान्य की यात्रा को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने की बात की है. हरित ऊर्जा के क्षेत्र में वर्ष 2030 तक 100 मीट्रिक टन की कोयला गैसीकरण और तरलीकरण क्षमता स्थापित करने एवं परिवहन के लिए कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और घरेलू प्रयोजनों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) में कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के चरणबद्ध अधिदेशात्मक मिश्रण को अनिवार्य किया गया है. राज्यों को प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों का संपूर्ण विकास शुरू करने, उनकी वैश्विक पैमाने पर ब्रांडिंग और मार्केटिंग एवं पर्यटन केन्द्रों को वहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता के आधार पर रेटिंग देने के लिए एक फ्रेमवर्क बना कर पर्यटन को देश के विकास का एक मजबूत स्तम्भ बनाने का प्रावधान बजट में किया गया है. चुनावी वर्ष होने के बावजूद प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. वित्तमंत्री ने देश में कर

> इस वर्ष के बजट में नवाचार पर विशेष जोर देते हुए 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण के साथ एक लाख करोड़ रुपये का कोष स्थापित कर दीर्घकालीन वित्त पोषण एवं पूर्ण वित्तपोषण कम या शून्य ब्याज दरों पर उपलब्ध कराने की बात कही गई है. रक्षा के क्षेत्र में डीप टेक टेक्नोलॉजी को मजबूती दे कर आत्मनिर्भरता में तेज़ी लाने का प्रावधान भी किया गया है.

व्यवस्था में आये सुधारों का हवाला देते हुए विगत दस वर्षों में प्रत्यक्ष करों की वसूली में 3 गुणा एवं रिटर्न दाखिल करने वालों में 2.4 गुणा इजाफे की बात कही. वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2009-10 तक की अवधि से सम्बंधित 25 हजार रुपये तक की बकाया प्रत्यक्ष कर मांग एवं वित्त वर्ष 2010-11 से 2014-15 तक की 10 हजार रुपये तक की बकाया प्रत्यक्ष कर मांग को वापस ले कर एक करोड़ करदाताओं को लाभान्वित किया है. निवेश को गति प्रदान करने हेतु सावरेन वेल्थ फंड अथवा पेंशन फंड द्वारा किए गए निवेश, स्टार्टअप के लिए कर लाभ 31.03.2025 तक बढ़ाने का प्रवधान किया गया है .आईएफएससी इकाइयों की कुछ आय पर कर रियायत को एक साल बढ़ाकर 31.03.2024 से 31.03.2025 किया गया. अप्रत्यक्ष करों और आयात शुल्कों की वर्तमान दरों को बकरार रखते हुए वित्त मंत्री ने जीएसटी द्वारा देश में पूरी तरह बिखरी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एकीकृत करने की बात कही. वित्त मंत्री ने कर के क्षेत्र में रिफॉर्म द्वारा रिटर्न प्रोसेस करने की औसत समय-सीमा 2013-14 के 93 दिन से घटकर दस दिन हो जाने की भी बात कही उन्होंने बेहतर दक्षता के लिए चेहरा रहित आकलन और अपील एवं रिटर्न दाखिल करने के काम को सरल बनाने के लिए नया 26 एएस फार्म और पहले से भरे गये टैक्स रिटर्न विवरण के साथ इनकम टैक्स रिटर्न को अद्यतन कर व्यापक सुधार का हवाला दिया. उन्होंने यह भी कहा कि सीमा शुल्क सुधारों से आयातित माल छोड़ने के समय में आई कमी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो में यह 47 प्रतिशत घटकर 71 घंटे रह गया. एयर कार्गो परिसरों में यह 28 प्रतिशत घटकर 44 घंटे रह गया. समुद्री बंदरगाहों पर 27 प्रतिशत घटकर 85 घंटे रह गया, जिससे उद्योगों को बल मिला है. अंतरिम बजट सर्वांगीण विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए भारत को मज़बूती प्रदान करने वाला बजट है. इस बजट ने उन सभी कयासों पर पूर्ण विराम लगा दिया है, जिसके तहत इसके चुनावी वर्ष में इसे लोकलुभावन होने के संभावनाएं व्यक्त की जा रही थीं.

क्या कृत्रिम बुद्धि से सावधान होना जरूरी है?

• तकनीक

चैतन्य नागर

आइन्स्टाइन ने जब एटमबम से हुई तबाही को देखा तो उन्होंने कहा कि यदि मुझे पता होता कि मेरे गणितीय ज्ञान का इतना भयावह परिणाम होगा तो मैं आजीवन घड़ी बनाने में ही लगा रहता. डिजिटल युग के शुरू होने के समय लोग बहुत उत्साहित थे, पर बाद में जब इसके खतरे सामने आये, बच्चे इसके बुरी तरह शिकार होने लगे, व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक होने लगी और साइबर अपराध बढ़ने लगे, तब लोगों को इसका अहसास हुआ कि यह सिर्फ एक वरदान भर नहीं; इसके अपने अभिशाप भी हैं. अब 'डीपफेक' की नई समस्या सामने आई है और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसके खतरे से लोगों को आगाह किया है. 'डीपफेक' किसी को भी एक अन्य इंसान के रूप में बोलते, चलते और काम करते दिखा सकता है. हाल में वायरल हुए वीडियो में अभिनेत्री रश्मिका मंधाना, प्रधानमंत्री और विराट कोहली को ऐसे प्रस्तुत किया गया है, जैसा उन्होंने कभी नहीं किया. कल्पना कीजिये कि 'डीपफेक' की मदद से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को किसी बड़े युद्ध की घोषणा करते हुए दिखा दिया जाए! एआई' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) या बनावटी बुद्धि को लेकर लोगों ने सजग होना शुरू कर दिया है. यह ऐसी समस्या है, जो समाज के सभी वर्गों पर असर डाल सकती है. जिन बड़े उद्योगपतियों ने इस क्षेत्र में निवेश किया है, वे खुद भी इसके खतरे के प्रति सतर्क हैं, क्योंकि उन्हें अहसास है कि कहीं-न-कहीं, कभी इसका इस्तेमाल उनके खिलाफ भी किया जा सकता है. इनमें एलॉन मस्क भी शामिल हैं. इस बारे में 2014 में एक फिल्म आई थी जिसका नाम था– 'एक्स मशीन.' इसकी नायिका एवा जो बनावटी बुद्धि से निर्मित एक चमत्कारिक मशीन है, यह साबित करती है कि कैसे वह बुद्धि में अपने इंसानी निर्माताओं से आगे बढ़ सकती है. ऐसे निर्णय ले सकती है, जिनके अकल्पनीय परिणाम हो सकते हैं और लोगों को पूरी तरह तबाह कर सकते हैं. एवा की कहानी बताती है कि हमें कृत्रिम बुद्धि को लेकर कितना अधिक सजग रहने की जरूरत है. कृत्रिम बुद्धि का विकास इस तरह से हो रहा है कि यह मनुष्य की बुद्धि से कई कदम आगे निकल सकती है. इसी कारण इसके बहुत खतरनाक होने की आशंका बढ़ जाती है. यह स्वयं को ही बेहतर बना सकती है और एक ऐसी सुपर इंटेलिजेंस विकसित कर सकती है, जो मनुष्य की सामूहिक प्रज्ञा से कहीं आगे निकल जाए. किसी भ्रष्ट और विध्वंसकारी उद्देश्य से यदि इस अति-

> हाल में वायरल हुए वीडियो में अभिनेत्री रश्मिका मंधाना, प्रधानमंत्री और विराट कोहली को ऐसे प्रस्तुत किया गया है, जैसा उन्होंने कभी नहीं किया. कल्पना कीजिये कि 'डीपफेक' की मदद से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को किसी बड़े युद्ध की घोषणा करते हुए दिखा दिया जाए! एआई' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) या बनावटी बुद्धि को लेकर लोगों ने सजग होना शुरू कर दिया है.

विकसित बुद्धि का उपयोग किया जाए तो इसके विनाशकारी परिणाम होंगे. असली चुनौती है कि कृत्रिम बुद्धि या 'एआई' को किस तरह मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित किया जाए. अनियंत्रित 'एआई' के खतरे असीमित हैं और इसे नियंत्रित करने वाला इंसान अभी भी लोभ, घृणा, युद्ध के महिमामंडन, आत्मविस्तार जैसी आदतों से बाहर नहीं निकल पाया है. 'एआई' एक अनुशासनहीन मनुष्य के हाथ में पड़कर 'भस्मासुर' का रूप ले सकती है. 'एआई' को लेकर कोई वैश्विक दृष्टिकोण नहीं है. अलग-अलग देश अपने विकास के स्तर के आधार पर इस पर काम करेंगे. इसके केंद्र में हर देश का मकसद आत्मविस्तार और दूसरे देशों को कमतर साबित करना ही होगा, जैसा कि परमाणु हथियारों के मामले में किया जाता है. यूरोपीय समुदाय ने हाल ही में कृत्रिम बुद्धि को लेकर 'जोखिम पर आधारित' एक नीति बनाई है, जिसके तहत उन क्षेत्रों में अधिक सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है, जहां कृत्रिम बुद्धि से जुड़ी तकनीक लागू की जानी है, पर यह एक सीमित दृष्टिकोण की तरफ इशारा करता है. यह बताना संभव नहीं कि जिन क्षेत्रों को जोखिम भरा नहीं माना जा रहा, वे भी आने वाले समय में जोखिम पैदा कर सकते हैं. जरूरत इस बात की है कि इस तरह की नीति को अधिक समावेशी और व्यापक बनाया जाए और उन क्षेत्रों की अनदेखी न की जाये, जहां कृत्रिम बुद्धि के खतरे भविष्य में किसी संक्रमण की तरह फ़ैल सकते हैं. जरूरत इस बात की है कि इसे लेकर दुनिया के देशों में एक आम सहमति हो, क्योंकि यदि चीन और उत्तर कोरिया जैसे देश किसी नीति का पालन नहीं करते तो ऐसे जोखिम पैदा हो सकते हैं जो अभी दूर भविष्य में हैं, दिखाई नहीं दे रहे. कुछ देशों द्वारा विकास के नाम पर कृत्रिम बुद्धि का उपयोग पूरी दुनिया को ही ले डूबेगा. सामरिक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धि के खतरे असीमित हैं.

मीडिया में अन्यत्र

नियंत्रित लोकतंत्र वाया सैन्य पटकथा

आगामी 8 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों से ठीक एक सप्ताह पहले दो अलग-अलग मामलों में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल की सजा सुनाया जाना, यह दर्शाता है कि कैसे सत्ता के परोक्ष दबदबे वाले पाकिस्तान के जटिल राजनीतिक परिदृश्य में भूमिकाएं उलट गई हैं. वर्ष 2018 में जब श्री खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सत्ता में आई थी, तो विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने सेना पर जनरलों की पहली पसंद माने जाने वाले इस पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी के पक्ष में चुनावी धांधली करने का आरोप लगाया था. इसके एक साल पहले, पीएमएल-एन के नेता नवाज शरीफ को पनामा पेपर्स के आरोपों पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था और बाद में दोषी व अयोग्य ठहराए जाने के बाद निर्वासन में जाना पड़ा था. आज जहां श्री खान को अयोग्य घोषित कर दिया गया है और वह लंबी सजा काट रहे हैं, वहीं श्री शरीफ वापस आ गए हैं और पीएमएल-एन का अगुवाई कर रहे हैं. जिस तरह से सेना एवं अन्य राजकीय संस्थाएं श्री खान व उनकी पार्टी के पीछे पड़ीं, उसके मद्देनजर अदालती कार्यवाहियों और फैसलों को लेकर कोई हैरत नहीं हुई. मंगलवार को, श्री खान को एक विशेष अदालत ने जहां राज्य के रहस्यों को लीक करने के आरोप में, जिसे आमतौर पर 'सिफर केस' कहा जाता है, 10 साल की सजा सुनाई, वहीं बुधवार को एक अन्य अदालत ने सत्ता में रहने के दौरान मिले कुछ उपहारों को अपने पास रखने के जुर्म में उन्हें और उनकी पत्नी को तोशाखाना मामले में 14 साल की सजा सुनाई. सैन्य प्रतिष्ठान के साथ मतभेद के बाद श्री खान को अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होना पड़ा था. उन्होंने सेना और संयुक्त राज्य अमेरिका पर उन्हें अपदस्थ करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था और एक रैली में सबूत के तौर पर एक कागज लहराया था, जो कथित तौर पर 2022 में अमेरिका में तत्कालीन पाकिस्तानी राजदूत द्वारा भेजा गया एक राजनयिक संदेश था. उनका यही कागज लहराना सरकारी गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने का मामला बनकर उन पर हमला करने का बहाना बना. उनके वकीलों की शिकायत है कि मुकदमे के बीच में उन्हें हटाकर राज्य के वकीलों रख दिया गया और श्री खान को जेल के अंदर चले 'सिफर' मुकदमे में उचित तरीके से बचाव करने की इजाजत नहीं दी गई. मई में उनकी गिरफ्तारी के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

तकाजा/तगादा

मशहूर शायर शमशेर खान का कहना है-मोहब्बत का तक़ाज़ा है ज़रा दूरी रखी जाए, बहुत नज़दीकियां अक्सर बड़ी तकलीफ़ देती हैं. इस शेर का मतलब जहां तक मैं समझ पाया हूं, उसके अनुसार अगर आप किसी से मोहब्बत करते हैं तो याद रखें उसका तकाजा है कि थोड़ी सी दूरी बनाये रखें. बहुत अधिक नजदीकियां अक्सर तकलीफ देती हैं. यहां तकाजा का मतलब मांग से है. यानी मोहब्बत की यही मांग है. तकाजा अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. यह बहुअर्थी शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश में इसका मतलब बताया गया है मांग, दावा, आग्रह, किसी से कोई काम करने या कराने के लिए उसे बार-बार स्मरण दिलाना. रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश में इस शब्द का मतलब बताया गया है उत्तेजना, इच्छा, खपत, अनुरोध, जरूरत, अपनी चीज वापस मांगना, उधार अदा करने को कहना. अन्य शब्दकोशों के अनुसार तकाजा का मतलब है ऐसी चीज मांगना, जिसके पाने का अधिकार हो, जैसे जाओ उनसे रुपयों का तकाजा करो. कोई ऐसा काम करने के लिए कहना जिसके लिए वचन मिल चुका हो. जैसे बहुत दिनों से उनका तकाजा है. चलो आज उनके यहां हो आयें. किसी प्रकार की उत्तेजना या प्रेरणा. जैसे उम्र का तकाजा. आवश्यकता यानी कहा जाये तकाजा-ए-उम्र तो इसका मायने है उम्र की मांग यानी उम्र के लिहाज से कोई काम करना या न करना. इसी प्रकार तकाजा-ए-वक्त का मतलब है समय की मांग, किस समय क्या करना है यह मांग. अरबी भाषा में लगभग इसी अर्थ में एक और शब्द प्रचलित है- तगादा. इसे तकाजा शब्द का समानार्थी माना जाता है. मोटे तौर पर इस शब्द का मतलब है किसी से अपना प्राप्य धन पाने या आवश्यक कार्य करने के लिए फिर से कहने या स्मरण कराने की क्रिया. उदाहरण के लिए कई बार तगादा करने के बावजूद उसने मेरा पैसा नहीं दिया. हिंदी भाषा में तकाजा से अधिक प्रचलन तगादा शब्द का ही है. दोनों शब्द अपनी जगह सही हैं.

ये बजट यमला पगला दीवाना

• तीर-तुक्का

अमित शर्मा

प्रतिवर्ष संसद में आम बजट पेश किया जाता है. इसे आम बजट इसीलिये कहा जाता हैं, क्योंकि यह आम के सीजन के पहले आता है. बजट पेश करने के पीछे आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा रखना तो गौण कारण हैं इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि बजट पेश करने से जनता में संदेश जाता हैं कि सरकारें केवल 'ऐश और कैश' ही नहीं कर रही है, बल्कि कुछ 'पेश' भी कर रही हैं. हमारे देश में अभी तक केवल ₹घाटे का बजट₹ ही पेश किया जाता रहा है. वह इसीलिए क्योंकि हम भारतीयों की तरह हमारी सरकारें भी अंधविश्वासी होती हैं. वे नहीं चाहतीं कि नफे या फायदे का बजट पेश करके देश के शत्रुओं/प्रतिद्वंदियों को हमारी अर्थव्यवस्था को नज़र लगाने का मौका मिले. देश के सत्तारूढ़ दलों का शुरू से मानना रहा हैं कि भले पांच साल पूरे होने के बाद सरकार किसी से नज़र मिलाने के काबिल रहे या ना रहे, लेकिन किसी को भी देश और इसकी इकोनॉमी पर नज़र लगाने का मौका नहीं मिलना चाहिए. एक पूर्व वित्तमंत्री ने तो नज़र ना लगे इसके लिए आरबीआई की बिल्डिंग पर 'नज़रबट्टू' के रूप में काली हांडी लटकाने का भी प्रस्ताव दिया था, लेकिन कहीं विपक्ष सरकार पर देश के ₹कालेकरण₹ का आरोप ना लगा दे, इसीलिए उनका ये प्रस्ताव प्रधानमंत्री ने ताव खाकर नामंजूर कर दिया था. उल्लेखनीय है कि नज़र लगने के मुद्दे पर ज़्यादातर समय सत्ता में रहने वाले दल का मानना है कि इतने सालो में हमने देश की हालत ऐसी कर दी हैं कि अब देश को नज़र लगने का खतरा नहीं है, बल्कि अब तो दूसरे देश चाहे तो नज़र से बचने के लिए हमारे देश के नक्शे का प्रयोग ₹नज़रबट्टू₹ के रूप में कर सकते हैं. हर साल संसद के बाहर मीडियाकर्मियों को 'ब्रीफ' करने के बाद वित्तमंत्री जी 'ब्रीफकेस' की चारदीवारी से बजट को संसद की 'चारदीवारी' में लाते हैं और फिर बजट की हर योजना को 'ब्रीफ' में समझाते हैं. बजट पर सत्तापक्ष और विपक्ष की प्रतिक्रियाएं भी बजट की तरह बजट पेश करने से पूर्व तैयार कर ली जाती हैं, ताकि बजट भाषण समाप्त होने के तुरंत बाद 'थोक के भाव' में 'खुदरा मूल्य' वाली प्रतिक्रियाएं दी जा सकें और बजट पेश करने के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों आराम से सो सकें और वित्तमंत्री को बजट पेश करने में कोई व्यवधान न आये. अक्सर यह देखा गया है कि बजट भाषण पढ़ते हुए वित्तमंत्री जी घबराहट में इतना पानी पी जाते हैं, जितना वे अपने बजट में प्रस्तावित 'पानी बचाओ योजना' से बचाने वाले थे.

धर्म अध्यात्म

सुख-समृद्धि का प्रवेश-द्वार

आचार्य अजय मिश्रा

हर किसी की चाहत होती है कि घर में सुख-समृद्धि का प्रवेश हो, खुशहाली का वास हो. वास्तु की माने तो इसमें घर के प्रवेश द्वार की विशेष भूमिका होती है. घर का प्रवेश द्वार शुभ और विधि सम्मत हो तो मां लक्ष्मी का आगमन होता है, श्री गणेश की कृपा बरसती है और सकारात्मकता की छत्र-छाया बनी रहती है. इसलिए घर के मुख्य दरवाजे का वास्तु सही होना चाहिए. वास्तु शास्त्र में मुख्य दरवाजे को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं.

इन्हें द्वार पर सजाएं

घर के मुख्य द्वार पर कुछ चीजों का रहना सुख-समृद्धिकारक माना जाता है. इन चीजों में प्रमुख हैं-

श्री गणपति की मूर्ति

मुख्य द्वार पर श्री गणेश की प्रतिमा रखना शुभ माना जाता है. मान्यता है कि इससे घर में शुभ-लाभ आते हैं. सुख-समृद्धि का प्रवेश होता है.

मां लक्ष्मी के पद चिन्ह

मुख्यद्वार पर मां लक्ष्मी के पद्चिन्ह दीपावली पर तो हम लगाते ही हैं, स्थायी भी लगाया जा सकता है. सिंदूर से मां लक्ष्मी के पदचिन्ह बनाएं या फिर सुंदर कागज पर उकेरे गए पद्चिन्ह भी दरवाजे पर टांगे जा सकते हैं. मान्यता है कि इससे घर में लक्ष्मी मां का प्रवेश सुगम होता है.

स्वास्तिक चिन्ह

मान्यता है कि स्वास्तिक चिन्ह वास्तु दोष को दूर कर देता है. खासतौर से रोली या सिंदूर से बने स्वास्तिक को शुभ माना जाता है. इसलिए मुख्य द्वार के दोनों ओर स्वास्तिक चिन्ह अपने हाथों से बनाएं. इसके अलावा ऊं का चिन्ह भी लगाया जा सकता है.

क्रिस्टल बॉल

वास्तु के अनुसार, क्रिस्टल का इस्तेमाल घर की नेगेटिव एनर्जी को दूर करने के लिए किया जाता है. क्रिस्टल को घर के मुख्य द्वार पर लगाना सबसे उचित माना गया है. कहा जाता है कि इसे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है.

नेम प्लेट

घर के प्रवेश द्वार पर सुन्दर और साफ सीधे ढ़ंग से नाम की पट्टी लगाएं. यथा संभव लकड़ी, धातु या पत्थर के नेमप्लेट लगवाएं.

हाथी, मछली व सूर्य की आकृति

मुख्य द्वार पर हाथी, मछली या सूर्य की आकृति रखना/ बनाना भी शुभकर माना जाता है. इसके लिए मिट्टी की बने हाथी, मछली या सूर्य को लाकर सुसज्जित करें या फिर खुद से दीवार पर इनकी आकृति उकेरें या बाजार में वाल हैंगिंग के रूप में उपलब्ध इन आकृतियों को सजाएं.

तोरणद्वार

घर पर सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश के लिए पीपल, आम और अशोक के पत्तों की माला का तोरण द्वार बना कर घर के मुख्य दरवाजे में बांधना शुभ होता है. गेंदे के पीले फूलों की माला भी शुभ समृद्धिकारक मानी जाती है.

तुलसी का पौधा

मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा रखना शुभ माना जाता है. तुलसी भगवान विष्णु की विशेष प्रिय है और इस चलते द्वार पर तुलसी रखने पर मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं. इसके अलावा तुलसी का पौधा सकारात्मकता का प्रतीक भी होता है.

डोर मैट

घर के मुख्य दरवाजे के सामने हमेशा डोर मैट रखना चाहिए. जिससे नकारात्मक शक्तियां बाहर ही रह जाती हैं. इसके अलावा घर के मुख्य दरवाजे पर दहलीज होनी चाहिए, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा के साथ मां लक्ष्मी का आगमन होता है.

मंगल कलश

जल से भरा मंगल कलश मुख्य द्वार के दोनों या कम से कम एक तरफ रखना शुभ होता है. इस कलश का पानी प्रति दिन किसी पौधे में डाल कर नया पानी भरे. संभव हो तो मंगल कलश में रोली, फूल की पंखुरियां, एक सिक्का और जरा सा गंगाजल भी डालें. कलश पर स्वास्तिक एवं ऊं जैसे शुभ चिन्ह अंकित हो.

इस दिशा में हो मुख्य द्वार

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का मुख्य दरवाजा हमेशा उत्तर पूर्व या पूर्व पश्चिम दिशा में होना चाहिए. प्रवेश द्वार पश्चिम दिशा के मध्य में स्थित होना चाहिए. माना जाता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि का वास रहता है.

आकार का भी रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य दरवाजे का आकार ना ही छोटा और ना ही अधिक बड़ा होना चाहिए. मुख्य दरवाजे का आकार भवन के आकार के अनुपात के अनुसार होना चाहिए. घर का मुख्य दरवाजा बाकी अन्य दरवाजों से बड़ा होना चाहिए. साथ ही यह दो पल्लों वाला होना चाहिए.

मुख्य द्वार के सामने यह वर्जित

- घर के मुख्य द्वार के सामने किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं होनी चाहिए. यह बिल्कुल साफ सुथरा हो. कूड़ा, करकट, कंकड़, पत्थर आदि मेन गेट के पास नहीं रखने चाहिए.
- घर के प्रवेश द्वार के सामने कई बार हम जूते-चप्पल का रैक वगैरह रख देते हैं. इससे बचें. अगर अन्य कोई जगह नहीं हो रखने की तो कोशिश करें कि कवर्ड शू रैक ही रखें. बाहर जूते चप्पल बिखरे नहीं हों.
- मुख्य द्वार पर गंदे पानी का बहाव भी नहीं होना चाहिए. इससे घर में दरिद्रता आ सकती है. इसलिए घर का मुख्य दरवाजा हमेशा साफ रखना चाहिए. क्योंकि, मां लक्ष्मी भी साफ सुथरी जगह पर ही निवास करती हैं.
- घर का दरवाजा खोलते समय इस बात का जरूर ध्यान रखें कि उसमें आवाज ना हो. दरवाजे से आवाज आने पर उन्हें जल्द से जल्द ठीक कराएं.
- प्रवेश द्वार पर अंधेरा नहीं हो. यहां हमेशा अच्छी रोशनी होनी चाहिए. अगर सूर्य प्रकाश नहीं आ रहा है तो आप रोशनी की कोई वैकल्पिक व्यवस्था करें.
- घर के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए. पेड़, पिलर, बिल्डिंग, पानी की टंकी, गड्ढा, जर्जर पड़ी इमारत न हो.
- ध्यान रखें प्रवेश द्वार पर कोई छिद्र या दरार न हो. यदि ऐसा है तो इसे ठीक करवा लें.
- घर का मुख्य द्वार हमेशा अंदर की ओर खुलना चाहिए. कभी भी घर का दरवाजा बाहर की तरफ नहीं खुलना चाहिए इससे आर्थिक हानि होती है.
- घर के तीन द्वार एक सीध में न हों यदि ऐसा है तो घर में कभी बरकत नहीं होती है. लक्ष्मी कभी प्रवेश नहीं करती.

खुशी संदेश-04

जैसा करेंगे, वैसा ही भोगेंगे

मुकेश चौहान

एक वृद्ध अपने बहु-बेटे के यहां शहर रहने गया. उम्र के अंतिम पड़ाव में उसके हाथ कांपते थे. पूरा परिवार और उसका पांच वर्षीय पोता एक साथ टेबल पर खाना खाते थे. लेकिन वृद्ध का हाथ कांपने के कारण कभी सब्जी चम्मच से निकल कर फर्श पर बिखर जाता, कभी दूध छलक कर मेजपोश पर गिर जाता. बहु -बेटे एक -दो दिन ये सब सहन करते रहे पर बाद में उन्हें चिढ होने लगी. अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के कोने में लगा दिया. अब बूढ़े पिता वहीं अकेले बैठ कर भोजन करते थे. यहां तक कि उनके खाने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था, ताकि अब और बर्तन ना टूट सके. बालक यह सब ध्यान से देखते रहता. एक दिन बालक को उसके माता-पिता ज़मीन पर बैठ कर लकड़ी से कुछ बनाते देखा. पिता ने पूछा- क्या बना रहे हो ? बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया- आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें. यह सुन वे स्तब्ध रह गए. मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला. माता-पिता समझ चुके थे कि वे जैसा करेंगे, प्रकृति कल लौटा ही देगी.

षटतिला एकादशी पर बन रहे हैं कई शुभ योग, बरसेगी कृपा

सालभर में कुल 24 एकादशी पड़ती हैं. माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी कहते हैं. इस वर्ष यह पर्व 6 फरवरी को पड़ रहा है. षटतिला एकादशी का धार्मिक महत्व अत्यधिक है. मान्यता है कि इस व्रत को रखने पर जातक के लिए मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं और भगवान विष्णु की विशेष कृपा भी उन्हें प्राप्त होती है. इस साल षटतिला एकादशी पर व्याघात योग, ज्येष्ठा योग और हर्ष योग का निर्माण हो रहा है. यह संयोग बेहद खास बताया जा रहा है.

आचार्य प्रणव मिश्रा

तिल का है विशेष महत्व

षटतिला एकादशी पर खासतौर से तिल का महत्व होता है. इस एकादशी की पूजा में भगवान विष्णु पर तिल चढ़ाया जाता है और तिल के तेल का दीपक जलाना भी इस दिन बेहद लाभकारी साबित होता है.

पूजा-विधि

सुबह स्नान आदि कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें. पूजा स्थल की साफ सफाई करें. साफ चौकी पर लाल या पीले कपड़े को बिछा कर भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें. व्रत रखें और व्रत लेने का संकल्प करें. अब भगवान श्री हरि विष्णु का जलाभिषेक करें. प्रभु का पंचामृत सहित गंगाजल से अभिषेक करें. अब प्रभु को पीला चंदन और पीले पुष्प अर्पित करें. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करें. प्रभु को तुलसी दल सहित भोग लगाएं. जो भी भोग लगाएं, उसमें तुलसी पत्र डाल दें. सफेद तिल अर्पित करें. केला व अन्य पीले फल अर्पित करें. नवैद्य में पीली व खोवा से बनी मिठाई अर्पित करें. षटतिला एकादशी की व्रत कथा का पाठ करें. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें. पूरी श्रद्धा के साथ भगवान श्री हरि विष्णु और लक्ष्मी जी की आरती करें. अंत में क्षमा प्रार्थना करें.

इन राशियों के लिए विशेष शुभ

तुला राशि

इस साल की षटतिला एकादशी तुला राशि के लिए बेहद शुभ हो सकती है. इस राशि के जातकों को धन लाभ हो सकता है. तुला राशि के लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है, बेहतर नौकरी मिल सकती है. पिछले कुछ समय से चल रही आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिलने की भी संभावना है.

सिंह राशि

सिंह राशि के लिए भी षटतिला एकादशी फायदेमंद हो सकती है. इस राशि के लोगों को जीवन में ऊंचाइयां और सफलता मिल सकती है. वहीं, इन्हें भगवान विष्णु की विशेष कृपा मिलेगी.

मिथुन राशि

इस साल षटतिला एकादशी पर बन रहे योग मिथुन राशि के लिए भी कई तरह से शुभ साबित होंगे. इस राशि के लोगों को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और परिवार को शुभ समाचार मिल सकते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दूसरा टेस्ट : इंग्लैंड के 'बैजबॉल' के खिलाफ वापसी करने उतरेगी भारतीय टीम

भारत को करना होगा रणनीति में बदलाव

- राहुल व जडेजा की चोट ने भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ाई
- मैच का भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 से शुरू होगा

भाषा । विशाखापत्तनम

पहला टेस्ट गंवाने के बाद भारत को शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट में इंग्लैंड की बेखौफ 'बैजबॉल' शैली का सामना करने के लिये बेहतर रणनीति के साथ उतरना होगा जबकि उसके प्रमुख खिलाड़ी भी चोट के कारण बाहर हैं. अपनी धरती पर काफी मजबूत भारतीय टीम को हैदराबाद में पहले टेस्ट में पराजय झेलनी पड़ी. उसके बाद रविंद्र जडेजा और केएल राहुल के चोट के कारण बाहर होने से उसका काम और मुश्किल हो गया है. तीन साल पहले भी भारतीय टीम को इन्हीं हालात से दोचार होना पड़ा था जब चेन्नई में पहले टेस्ट में उसे इंग्लैंड ने हराया था लेकिन वापसी करके भारत ने श्रृंखला जीती थी. जो रूट की कप्तानी वाली वह टीम हालांकि अलग थी और इस बार भारत को वापसी करने के लिये इंग्लैंड की ऐसी टीम को हराना होगा जिसने टेस्ट क्रिकेट खेलने के मानदंड ही बदल दिये हैं. हैदराबाद में पहली पारी में 190 रन से पिछड़ने के बाद उसने आक्रामक खेल की अपनी 'बैजबॉल' शैली से वापसी करके 28 रन से मैच जीता. ओली पोप ने स्वीप और रिवर्स स्वीप की ढाल बनाकर भारतीय फिरकी आक्रमण को बखूबी झेला जिससे रोहित शर्मा और उनकी टीम हैरान रह गई. पोप के आगे भारत का विख्यात स्पिन आक्रमण बौना साबित हो गया.

कोहली की बल्लेबाजी से सीखने की कोशिश कर रहा हूं : रजत पाटीदार

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के लिये पदार्पण की दहलीज पर खड़े मध्यक्रम के बल्लेबाज रजत पाटीदार ने कहा है कि वह विराट कोहली को देखकर अपनी बल्लेबाजी में सुधार का प्रयास कर रहे हैं. केएल राहुल और रविंद्र जडेजा को लगी चोट के कारण 30 वर्ष के पाटीदार को मौका मिल सकता है जिन्होंने घरेलू सर्किट में मध्यप्रदेश के लिये काफी रन बनाये हैं. पाटीदार ने कहा कि मैं नेट्स पर उनकी (कोहली की) बल्लेबाजी देखता रहता हूं, खासकर उनका फुटवर्क और मूवमेंट. मैं उनसे सीखकर इन चीजों को अपनी बल्लेबाजी में लाने की कोशिश करता हूं. पाटीदार आईपीएल में कोहली के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये खेलते हैं.

लीच का चोटिल होना इंग्लैंड के लिए चिंता का विषय

इंग्लैंड के लिये चिंता का विषय अनुभवी स्पिनर जैक लीच का चोटिल होना है .युवा आफ स्पिनर शोएब बशीर को उनकी जगह उतारा जा सकता था लेकिन वह भी उपलब्ध नहीं हैं . मैकुलम ने सेन रेडियो से कहा कि पहले टेस्ट की तरह की पिच टर्न लेगी तो हम चौतरफा स्पिन आक्रमण उतार सकते हैं. पहले मैच में तेज गेंदबाज मार्क वुड प्रभावित नहीं कर सके लिहाजा गुस एटकिंसन, जेम्स एंडरसन या ओली रॉबिनसन को उतारा जा सकता है.

जडेजा की गैरमौजूदगी में अश्विन पर दरोमदार

दूसरे टेस्ट में भारत के पास जडेजा नहीं होंगे और 500 टेस्ट विकेट से चार विकेट दूर रविचंद्रन अश्विन को बेहतर प्रदर्शन करना होगा. इसके साथ ही अक्षर पटेल को भी विकेट लेने तथा रनों पर रोक लगाने के नये तरीके तलाशने होंगे.

कुलदीप यादव को मैच में मिल सकता है मौका

जडेजा की गैर मौजूदगी में कुलदीप यादव खेल सकते हैं और यह देखना होगा कि भारत जसप्रीत बुमराह के रूप में एक तेज गेंदबाज के साथ उतरता है या वॉशिंगटन सुंदर के रूप में एक और स्पिनर को उतारता है. बायें हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार को भी टीम में जगह दी गई है.

इंग्लैंड के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए स्वीप शॉट पर किया है काम : केएस भरत

विकेटकीपर केएस भरत ने गुरुवार को कहा कि चोटों से प्रभावित भारतीय खेमे में कोई हड़बड़ाहट नहीं है और घरेलू टीम ने यहां दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए नयी योजना बनायी है जिसमें जरूरत पड़ने पर स्वीप शॉट लगाना भी शामिल है. भरत अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलेंगे. उन्होंने कहा कि टीम ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में रही अपनी खामियों पर काम किया है. ओली पोप की अगुआई में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने स्वीप और रिवर्स स्वीप शॉट खेलकर भारतीय स्पिनरों का आराम से सामना किया. शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले टेस्ट में उनके इसी जज्बे से खेलना जारी रखने की उम्मीद है.

टीमें

भारत
रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, केएस भरत, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह, आवेश खान, रजत पाटीदार, सरफराज खान, वॉशिंगटन सुंदर, सौरभ कुमार.

इंग्लैंड
बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, जेम्स एंडरसन, गुस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, डान लॉरेंस, जाक क्राली, बेन डकेट, बेन फोक्स, टॉम हार्टली, जैक लीच, ओली पोप, ओली रॉबिनसन, जो रूट, मार्क वुड.

स्टोक्स ने रूट को 'गेंदबाज' बनाने का वादा निभाया

बेन स्टोक्स ने जो रूट की गेंदबाजी निखारने का वादा किया था और इंग्लैंड के कप्तान को इस बात से खुशी है कि वह अपने इस 'मिशन' में सफल रहे जो इस शीर्ष बल्लेबाज के पहले टेस्ट की जीत में पांच विकेट झटकने से साफ झलकता है. इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रूट भारत के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज भी रहे जिन्होंने मैच में पांच विकेट हासिल किये. रूट ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में केएल राहुल का अहम विकेट अपने नाम किया जिससे इंग्लैंड ने वापसी करते हुए शानदार जीत हासिल की. रूट ने अच्छी गति से गेंद टर्न करायी और उनकी स्ट्रेट गेंद से भी भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी हुई. दूसरे टेस्ट में जैक लीच नहीं खेल रहे हैं तो रूट के स्पिन विभाग में और अधिक जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद है. उन्होंने श्रृंखला के शुरूआती मैच में कुल 48 ओवर डाले थे. स्टोक्स ने मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मैंने हमेशा जो से कहा कि बतौर कप्तान उन्होंने कम गेंदबाजी की और मैं उन्हें कहता कि मैं उन्हें एक गेंदबाजी बनाऊंगा और मैंने ऐसा कर भी दिया. उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ी का होना जो सिर्फ गेंद ही नहीं फेंकता बल्कि खेल की रफ्तार भी बढ़ा दे. वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी भी करे और उन्होंने जितने रन बनाये हैं, उसे देखते हुए वह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं.

त्रीशा-गायत्री, मंजूनाथ और अस्मिता क्वार्टर फाइनल में

बैंकॉक। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की छठी वरीय भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को यहां थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टर्नामेंट के महिल युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत अपने से कम रैंकिंग वाले हमवतन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गए. महिला एकल में अस्मिता चालिहा भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहीं. त्रीशा और गायत्री ने प्री क्वार्टर फाइनल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की हमवतन भारतीय जोड़ी को सीधे गेम में 21-15 24-22 से हराया. त्रीशा और गायत्री अगले दौर में फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और अमालिया कहाया प्रातिवी की इंडोनेशिया की चौथी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे. मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ ने श्रीकांत को 54 मिनट में 21-9 13-21 21-17 से हराया. मंजूनाथ अंतिम आठ के मुकाबले में नीदरलैंड के मार्क कालजोव से भिड़ेंगे. पुरुष एकल में एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम को हार का सामना करना पड़ा.. अस्मिता भी चीनी ताइपे की यू पो पाइ को 21-12 15-21 21-17 से हराकर महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं.

डेविस कप : 60 साल बाद पाकिस्तान पहुंचे भारतीय खिलाड़ी, लेकिन

भारत-पाक मुकाबले को लेकर हाइप नहीं

- भारत-पाकिस्तान के बीच तीन व चार फरवरी को होगा मुकाबला
- डेविस कप में पाकिस्तान से कभी नहीं हारा है भारत

भाषा । इस्लामाबाद

पाकिस्तान टेनिस महासंघ को डेविस कप मैच के लिये खैबर पख्तूनख्वा या बलोचिस्तान जैसे क्षेत्रों से पास का अनुरोध पहली बार मिला है लेकिन इस्लामाबाद शहर को देखकर जरा भी अहसास नहीं होता कि यह भारत - पाकिस्तान जैसे ऐतिहासिक मुकाबले की मेजबानी कर रहा है. इस खूबसूरत शहर में एक भी पोस्टर नहीं लगा है जिससे पता चले कि भारतीय टीम 60 साल बाद यहां डेविस कप मुकाबला खेलने आई है. इस्लामाबाद खेल परिसर में भी कोई हलचल नहीं है जहां यह मैच होना है. यह परिसर स्थानीय मीडिया की पहुंच से भी बाहर है. पाकिस्तान टेनिस महासंघ को इस मुकाबले के जरिये देश में खेलों में नयी जान फूंकने की उम्मीद है लेकिन ब्रांड, विज्ञापन, मार्केटिंग और इंटरव्यू के जरिये इसका प्रचार हो ही नहीं रहा है. मैच के दिन यानी शनिवार और रविवार को सिर्फ 500 मेहमान परिसर में होंगे. प्रवेश निमंत्रण के आधार पर होगा और पीटीएफ सिर्फ टेनिस जगत को न्योते दे रहा है. सुरक्षा इतनी कड़ी है कि भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान की मशहूर खातिरदारी का लुत्फ नहीं उठा पा रहे. उन्हें सिर्फ वेन्यू और टीम होटल तक जाने की अनुमति है. वे पास के शॉपिंग मॉल या पर्यटन स्थलों पर भी नहीं जा सकते.

भारतीय उच्चायोग ने टीम का स्वागत किया

भारतीय उच्चायोग ने यहां 60 साल में पहली बार आई भारतीय डेविस कप टीम की अगवानी की. भारतीय टेनिस टीम पाकिस्तान से डेविस कप मुकाबला खेलने आई है. पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त गीतिका श्रीवास्तव ने बुधवार को भारतीय खिलाड़ियों और अधिकारियों का स्वागत किया. पिछली बार भारतीय डेविस कप टीम 1964 में पाकिस्तान आई थी. दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव के कारण खेल संबंध भी अवरूद्ध हैं. श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय टीम का यहां स्वागत करना गर्व की बात है. यह ऐतिहासिक मौका है कि भारतीय टीम इतने लंबे समय बाद पाकिस्तान आई है. हम सभी टीम को शुभकामना देते हैं. उच्चायोग के अधिकारियों ने खिलाड़ियों से बातचीत की और खेल के बारे में सवाल भी पूछे. भारत और पाकिस्तान तीन और चार फरवरी को डेविस कप विश्व ग्रुप वन मुकाबला खेलेंगे. विजेता ग्रुप वन में ही रहेगा जबकि हारने वाली टीम ग्रुप टू में खिसक जायेगा. भारत डेविस कप के इतिहास में कभी पाकिस्तान से हारा नहीं है.

अल्वारेज ने मैनचेस्टर सिटी को जीत दिलाई

प्रीमियर लीग

एजेंसी । मैनचेस्टर

बर्थडे ब्वाय जूलियन अल्वारेज के शानदार डबल स्कोर की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने बर्नले पर 3-1 से जीत के साथ प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई. मैच का पहला गोल अल्वारेज ने 16वें मिनट में दागा. अल्वारेज ने मैथ्यूस नून्स के क्रॉस से एक क्लोज-रेंज हेडर से

गोल किया. पहले गोल के छह मिनट के बाद ही अल्वारेज दूसरा गोल भी दागा. सिटी ने पहले हाफ की तुलना में दूसरे हाफ की मजबूत शुरुआत की और खेल दोबारा शुरू होने के 24 सेकंड बाद ही उन्हें तीसरा गोल मिला, तीसरा गोल रॉड्री ने दागा. बर्नले ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में एक सांत्वना गोल हासिल किया. जब डेविड दात्रो फोफाना ने बाइलाइन पर डार्ट किया और अमीन अल दखिल को अपना पहला प्रीमियर लीग गोल करने के लिए एक लो क्रॉस दिया. इस जीत से सिटी के 46 अंक हो गए हैं, जो आर्सेनल के बराबर है.

भयावह कार हादसे के बाद पैर खोने का डर था : पंत

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि 13 महीने पहले हुए भयावह कार हादसे के बाद उन्हें अपना दाहिना पैर गंवाने का डर था. पंत दिसंबर 2022 में दिल्ली से अपने परिवार के पास अपने शहर रूड़की जा रहे थे जब उनकी कार सड़क के बीच डिवाइडर से टकरा गई थी. वह उस समय मीरपुर टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाकर बांग्लादेश से लौटे ही थे. उन्होंने स्टार स्पोर्टस की सीरिज 'बिलीव : टू डैथ एंड बैक' में कहा कि अगर कोई नस क्षतिग्रस्त होती तो पैर गंवाने का डर था. मैं उस समय डर गया था. पंत ने कहा कि मैंने एसयूवी ली थी लेकिन वह बाद में सेडान लग रही थी. हादसे को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनके दाहिने घुटने की हड्डी खिसक गई थी और उन्हें काफी दर्द हो रहा था. उन्होंने कहा कि वहां आसपास कोई था तो मैंने पूछा कि पैर को वापिस जगह पर लाने में मदद कर सकता है. उसने मेरे घुटने को सही जगह पर पहुंचाने में मदद की. दो व्यक्तियों रजत कुमार और निशु कुमार ने पंत को उनकी एसयूवी से निकाला जो बाद में आग की लपटों में थी. पंत ने कहा कि जीवन में पहली बार ऐसा महसूस हुआ . हादसे के समय चोट के बारे में तो पता था लेकिन मैं खुशकिस्मत था क्योंकि यह और गंभीर हो सकती थी.

आईसीसी एजीएम की मेजबानी करेगा श्रीलंका

कोलंबो। निलंबन हटने के बाद श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) जुलाई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की मेजबानी करेगा. एसएलसी को उसके संचालन में सरकारी हस्तक्षेप के बाद निलंबित कर दिया गया था. देश ने इसके साथ ही अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी का मौका भी गंवा दिया था जिसका आयोजन अब श्रीलका में हो रहा है. पर्यटन मंत्री की भी भूमिका निभा रहे फर्नांडो ने बयान में कहा कि श्रीलंका कोलंबो में 19 से 22 जुलाई तक आईसीसी एजीएम की मेजबानी करेगा। इससे क्रिकेट और पर्यटन के मामले में श्रीलंका को काफी बढ़ावा मिलेगा.आईसीसी सदस्यों के दायित्वों को पूरा नहीं करने के कारण एसएलसी को नवंबर में निलंबित किया गया था.

उम्मीद घरेलू क्रिकेट में बनाए गए ढेरों रनों ने खोला भारतीय क्रिकेट टीम का दरवाजा

रिचर्ड्स, कोहली की सूची में जगह बनाना चाहते हैं सरफराज खान

भाषा । विशाखापत्तनम

घरेलू क्रिकेट में बनाए ढेरों रनों ने सरफराज खान के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का दरवाजा खोल दिया है लेकिन इस बल्लेबाज का मानना है कि सीखना हमेशा जारी रहता है और वह विराट कोहली, विव रिचर्ड्स और जावेद मियांदाद जैसे दिग्गजों की सूची में जगह बनाना चाहते हैं. चोटों के कारण लोकेश राहुल और रविंद्र जडेजा के बाहर होने के बाद सरफराज को इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए हाल में भारतीय टीम में शामिल किया गया. मुंबई के इस बल्लेबाज ने सीखने की अपनी प्रक्रिया पर बात करते हुए कहा कि मुझे विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, सर विवियन रिचर्ड्स की बल्लेबाजी देखना पसंद है. यहां तक कि जावेद मियांदाद की भी क्योंकि मेरे पिता कहते हैं कि मैं उनकी तरह बल्लेबाजी करता हूं. मैं जो रूट की बल्लेबाजी भी देखता हूं. सरफराज ने कहा कि जो भी सफल हो रहा है, मैं उन्हें खेलते हुए देखता हूं कि वे ऐसा कैसे कर रहे हैं जिससे कि मैं सीख सकूं और इसे लागू कर सकूं. मैं भविष्य में रणजी ट्रॉफी खेलूं या भारत के लिए खेलूं, मैं ऐसा करना जारी रखना चाहता हूं.

पिता नौशाद अहमद हैं सरफराज के जीवन के असली हीरो

सरफराज की नजर में उनके जीवन के असली हीरो उनके पिता नौशाद अहमद हैं जिन्होंने अपने बेटे को क्रिकेटर बनाने में असंख्य घंटे समर्पित किए. सरफराज ने कहा कि मेरे पिता ने मुझे क्रिकेट से जोड़ा और मैं हमेशा सोचता था कि मैं क्यों खेल रहा हूं. मैं एक आक्रामक बल्लेबाज हूं और मैं दूसरों की तुलना में जल्दी आउट हो जाता था और बड़ी पारियां खेलना मुश्किल हो रहा था. उन्होंने कहा कि दूसरों को सफल होते देखना निराशाजनक था जबकि मैं रन नहीं बना पा रहा था. लेकिन मेरे पिता हमेशा कड़ी मेहनत में विश्वास करते थे और मेरे पास जो कुछ भी है वह उसी काम का परिणाम है. सरफराज ने कहा कि उनके पिता उन्हें बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्तर प्रदेश या जहां भी टीम खेलती थी वहां जाते थे.

प्रतिदिन 500 से 600 गेंद खेलते हैं सरफराज खान

सरफराज से जब उनके प्रदर्शन में निरंतरता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरी ताकत यह है कि मैं आसानी से संतुष्ट नहीं होता. मैं हर दिन 500 से 600 गेंद खेलता हूं. अगर मैं एक मैच में कम से कम 200 से 300 गेंद नहीं खेल पाता तो मुझे लगता है कि मैंने कुछ खास नहीं किया. अब तो आदत हो गयी है. उन्होंने कहा कि अगर आप पांच दिवसीय क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो आपको धैर्य रखना होगा . मैं पूरे दिन क्रिकेट खेलता हूं और यही कारण है कि मैं लंबे समय तक पिच पर रह सकता हूं.

प्रथम श्रेणी में सरफराज

मैच	45
रन	3912
शतक	14
अर्धशतक	11
औसत	69.85
स्ट्राइक रेट	70.48

खेल मंत्रालय को बजट में 45 करोड़ रुपये का इजाफा

भाषा । नयी दिल्ली

खेल मंत्रालय को गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गये अंतरिम बजट में 3,442.32 करोड़ रुपये आवंटित किये गये जिसमें पिछले साल की तुलना में 45.36 करोड़ रुपये का इजाफा किया गया. पिछले बजट में खेल मंत्रालय को 3,396.96 करोड़ रुपये आवंटित हुए थे. इस 2024-25 वित्तीय वर्ष के दौरान देश का मुख्य ध्यान पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेल पर लगा होगा. खेलों इंडिया को पिछले बजट में 20 करोड़ रुपये का इजाफा कर 900 करोड़ रुपये आवंटित किये गये. राष्ट्रीय शिविर आयोजित करने वाले, खिलाड़ियों को बुनियादी ढांचा और उपकरण मुहैया कराने वाले और कोचों की नियुक्ति के अलावा अन्य काम करने वाले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बजट में पिछले साल की तुलना में 26.83 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गयी जिससे अब यह 795.77 करोड़ रुपये का होगा.

हुआ फायदा

- 344.32 करोड़ रुपये खेल मंत्रालय को आवंटित किये गए
- खेलों इंडिया को बजट में 20 करोड़ रुपये का इजाफा

ब्रीफ खबरें

एसबीआई एटीएम से 23 लाख ले भागे चोर

गोपालगंज। जिले के मीरगंज शहर के नरइनिया स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के बाहर लगी एटीएम मशीन को चोरों ने निशाना बनाया. चोरों ने कैश बॉक्स गैस कटर से काट कर गुरुवार के तड़के 23 लाख 51 हजार 6 सौ रुपए चुरा लिए. इसकी जानकारी करीब नौ बजे पुलिस को मिली. इसके बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन की. वारदात की तफ्तीश व चोरों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने एसआईटी गठित की है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की छानबीन कर रही है.

पार्ट टाइम जॉब देने के नाम पर की ठगी

पटना। बिहार में साइबर अपराधी युवा एवं घरेलू महिलाओं को पार्ट टाइम जॉब के नाम पर ठग रहे हैं. घर बैठे कमाई का लालच देकर शिकार बना रहे हैं. राजधानी पटना में बीते एक माह में एक दर्जन से ज्यादा लोगों से पार्ट टाइम जॉब के नाम पर ठगी की गई है. पुलिस के लिए यह चुनौती बन गई है. अपराधी ऐसे लोगों की तलाश में रहते हैं जो पढ़ा लिखा हो और अपने पास स्मार्ट फोन रखता हो. शातिर उनके व्हाट्सएप अथवा टेलीग्राम अकाउंट पर नामी कंपनी के नाम से घर बैठे नौकरी का मैसेज भेजते हैं. फोन करते ही ठग उन्हें बिना ज्यादा मेहनत के मोटी कमाई के सपने दिखाना शुरू कर देते हैं.

2 दुकानदारों को चाकू से गोदा, एक की मौत

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर में बदमाशों ने दो दुकानदारों पर चाकू से हमला कर दिया. इस घटना में एक व्यक्ति की चाकू लगने से मौत हो गई जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है. उसकी हालत गंभीर है. पूरा मामला सिंघिया थाना क्षेत्र का है. बदमाशों ने बुधवार (31 जनवरी) की देर रात चाय-नाश्ता की दुकान चलाने वाले दो दुकानदारों पर चाकू से हमला किया था. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है.घटना के संबंध में बताया जाता है कि चाकू लगने से एक दुकानदार की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं दूसरा अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा है.

कैबिनेट विस्तार के मामले पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा-

जल्द होगा कैबिनेट विस्तार

संवाददाता। पटना

बिहार में एनडीए सरकार के गठन के बाद सभी अब कैबिनेट विस्तार के बारे में बातें कर रहे हैं. सरकार गठन के चार दिन हो गए हैं, मगर नए मंत्रियों को अभी तक विभाग नहीं बांटे गए हैं. खबर आ रही है कि पहले नीतीश कैबिनेट का विस्तार होगा, उसके बाद ही सभी मंत्रियों में विभागों का बंटवारा होगा. आगामी बजट सत्र से पहले यह काम हो जाएगा. बीजेपी नेताओं ने इसके संकेत दिए हैं. डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का गठन हो गया है तो सबकुछ जल्द ही हो जाएगा. फिलहाल सभी की नजरें नीतीश कैबिनेट के विस्तार पर टिक गई हैं. बीते रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ 8 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी. इसमें से तीन-तीन नेता जेडीयू और बीजेपी के हैं, जबकि एक-एक निर्दलीय एवं हम पार्टी के विधायक हैं. हालांकि, बीजेपी के वरिष्ठ नेता का कहना है कि पोर्टफोलियो का बंटवारा कैबिनेट विस्तार के बाद ही होगा. ये दोनों काम एक दिन के भीतर पूरे होने की संभावना है.

बजट सत्र से पहले हो सकता है विभागों का बटवारा: माना जा रहा है कि बिहार विधानसभा के बजट सत्र से पहले नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण और विभागों का बंटवारा कर दिया जाएगा. बजट सत्र 10 फरवरी से शुरू होने जा रहा है. उन्होंने कहा कि सिर्फ 3-4 दिन के लिए विभागों का बंटवारा करने का कोई तुक नहीं है, क्योंकि कैबिनेट विस्तार के बाद फिर से यह काम करना होगा. इस महीने के पहले सप्ताह में सबकुछ फाइनल हो जाएगा. बिहार बीजेपी के अध्यक्ष एवं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का कहना है कि कैबिनेट विस्तार पर काम जारी है, जल्द ही तस्वीर साफ हो जाएगा. डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने भी यही बात कही है. सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में सरकार का गठन हो गया है, इसलिए चिंता करने की जरूरत नहीं है. सबकुछ समय पर हो जाएगा. जेडीयू और बीजेपी में विभागों के बंटवारे को लेकर कोई तकरार नहीं है. जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विभागों का बंटवारा और कैबिनेट विस्तार प्रायोरिटी में है, बीजेपी जब चाहेगी उस दिन यह हो जाएगा.

विभागों का बंटवारा 2020 के फॉर्मूले से होगा

जेडीयू के मंत्रियों के विभागों में कुछ खास बदलाव नहीं होने वाला है. उन्होंने कहा कि विभागों का बंटवारा 2020 के फॉर्मूले से होगा. उस समय भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी थी और बीजेपी से दो डिप्टी सीएम बने थे. अगर 2020 का फॉर्मूला अपनाया जाता है तो नीतीश कुमार के पास सबसे प्रमुख गृह विभाग रहेगा. वहीं, वित्त, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अहम विभाग बीजेपी के पास जा सकते हैं. 2005 के बाद से जेडीयू ने पहली बार शिक्षा विभाग को 2022 में आरजेडी को दिया था. इस विभाग को लेकर जेडीयू और आरजेडी में तकरार का माहौल भी बना था. इसी तरह, 2022 में पहली बार वित्त विभाग जेडीयू के पास आया था और विजय चौधरी इसके मंत्री बने थे. इससे पहले तक एनडीए सरकार में यह विभाग बीजेपी के पास ही रहा है. जेडीयू नेता का कहना है कि अब बजट का समय आ गया है तो दोनों पार्टियां मिल बैठकर चीजों को हल करेंगी. एनडीए सरकार के लिए इस मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है.

बोले सम्राट

- नीतीश कुमार के साथ 8 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी
- इसमें से तीन-तीन नेता जेडीयू और बीजेपी के हैं

जनता जानती है किसके कार्यकाल में नौकरियां मिलीं

नीतीश कुमार अतीत और तेजस्वी भविष्य हैं: शिवानंद

विशेष संवाददाता/पटना

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने आज यहां कहा कि नीतीश जी अतीत हैं और तेजस्वी भविष्य. औरतें सांझ होने के बाद घर से निकलती नहीं थीं. कब तक इसकी दुहाई दी जाएगी ! नीतीश जी मुख्यमंत्री के रूप में लगभग बीस साल पूरा करने वाले हैं. बीस साल पहले क्या था, यह कहने से अब काम चलने वाला नहीं है. लोग यह जानना चाहते हैं कि बिहार सरकार में जितनी नौकरियां पिछले सत्रह महीनों में मिलीं वह पिछले सत्रह अठारह वर्ष में क्यों नहीं मिलीं? तिवारी ने कहा कि पिछले विधानसभा के चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की थी कि हमारी सरकार बनेगी तो हम दस लाख युवाओं को सरकार में नौकरी देंगे. इस पर नीतीश जी की क्या प्रतिक्रिया थी ! गोपालगंज की सभा में इस घोषणा पर कितनी भद्दी प्रतिक्रिया उन्होंने व्यक्त की थी. सत्रह महीना पूर्व जब नीतीश पुनः महा गठबंधन में शामिल हुए तो कैसे सबकुछ बदल गया. दस लाख युवाओं को नौकरी देने की तेजस्वी की घोषणा को कैसे आपने अपना लिया. पिछले सत्रह महीने में बिहार सरकार ने जितनी नौकरियां दीं उतनी नौकरी तो इसके पहले आपके कार्यकाल में कभी नहीं मिली थी.

तेजस्वी का कद छोटा नहीं कर सकते

तिवारी ने कहा कि तेजस्वी बच्चा है यह कह कर आप तेजस्वी का कद छोटा नहीं कर सकते हैं. पूरा देश आपको और तेजस्वी दोनों को देख रहा है. सरकार में और अचानक गठबंधन से आपके बाहर निकल जाने के बाद तेजस्वी ने जिस शालीनता और परिपक्वता का परिचय दिया उससे उनका क़द बहुत ऊँचा हो हुआ है. नीतीश जी चाहे जितनी बेचैनी दिखायें, अब वे अतीत हैं. भविष्य तो तेजस्वी हैं.

मालिक पर मैनेजर कराया था हमला

संवाददाता। बक्सर

पुलिस ने घटना के महज 24 घंटे के अंदर पेट्रोल पंप मालिक देवदत्त उपाध्याय पर जानलेवा हमले का खुलासा कर दिया. पुलिस ने बताया कि किसी और ने नहीं, बल्कि उन्हीं के पंप मैनेजर ने हमला कराया. उसकी निशानदेही पर घटना में शामिल दो अपराधियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है. सुपारी किलर से पांच लाख रुपये में मर्डर कराने की डील हुई थी. मैनेजर के घर से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, मैगजीन और एक कारतूस भी बरामद हुआ है.

बता दें कि सोमवार की शाम शहर के सोहनीपट्टी निवासी पेट्रोल पंप संचालक देवदत्त उपाध्याय के घर में घुसकर तीन नकाबपोश अपराधियों ने गोली मार दी थी. अस्पताल में भर्ती उपाध्याय की ओर से मंगलवार की सुबह मुकदमा दर्ज कराया गया. शाम होते-होते पुलिस घटना की तह तक पहुंच गई. प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस कप्तान मनीष कुमार ने बताया कि पेट्रोल पंप के मैनेजर भवेश कुमार उर्फ तन्नू चौबे ने करीब 40 लाख रुपये के हिसाब में गड़बड़ कर रखी थी. देवदत्त इन रुपयों का हिसाब करने और लौटाने का दबाव बना रहे थे. ऐसे में मैनेजर ने उन्हें रास्ते से ही हटा देने का प्लान बना लिया. इसके लिए उसने बाहर के अपराधियों से सौदा किया.

घटना में शामिल दो अपराधी गिरफ्तार : इस मामले में भवेश के बताने पर घटना में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. इनका नाम जतीन चौधरी और ऋषभ शेखर है. जतीन शहर के सोहनीपट्टी का रहने वाला है. जबकि, शेखर इटाढ़ी थाने के महिला गांव का निवासी है. पुलिस ने पेट्रोल पंप मैनेजर के घर से घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल, मैगजीन, एक कारतूस और तीन मोबाइल बरामद किया है. पुलिस कप्तान ने बताया कि पंप मालिक को गोली मारने की घटना में शामिल दोनों अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है. दोनों अपराधी आरा के शिवगंज मुहल्ले के रहने वाले हैं. बहुत जल्द दोनों को पकड़ लिया जाएगा.

जमीन विवाद में 4 को मारी गोली, दो गंभीर

खगड़िया। जिले में एक ही परिवार के चार लोगों को गोली मारने का मामला प्रकाश में आया है. यहां भूमि विवाद को लेकर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से एक परिवार के चार लोगों को गोली लगी है. गोली लगने के बाद दो लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है. उन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है. घटना जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र के अगुवानी गांव की है. घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया है. यहां दिन दहाड़े हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरा इलाका थर्रा उठा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. घटना के बारे में बताया जा रहा है कि यहां दो पक्षों के बीच जमीन वि.वाद था. जिसके बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर केस दर्ज करा दिया. इसी मुकदमे को वापस लेने को लेकर हुए विवाद के बाद गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है. बताया जा रहा है कि अपराधियों ने दर्जनों राउंड फायरिंग की है. घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी फरार हो गए हैं.

परीक्षा केंद्रों पर अब शिक्षक और कर्मचारी नहीं ले जाएंगे मोबाइल

संवाददाता। पटना

बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा गुरुवार से कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गई. कई केंद्रों पर देर से पहुंचने के कारण छात्रों को प्रवेश नहीं मिल पाया. वहीं राज्य के जिन डिग्री कॉलेजों में इंटरमीडिएट परीक्षा के केंद्र बनाए गए हैं, वहां पर कोई भी शिक्षक अथवा कर्मी बिना मोबाइल फोन के ही कॉलेज में आएंगे. इसको लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक की ओर से सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिवों को निर्देश जारी किया है.

विभाग ने कहा है कि कदाचारमुक्त परीक्षा के आयोजन को लेकर यह निर्णय लिया गया है. शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव ने गुरुवार को इससे संबंधित पक्ष कुलसचिवों को भेजा है. इसमें उन्होंने कहा है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के द्वारा इंटरमीडिएट की परीक्षा ली जा रही है. इसको लेकर कई परीक्षा केंद्र डिग्री कॉलेजों में भी बनाए गए हैं. इन कॉलेजों में वहां के शिक्षक और कर्मचारी अपने कार्यालय आ रहे हैं. कॉलेजों में ऑनलाइन कक्षाएं भी ली जा रही हैं. यहां के शिक्षक और कर्मी भी कदाचारमुक्त परीक्षा और इसके आयोजन की स्वच्छता बनाये रखने के लिए अपने कॉलेज में मोबाईल फोन लेकर नहीं आएंगे. मोबाईल फोन लेकर कॉलेज आने पर प्रतिबंध रहेगा.

कारोबार

महिंद्रा एंड महिंद्रा की जनवरी में बिक्री बढ़ी

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की जनवरी में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 73,944 इकाई रही. कंपनी ने जनवरी, 2023 में 43,068 गाड़ियां बेची थीं. महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की ओर से जारी बयान के अनुसार, समीक्षाधीन महीने में वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 23,481 इकाई रही, जो जनवरी, 2023 की 21,724 इकाई थी. बयान के अनुसार, इलेक्ट्रिक तिपहिया सहित तिपहिया वाहनों की कुल घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत घटकर 5,649 इकाई रही.

हुंडई की वाहन बिक्री 8.5 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया की थोक वाहन बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 8.5 % वृद्धि के साथ 67,615 इकाई रही. हुंडई की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत वृद्धि के साथ 57,115 इकाई रही, जो जनवरी, 2023 में 50,106 इकाई थी. हुंडई की गाड़ियों का निर्यात हालांकि जनवरी में 14 % घटकर 10,500 इकाई रह गया, जो पिछले साल जनवरी में 12,170 इकाई था. हुंडई मोटर इंडिया के सीओओ तरुण गर्ग ने कहा कि इस मजबूत वृद्धि को हाल ही में पेश हुंडई क्रेटा के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया से बढ़ावा मिला है.

कमजोर मांग से सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में गुरुवार को सोने की कीमत 136 रुपये की गिरावट के साथ 62,599 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 136 रुपये यानी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,599 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. इसमें 15,472 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,060.70 डॉलर प्रति औंस रह गया.

केंद्र ने बजट पेश होने के एक दिन पहले मोबाइल के स्पेयर पार्ट्स पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाकर 10% कर दी

सस्ते हो सकते हैं मोबाइल फोन

भाषा । नयी दिल्ली। बजट पर हर किसी की नजर रहती है. चाहे आम आदमी हो या कारोबारी सभी की चाहत रहती है कि वस्तुओं की कीमत घटे, ताकि सामान खरीद सकें. इस मामले में मोबाइल धारकों के लिए अच्छी खबर मानी जा रही है. दरअसल केंद्र सरकार ने बजट पेश होने के एक दिन पहले मोबाइल के स्पेयर पार्ट्स पर इम्पोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 10% कर दी है. इससे मोबाइल फोन सस्ते हो सकते हैं. वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार बैटरी कवर, मेन कैमरा लेंस, बैक कवर, प्लास्टिक और मेटल के अन्य मैकेनिकल आइटम, जीएसएम एंटीना और अन्य हिस्सों पर आयात शुल्क घटाकर 10% कर दिया गया है. बीते दिनों मोबाइल कंपनियों ने सरकार से मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट घटाने के लिए 12 स्पेयर पार्ट्स पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग की थी. कंपनियों का कहना था कि अगर चीन, वियतनाम जैसे देशों को मैन्युफैक्चरिंग में कॉम्पिटिशन देना है तो कॉस्ट में कमी लानी होगी.

- चीन को कॉम्पिटिशन देना है तो कॉस्ट घटानी होगी
- भारत में बिकने वाले 98% फोन देश में ही बनते हैं

मोबाइल फोन सेक्टर को फायदा मिलेगा

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के मुताबिक मोबाइल फोन के जरूरी कॉम्पोनेंट्स जैसे कैमरा मॉड्यूल्स और चार्जर पर 2.5% से 20% तक इम्पोर्ट ड्यूटी लगती है. ये टैक्स चीन और वियतनाम जैसे लीडिंग मोबाइल मैन्युफैक्चरर देशों से कहीं ज्यादा है. आईसीईए ने कहा कि जब तक इन टैक्स को कम नहीं किया जाता, भारत की मोबाइल एक्सपोर्ट ग्रोथ धीमी रह सकती है. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में बिकने वाले 98% स्मार्टफोन देश में ही बनते हैं. मैन्युफैक्चरिंग पार्ट्स पर इम्पोर्ट ड्यूटी कम होने का मोबाइल फोन सेक्टर को फायदा मिलेगा. इससे भारत में मोबाइल के दाम भी कम होने की उम्मीद है. टैक्स कंसल्टेंसी फर्म मूर सिंघी के डायरेक्टर रजत मोहन ने कहा कि मोबाइल फोन के पार्ट्स के आयात पर शुल्क में कटौती से बड़े ग्लोबल मैन्युफैक्चरर्स को भारत में बड़े पैमाने पर मोबाइल असेंबली लाइनें स्थापित करने में मदद मिलेगी. इससे मोबाइल फोन एक्सपोर्ट बढ़ेगा. इंडियन स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट 2022 में 7.2 बिलियन डॉलर (करीब 60 हजार करोड़ रुपये) था जो 2023 में 13.9 बिलियन डॉलर (1.1 लाख करोड़ रुपए) हो गया. 2024 में स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट 15 बिलियन डॉलर (करीब 1.2 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा रहने की उम्मीद है.

देश में मोबाइल फोन का बाजार बढ़ा है

इसमें कोई संदेह नहीं कि बीते कुछ सालों से देश में मोबाइल फोन का बाजार बढ़ा है. भारतीयों के वोकल फॉर लोकल से मेड इन इंडिया प्रोडक्ट की डिमांड काफी बढ़ गई है. इसी का नतीजा है कि आज भारत में मोबाइल फोन के निर्यात और मैन्युफैक्चरिंग में वृद्धि हुई है. केंद्र सरकार के अनुसार स्मार्टफोन के निर्यात को दोगुना करके 11 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक करने के साथ, भारत दुनिया के मोबाइल डिवाइस बाजार में अग्रणी बनने की राह पर है और भारत के इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है. देश में जितने भी मोबाइल फोन बेचे जाते हैं उनमें से करीब 97 प्रतिशत स्मार्टफोन स्वदेशी यानि भारत में ही तैयार होते हैं. यही वजह है कि 2014-15 में जहां 78 प्रतिशत मोबाइल फोन दूसरे देश से आयात किया जाता था वहीं अब लगभग आयात 5 प्रतिशत रह गया है. मोबाइल फोन उत्पादन के लिए लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने से उत्पादन और निर्यात के स्केल में इजाफे के साथ ही रोजगार में भी बढ़ोतरी हुई है. इस सेक्टर से 7.5 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर का सृजन किया है. वहीं माना जा रहा है कि पीएलआई योजना के कारण देश ने रिकॉर्ड हासिल किया है. पीएलआई से स्वदेशी फोन का केवल एक प्रतिशत निर्यात होता था. वहीं पीएलआई योजना से अगले पांच वर्ष के दौरान लगभग चार लाख करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद भी है. इससे भारत में 60 लाख नौकरियों के अवसर भी सृजित होने की संभावना है. वैश्विक स्तर के बाजार में भारतीय मोबाइल फोन की मांग बढ़ रही है. यही वजह है कि भारत से निर्यात होने वाले सभी इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में मोबाइल का ही 46 प्रतिशत हिस्सा है. वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात भी 58 फीसदी की वृद्धि हुई है और निर्यात 1 लाख 85 हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है. आईसीईए के अनुसार 2022-23 में निर्यात में आईफोन निर्माता एपल का कुल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा रहा है. वहीं मोबाइल फोन के शीर्ष निर्यातक देशों में यूएई, यूएस, नीदरलैंड, यूके और इटली शामिल हैं.

- भारत में 60 लाख नौकरियों के अवसर भी सृजित होने की संभावना है

शेयर बाजार को रास नहीं आया 'बजट'

सेंसेक्स 0.15 फीसदी गिरावट के साथ 71,645.30 पर बंद

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया. शेयर बाजार को बजट से काफी उम्मीदें थी, लेकिन बाजार को बजट रास नहीं आया है. अंतरिम बजट के दिन बाजार में भारी वौलेटिलिटी देखने को मिली और अंत में सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान में बंद हुआ. कारोबार के अंत में तीस शेयरों पर आधारित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 107 अंक यानी 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 71,645.30 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28.25 अंक यानी 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 21,697.45 के स्तर पर बंद हुआ. गुरुवार के कारोबार में मारुति सुजुकी, सिप्ला, आयशर मोटर्स और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन निफ्टी के टॉप गेनर रहे. वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, जेएसडब्ल्यू स्टील और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के टॉप लूजर रहे.

लाभांश के रूप में वित्तीय संस्थानों से 1.02 लाख करोड़ प्राप्ति का अनुमान

सरकार ने गुरुवार को अगले वित्त वर्ष के लिए आरबीआई और पब्लिक सेक्टर के वित्तीय संस्थानों से 1.02 लाख करोड़ रुपये की लाभांश आय का अनुमान रखा है. सरकार चालू वित्त वर्ष में 48,000 करोड़ रुपये के बजट अनुमान के मुकाबले 1.04 लाख करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त करने के रास्ते पर है. चालू वित्त वर्ष का अनुमान बजट अनुमान से अधिक है. इसका कारण यह है कि आरबीआई ने पिछले साल मई में 87,416 करोड़ रुपये का लाभांश दिया था. पिछले वित्त वर्ष में सरकार ने आरबीआई और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से 39,961 करोड़ रुपये जुटाए थे.

रिपोर्ट कंपनी के वार्षिक परिचालन लाभ पर 300-500 करोड़ रुपये का असर पड़ने की आशंका

आरबीआई ने दिए पेटीएम की सेवाएं बंद करने के आदेश

एजेंसी। नयी दिल्ली

पेटीएम पेमेंट्स बैंक की करीब सभी सेवाएं 29 फरवरी के बाद बंद करने के आरबीआई के आदेश से कंपनी के वार्षिक परिचालन लाभ पर 300-500 करोड़ रुपये का असर पड़ने की आशंका है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार न करने का बुधवार को निर्देश दिया था. यह कदम व्यापक प्रणाली ऑडिट रिपोर्ट और बाहरी ऑडिटरकी अनुपालन सत्यापन रिपोर्ट के बाद उठाया गया है. इन रिपोर्ट में भुगतान बैंक में लगातार नियमों के गैर-अनुपालन और सामग्री पर्यवेक्षण से जुड़ी चिंताएं सामने आईं हैं.

पेटीएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस कदम से कंपनी की वार्षिक कर पूर्व आय पर 300-500 करोड़ रुपये का असर पड़ने की आशंका है. हालांकि, कंपनी को उम्मीद है कि वह अपनी लाभप्रदता में सुधार के पथ पर आगे बढ़ती रहेगी. पेटीएम ने कहा कि ओसीएल एक भुगतान कंपनी के रूप में विभिन्न भुगतान उत्पादों पर विभिन्न बैंकों के साथ काम करती है. प्रतिबंध से ओसीएल ने अन्य बैंकों के साथ काम करना शुरू कर दिया. अब हम योजनाओं में तेजी लाएंगे और अन्य बैंक साझेदारों की ओर बढ़ेंगे.

बढ़ी चिंता

- टॉप-अप स्वीकार न करने का दिया आदेश
- नियमों में गैर-अनुपालन से जुड़ी चिंताएं हैं

'नोडल खाता' 29 फरवरी से पहले होगी खत्म

आरबीआई ने आदेश में कहा था कि कि पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड और पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज के 'नोडल खातों' को 29 फरवरी से पहले जल्द-से-जल्द जल्द समाप्त किया जाना चाहिए. वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है लेकिन वह इसे अपनी सहयोगी के रूप में वर्गीकृत करता है, न कि अनुषंगी कंपनी के रूप में.

15 मार्च के बाद लेनदेन की अनुमति नहीं : आरबीआई

आरबीआई ने कहा कि पहले किए जा चुके लेनदेन और नोडल खातों का निपटान 15 मार्च 2024 तक पूरा किया जाए तथा उसके बाद किसी और लेनदेन की अनुमति नहीं दी जाएगी. इससे पहले, एनएचएआई की इकाई आईएचएमसीएल ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए फास्टैग जारी करने से रोक दिया.

अंतरिम बजट के बाद जमकर चढ़े सरकारी बैंकों के शेयर

भाषा। नयी दिल्ली

बजट को लेकर शेयर बाजार को बहुत उम्मीदें थी लेकिन कुछ खास नहीं मिलने से मार्केट सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं. लेकिन, बजट में हुई एक घोषणा के बाद सरकारी बैंकों में जबरदस्त तेजी आई है. वित्त मंत्री ने बजट में बोरोइंग प्रोग्राम (उधारी) को लेकर अहम ऐलान किया. इसके बाद पीएसयू बैंकों के शेयरों में जबरदस्त तेजी आ गई. बजट के बाद निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया. बढ़त के साथ कारोबार करने वाले शेयरों में इंडियन ओवरसीज बैंक, यूको बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा समेत अन्य सरकारी बैंक के स्टॉक शामिल हैं.

क्या रही तेजी की वजह

विश्लेषकों के अनुसार पीएसयू बैंकों के पास निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बॉन्ड का बड़ा हिस्सा है, जिससे यील्ड में गिरावट और बॉन्ड की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्क-टू-मार्केट लाभ में वृद्धि हुई है. 10 साल की बॉन्ड यील्ड अपने पिछले दिन के 7.14 प्रतिशत से 7 आधार अंक गिरकर 7.07 प्रतिशत हो गई. बांड की उपज और कीमतें विपरीत दिशाओं में चलती हैं.सरकार ने 1 अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में बॉन्ड के जरिए 14.13 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की घोषणा की है.

राष्ट्रपति ने 'उद्यान उत्सव 2024' का उद्घाटन किया

जनता के लिए आज खोला जाएगा 'अमृत उद्यान'

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अमृत उद्यान में 'उद्यान उत्सव 2024' का उद्घाटन किया जिसे शुक्रवार से जनता के लिए खोल दिया जाएगा. राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी. पंद्रह एकड़ में फैले इस प्रसिद्ध उद्यान में इस बार फूलों की 85 से अधिक प्रजातियों के अलावा एक पुष्प घड़ी और एक 'सेल्फी पॉइंट' भी होगा. राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज गुरुवार उद्यान उत्सव-1- 2024 की शोभा बढ़ाई. इसमें कहा गया कि उद्यान उत्सव-1 के तहत अमृत उद्यान दो फरवरी से 31 मार्च, 2024 तक (सोमवार को छोड़कर जो रखरखाव का दिन है) जनता के लिए खुला रहेगा. पहली बार, अमृत उद्यान में आने वाले आगंतुकों के लिए 18 किस्मों के 42,000 ट्यूलिप वाला एक थीम गार्डन विकसित किया गया है. इसके साथ ही 225 साल पुराना शीशम का पेड़ और बोनसाई उद्यान (300 से अधिक बोनसाई, जिनमें से कई दशकों पुराने हैं) आगंतुकों के लिए प्रमुख आकर्षणों में से हैं. बयान में कहा गया, बुकिंग ऑनलाइन और साथ ही गेट नंबर 35 के बाहर स्थित स्वयं-सेवा कियोस्क के माध्यम से की जा सकती है. स्लॉट की बुकिंग मुफ्त है.

ब्रीफ खबरें

श्रीनगर में हुई मौसम की पहली बर्फबारी

श्रीनगर। श्रीनगर और कश्मीर के अन्य मैदानी इलाकों में बृहस्पतिवार को सर्दी के इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई जिससे स्थानीय लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे. अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर और मैदानी इलाकों के आसपास के अन्य इलाकों में कल देर रात बारिश और बर्फबारी हुई. इसके बाद घाटी सुबह तक बर्फ की चादर से ढक गई. उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर सहित कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों में यह मौसम की पहली बर्फबारी है जहां सर्दी के इस मौसम में बहुत कम बारिश हुई है.

जगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा पर अधिसूचना जारी हुई

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने पुरी के 12वीं सदी के विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर की रक्षा और सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बटालियन के गठन की अधिसूचना जारी की है. अधिसूचना के अनुसार विशेष बटालियन में विभिन्न रैंक के लिए 1,083 पद सृजित किए जाएंगे. विशेष सुरक्षा बटालियन पुरी के पुलिस अधीक्षक के नियंत्रण में कार्य करेगी. इसमें कहा गया है कि पुरी के मंदिर के लिए विशेष बटालियन के गठन के साथ ही पूर्व में श्री जगन्नाथ मंदिर की रक्षा और सुरक्षा के लिए सिंहद्वार पुलिस थाने के तहत गठित एपीआर (सशस्त्र पुलिस रिजर्व) के 139 पद समाप्त किए जाते हैं.

परिवर्तनकारी दौर से गुजर रही है सेना: जनरल

पुणे। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार को कहा कि भारतीय सेना एक परिवर्तनकारी दौर से गुजर रही है और इसने अभियानगत तैयारियों को और मजबूत करने के लिए व्यापक रूपरेखा तैयार की है. जनरल पांडे ने महाराष्ट्र के पुणे में 'बॉम्बे सैपर्स वॉर मेमोरियल सैंटिनरी' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि सेना की रेजीमेंट और अन्य यूनिट में अग्निवीरों का एकीकरण एक अहम मुद्दा है और इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. कहा कि बॉम्बे सैपर्स का इतिहास शौर्य, बलिदान और साहस से भरा है.

वाराणसी की जिला अदालत ने हिंदू समुदाय को दिया पूजा करने का अधिकार

व्यास जी के तहखाने में हुई पूजा-अर्चना

भाषा। वाराणसी

वाराणसी जिला अदालत द्वारा हिंदू समुदाय को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा का अधिकार दिये जाने के चंद घंटों बाद बुधवार देर रात तहखाने को खोलकर उसमें पूजा की गई. समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज करते हुए इसे नियत प्रक्रिया से परे गतिविधि करार दिया है. काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडेय ने बताया कि रात करीब साढ़े 10 बजे 31 साल बाद व्यास जी का तहखाना पूजा-पाठ के लिये खोला गया और उसकी साफ-सफाई करायी गयी. इस सवाल पर कि क्या तहखाने में पूजा शुरू हो गई है, उन्होंने कहा, 'हां.' पांडेय ने कहा कि जैसा कि न्यायालय का आदेश था, उसका पालन करना भी जरूरी था तो जिला प्रशासन ने बड़ी मुस्तैदी के साथ सारी व्यवस्था कर दी है. मुझे लगता है कि और जो भी कमी रह गई है उसे धीरे-धीरे पूरा कर लिया जाएगा.

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कसा तंज : सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज करते हुए इसे नियत प्रक्रिया से परे गतिविधि करार दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर गुरुवार को कहा कि वाराणसी की अदालत ने इसके लिए सात दिन की अवधि तय की थी. अब हम जो देख रहे हैं वह नियत प्रक्रिया से परे जाने और किसी भी कानूनी सहारे को रोकने का एक ठोस प्रयास है.

तहखाने में लक्ष्मी-गणेश की आरती की गयी

कुछ स्थानीय लोगों का दावा है कि साफ-सफाई के बाद तहखाने में लक्ष्मी-गणेश की आरती की गयी. हिन्दू पक्ष के एक वादी सोहनलाल आर्य ने बताया कि आज तड़के करीब चार बजे जब वह ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की एक वादी लक्ष्मी देवी के साथ तहखाने में दर्शन-पूजन करने पहुंचे थे. उन्होंने बताया कि अब तहखाने के बैरिकेटिंग को हटा कर वहां लोहे का गेट लगा दिया गया है. आर्य ने कहा कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें बताया कि रात में पूजा हो चुकी है इसलिए अब आप लोग सुबह आईयेगा. आर्य ने बताया कि आज वह काशी-विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक कर व्यास जी के तहखाने में नियमित पूजा पाठ की रूप रेखा तैयार करेंगे.

तमन्ना पूरी

- ज्ञानवापी परिसर में कराई गई साफ-सफाई
- जो भी कमी रह गई है उसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा

इस तहखाने में वर्ष 1993 तक पूजा-अर्चना होती थी

हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के मुताबिक, जिला न्यायाधीश अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने तहखाने में पूजा पाठ करने का अधिकार व्यास जी के नाती शैलेन्द्र पाठक को दे दिया है. उन्होंने दावा किया कि इस तहखाने में वर्ष 1993 तक पूजा-अर्चना होती थी मगर उसी साल तत्कालीन मुलायम सिंह यादव रकार ने इसे बंद करा दिया था.

व्यासजी के तहखाने की पूरी कहानी

- मस्जिद के ग्राउंड फ्लोर में यह तहखाना है.
- तहखाने में हिंदू धर्म से जुड़ी पूजा सामग्री और कई प्राचीन मूर्तियां मौजूद है.
- दिसंबर 1993 तक तहखाने में मूर्ति की पूजा होती थी.
- बाद में पुजारी को प्रवेश करने से रोक दिया गया.
- बाद में तहखाने में होने वाले राग-भोग संस्कार भी रुक गये.

सात दिन के भीतर कराएं सारी व्यवस्था

वकील मोहन यादव ने बताया कि जिला न्यायाधीश ने अपने आदेश में जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा है कि वादी शैलेंद्र व्यास तथा काशी विश्वनाथ ट्रस्ट द्वारा तय किये गए पुजारी से व्यास जी के तहखाने में स्थित मूर्तियों की पूजा और राग-भोग कराए जाने की व्यवस्था सात दिन के भीतर कराएं. यादव ने बताया कि पूजा कराने का कार्य काशी विश्वनाथ ट्रस्ट करेगा और ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने के समक्ष बैठे नंदी महाराज के सामने लगी बैरीकेडिंग को हटाकर रास्ता खोला जाएगा.

इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय जाएंगे मुस्लिम पक्ष

मुस्लिम पक्ष ने जिला अदालत के इस निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती देने की बात कही है. मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता मुमताज अहमद ने कहा कि आज जिला न्यायाधीश ने हिंदुओं को पूजा करने का अधिकार देकर अपना अंतिम फैसला दे दिया है. अब हम इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय जाएंगे.

23 वर्ष पूर्व हुए जातीय संघर्ष के दोषियों को आजीवन कारावास

भाषा। मथुरा

उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद के हाईवे थाना के दतिया गांव में 23 वर्ष पहले 2001 में एक पंचायती भूखंड को लेकर हुए जातीय संघर्ष के सिलसिले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने 15 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा 73-73 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है. विशेष लोक अभियोजक सुरेश प्रसाद शर्मा ने गुरुवार को बताया कि थाना हाईवे (जो तब नरहौली थाने के नाम से जाना जाता था) के गांव दतिया में 23 जनवरी 2001 की सुबह सात बजे के करीब, पंचायती भूखंड पर सवर्ण पक्ष की ओर से निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया था. शर्मा ने बताया कि इस निर्माण कार्य का अनुसूचित जाति के लोगों ने विरोध किया था, जिसने जातीय संघर्ष का रूप ले लिया था. उन्होंने बताया कि दलित पक्ष के होरीलाल ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया था. उन्होंने कहा कि आरोप था कि सवर्ण पक्ष ने गांव में मारपीट की, गोलियां चलायी और आगजनी की, जिसमें अनुसूचित जाति के राजेंद्र सिंह की जांघ में गोली लगी. वहीं, छह माह की बच्ची गुड़िया अपनी झोपड़ी में जिंदा जलकर मर गई. पुलिस ने तहरीर के आधार पर 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया.

खास बातें

- आरोपियों पर 73-73 हजार रुपये जुर्माना लगाया
- दलित पक्ष ने मुकदमा दर्ज कराया था

न्याय यात्रा की सफलता के डर से हुई सीएम की गिरफ्तारी : रमेश

भाषा। जांगीपुर (पश्चिम बंगाल)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के प्रमुख सहयोगी दल झामुमो के नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शानदार सफलता के बाद भाजपा की हताशा का नतीजा है. पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पत्रकारों से बातचीत में रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा की गतिविधियों का उद्देश्य विपक्षी नेताओं को डराना और इंडिया गठबंधन की एकता को खंडित करना है. रमेश ने कहा, सोरेन की गिरफ्तारी सहित भाजपा की हालिया कार्रवाइयां न्याय यात्रा को मिली गति को पटरी से उतारने का खुला प्रयास है. उन्होंने यात्रा की प्रगति के साथ-साथ भाजपा द्वारा उठाए गए कई रणनीतिक कदमों पर प्रकाश डाला, जिसमें राजनीतिक हस्तियों का दल-बदल और सोरेन की गिरफ्तारी भी शामिल है.

14 जनवरी को यात्रा की शुरुआत में मिलिंद देवड़ा का अचानक भाजपा में जाना, उसके बाद बिहार में यात्रा के प्रवेश से ठीक पहले जदयू का महागठबंधन से बाहर जाना और अब झारखंड आगमन की पूर्व संध्या पर हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी, भाजपा की हताशा का स्पष्ट संकेत है. भाजपा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ये हरकतें भाजपा के अंतर्निहित डर और भ्रम को दर्शाती हैं.

राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा' पहुंची बंगाल

भाषा। कोलकाता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पहुंच गई. इस्लामपुर से बिहार में प्रवेश करने के साथ ही गत सोमवार को पश्चिम बंगाल में यात्रा का पहला चरण पूरा हो गया था.

राज्य के उत्तरी हिस्से में मालदा जिले के रतुआ, बर्द्धमान जिले के देवीपुर के रास्ते यात्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में फिर से प्रवेश किया. राहुल गांधी की यात्रा अब तक पश्चिम बंगाल के छह जिलों में 523 किमी की दूरी तय करते हुए दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और उत्तर दिनाजपुर को कवर कर चुकी है, जबकि दूसरे चरण में यह मालदा और मुर्शिदाबाद से गुजरेगी. कभी कांग्रेस का गढ़ रहे उत्तर बंगाल में यात्रा का उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया और रास्ते में गांधी ने स्थानीय लोगों से बातचीत की.

भाजपा चुनाव जीतने के लिए लोगों को जेल में डाल रही है : ममता

भाषा। शांतिपुर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झारखंड में अपने समकक्ष हेमंत सोरेन को कथित भूमि घोटाला मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद गुरुवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए विपक्षी नेताओं को जेल में डाल रही है. बनर्जी ने नादिया जिले के शांतिपुर में एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान कहा कि अगर उन्हें सलाखों के पीछे भी डाल दिया जाए तो भी वह इससे बाहर आ जाएंगी. उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए सबको जेल में डाल रही है. मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन बनाने के लिए उत्सुक थी लेकिन उसने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बॉटनी की पढ़ाई कर बना सकते है अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद। बॉटनी साइंस (वनस्पति विज्ञान) बायोलॉजी की एक शाखा है, जो मुख्यत: पौधों की पढ़ाई, उनकी बनावट, प्रॉपर्टीज और बायोकेमिकल प्रोसेसिंग पर केंद्रित है. साथ ही इसमें पौधों के बारे में विस्तार से समझने, पौधों में किसी तरह की कोई बीमारी है या अन्य कोई कारक है, तो उसे दूर करने के बारे में विस्तार से पढ़ाई की जाती है.

बॉटनी को बेहतर तरीके से समझा जाए, तो प्रकृति के महत्वपूर्ण हिस्से यानी पेड़-पौधों और फल-फूल आदि के बारे में शोध और उनसे जुड़ी समस्याओं को समझकर उनका इलाज करना इसके अंतर्गत आता है. बॉटनी की पढ़ाई की बात की जाए, तो इसमें पौधों की साइंटिफिक स्टडी (वैज्ञानिक शिक्षा), जिसमें पौधों के जीवन चक्र, काम करने के तरीके, पौधों की प्रजातियों को देखकर पहचानने की कला, पौधों में आपस में समानता, उनके उगने की जगह, कैसे वातावरण में कौन से पौधे तैयार होते हैं, कैसे पौधों को उपयोग में लाया जाए और उनके विकसित होने की प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है.

बॉटनिस्ट

बॉटनिस्ट वैसे साइंटिस्ट्स होते हैं, जो पौधों के बारे में शोध करते हैं, फूलों की गहराई, उनके आकार, विकास और इस्तेमाल के बारे में अध्ययन करते हैं. वे प्लांट टैक्सोनॉमी, प्लांट इकोलॉजी के साथ ही साथ पौधों की केमिकल बायोलॉजी का गहन रिसर्च करने में सक्षम होते हैं. इस रिसर्च में भिन्न-भिन्न पौधों की खासियत के बारे में भी पता चल जाता है, जिसके बाद उन्हें उनकी क्षमता के अनुसार इस्तेमाल में भी लाया जाता है. ऐसे इंटरेस्टिंग कॅरियर को एक्सप्लोर करने से एक बॉटनिस्ट होते हुए आप भविष्य में मिलने वाले मौकों के लिए तैयार रहते हैं.

कॅरियर में उन्नति की बात की जाए, तो बॉटनिस्ट की मांग इस समय काफी बढ़ गई है. प्रकृति के हालात और भविष्य, वर्तमान समय में काफी बदतर स्थिति में देखने को मिले हैं, जिससे सरकार पेड़- पौधों आदि पर ख़ास ध्यान केंद्रित करने के लिए संकल्पित है. पौधे लगाने और उससे जुड़ी समस्यायों का निवारण करना आवश्यक हो गया है. इन सभी कारणों से बॉटनिस्ट की इन दिनों काफी डिमांड है और भविष्य में भी उनकी डिमाड और बढ़ सकती है.

बॉटनिस्ट के कौन-कौन से काम

- पौधों के विकास और खाद्य संसाधन हेतु गहन शोध का संचालन करना.
- कंप्यूटर के इस्तेमाल से यह पता लगाना कि किसी दिए गए क्षेत्र में बॉयोमास का प्रबंधन कैसे किया जा सकता है.
- बायोमॉस आपदाओं से जुड़ी समस्याओं जैसे सूखा, अगलगी, बाढ़ और सुपरस्टॉर्म के निवारण के बारे में जानकारी देता है.
- पौधों को मिलने वाले खाद, मिट्टी,पानी और हवा की गुणवत्ता को न ध्यान मनें रखने की जिम्मेवारी भी है.
- शोधार्थी, यूनिवर्सिटी ऑथॉरिटीज, कंसल्टेंट्स और वातावरण से जुड़ी कंपनियों के साथ रिसर्च प्रोफेसर और कंसल्टेशन प्रोजेक्ट्स को लीड करना एक बॉटनिस्ट के रोल और उसकी ज़िम्मेवारियों में भी आता है.

कैसी कुशलता की जरूरत

- पौधों और वातावरण के विकास के संबंध में और रूचि होना.
- बॉटनी से संबंधित होने के कारण आपको मैथेमैटिक्स, केमिस्ट्री के साथ ही साथ बायोलॉजी की अच्छी समझ होना अनिवार्य है.
- स्ट्रांग एनॉलिटिकल स्किल्स
- कम्युनिकेशन स्किल्स
- कंप्यूटर एप्टीट्यूड स्किल्स
- प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स
- टीमवर्क और सब्र

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)